Daily THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Sunday, 12 May 2024 ● Year : 02 ● Issue : 113 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

निरोगी रहना, किसी का कर्जदार न होना, अच्छे लोगों से मेल रखना, अपनी वृत्ति से जीविका चलाना और निर्भय होकर रहना- ये मनुष्य के सुख हैं।

Ahan Shetty, Pooja Hegde's High...

SHARE

सेंसेक्स	:	72,664.47
निफ्टी	:	22,055.20

SARAFA

सोना	:	6,885
चांदी	:	90.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

धुर्वा डैम में नहाने के दौरान डूबकर दो बच्चों की मौत

RANCHI : नगड़ी थाना क्षेत्र स्थित धुर्वा डैम में शनिवार को डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस स्थानीय गोताखोरों की मदद से बच्चों को डैम से बाहर निकालने की कोशिश कर रही है। डूबे हुए बच्चों में आलोक कुमार (15) और बंटू कुमार शामिल है। दोनों बच्चें शर्मा कॉलोनी धुर्वा के रहने वाले हैं। नहाने के दौरान दोनों बच्चे डैम में बने खतरे के निशान को पार कर गए। इसी दौरान दोनों बच्चे डूब गए। नगड़ी थाना प्रभारी अभिषेक राय ने बताया नहाने के दौरान दो बच्चे डूबे है। एनडीआरएफ टीम को भी सूचना दी गयी है।

तेजी से करवट ले रहा मौसम, 14 तक बारिश

RANCHI : झारखंड में मौसम तेजी से करवट ले रहा है। शनिवार की दोपहर रांची से सटे तमाड़ में बारिश के साथ ओलावृष्टि भी हुई। मौसम केंद्र के अनुसार 12 से 14 मई तक मेघ गर्जन के साथ बारिश की चेतावनी दी गई है। वहीं मौसम विभाग ने कई जिलों के लिए तात्कालिक अलर्ट जारी किया है। मौसम केंद्र के अनुसार राज्य के कुछ स्थानों पर तेज गति से हवा चलने की आशंका है। इसकी रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा होने की संभावना है। इसका प्रभाव चतरा, हजारीबाग, लातेहार, लोहरदगा, पूर्वी सिंहभूम, गिरिडीह, गुमला, खूंटी, रामगढ़, रांची, सरायकेला-खरसावां,पलामू जिले के कुछ भागों में देखने को मिलेगा।

रांची में एक कार से 3.35 लाख कैश बरामद

RANCHI : विधानसभा थाना क्षेत्र में एक कार से 3.35 लाख रुपये कैश बरामद हुआ है। कैश की बरामदगी शनिवार की शाम में हुई है। जानकारी के मुताबिक, मुताबिक एक लाल कलर की स्विफ्ट कार से कैश बरामद हुआ है। कार में तीन युवक सवार थे, जिसमें से एक युवक मौके से फरार होने में सफल रहा है। कैश बरामद होने की सूचना के बाद केंद्रीय जांच एजेंसी के कान खड़े हो गए है।

दूल्हे समेत 4 की कार में जिंदा जलकर मौत

JHANSI : झांसी में शनिवार देर रात भीषण हादसे में दूल्हा, भाई-भतीजा समेत चार लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। बारात लेकर जा रहे दूल्हे की कार को ट्रक ने टक्कर मारी। कार में लगे एलपीजी सिलेंडर फट गया और आग लग गई। कार सवार दो लोगों को बचा लिया गया है। हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर मौके से भाग गया। हादसा झांसी-कानुपर हाईवे पर बड़ागांव थाना क्षेत्र के पारीछा ओवरब्रिज पर हुआ।

मिशन 2024 : चतरा में झामुमो, कांग्रेस और राजद पर प्रधानमंत्री ने साधा निशाना

बोले पीएम मोदी- 'इंडी' वालों से देश व झारखंड को बचाएं, इनकी नीयत खराब

PHOTON NEWS CHATRA : शनिवार को झारखंड के चतरा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने भ्रष्टाचार को लेकर झामुमो, कांग्रेस व राजद पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि झामुमो, कांग्रेस और 'इंडी' गठबंधन के कारनामे और सोच से झारखंड और देश को बचाना समय की मांग है। इनकी नीयत खराब है। झामुमो व कांग्रेस के नेताओं के ठिकानों से नोटों के पहाड़ निकल रहे हैं। झारखंड के मंत्री, मंत्री का पीस, नौकर सबके पास जितने रुपये निकल रहे हैं, मैंने कभी अपनी आंखों से नहीं देखा। कर्मचारी के घर से जब करोड़ों रुपये मिल रहे हैं, तो मालिकों की तिजोरियों में कितना काला धन होगा? कांग्रेस सांसद के पास से तो 300 करोड़ से ज्यादा कैश मिला। नोट गिनने वाली मशीने हांफने लगीं। यह पैसा किसका है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मां भद्रकाली और मां छिन्नमस्तिके के चरणों में प्रणाम करता हूं। आज चतरा की धरती पर जनसैलाब उमड़ा है। जितना अंदर है, उसका चार गुना बाहर है। आपका यह स्नेह चार जून को आने वाले परिणाम को लेकर दुविधा में पड़े लोग आकर यहां देख लें। चार जून के नतीजे क्या होंगे, यह चतरा की धरती पर दिखायी दे रहे हैं। तीन चरणों के चुनाव के बाद ही कांग्रेस और उसके साथियों ने एक तरह से अपनी हार स्वीकार कर ली है। इंडी एलायंस के एक बड़े नेता ने महत्वपूर्ण बयान दिया है। तीन दिन हो गये। जो लोग राजनीतिक परिस्थितियों के जानकार हैं। उनकी नजर उधर गयी लगती नहीं है।

- हाल यह है कि यहां पर कर्मचारी के घर से मिल रहे करोड़ों रुपये
- कांग्रेस सांसद के पास से तो 300 करोड़ से ज्यादा कैश मिला
- मालिकों की तिजोरियों में कितना काला धन होगा?
- जहां-जहां विस का चुनाव वहां बनेगी एनडीए की सरकार

चतरा की चुनावी रैली में लोगों का अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

ये क्षेत्रीय पार्टियों का अस्तित्व कर देना चाहते हैं समाप्त

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा है कि चुनाव के बाद इंडी एलायंस के साथ जुड़ी क्षेत्रीय पार्टियों, छोटे राजनीतिक दलों का कांग्रेस में विलय कर देना चाहिए। यह कांग्रेस के नेता का नहीं, बल्कि एक छोटी पार्टी के बड़े नेता का बयान है। उन्होंने कहा है कि झामुमो जैसे छोटे दलों का विलय कांग्रेस में कर देना चाहिए। उन्होंने ऐसा सुझाव क्यों दिया? उनके मन में इतनी हताशा और निराशा घर कर गयी है कि चार जून के बाद अपनी पार्टी का अस्तित्व मिटा कर कुछ दिन गुजारा करने की सोच रहे हैं। वह क्षेत्रीय पार्टियों का अस्तित्व समाप्त कर देना चाहते हैं। पिछले तीन चरणों के मतदान के रूझान के बाद मुझे समय में आया कि उन्होंने ऐसा क्यों कहा? उनके मन में पक्का हो गया है कि कांग्रेस और उनके साथी सब मिला कर भी विपक्ष के लिए 10 प्रतिशत यानी 50 से थोड़ी ऊपर सीटें भी नहीं आयेगी। अगर कांग्रेस में विलय कर देंगे, तो पूरे समूह को विपक्ष के रूप में मान्यता मिल जाये। देश की जनता ने तिकड़म लगाने वालों को तीन चरणों में ही ऐसा सबक सिखा दिया है कि वो विलय करके विपक्ष के लिए जगह खोज रहे हैं। देशवासियों को एडवांस में बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि मैं ओडिशा से आ रहा हूं। उसके पहले तेलंगाना में था। आंध्र भी जाकर आया हूं। मैं जिम्मेवारी के साथ कहता हूं कि इस चुनाव के साथ-साथ जहां-जहां विधानसभा चुनाव भी साथ चल रहे हैं, विधानसभा में भी भारी बहुमत से एनडीए की सरकारें बनेगी। शहजादे को, उनकी पार्टी को उनकी उम्र से भी कम सीटें मिलने वाली हैं।

भ्रष्टाचारियों पर करेंगे कार्रवाई

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि जिस पर कोई दाग नहीं लगा है, वो आपका बेटा मोदी ही इन भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई कर सकता है। झामुमो और कांग्रेस का एक ही एजेंडा है। न काम करेंगे ना करने देंगे और बिना बिना दाम काम का नाम नहीं। यह इनका खेल है। खुद तो भ्रष्टाचार के अलावा कुछ करते नहीं हैं। मोदी जो काम करता है, उसे भी रोकने में लगे रहते हैं। मोदी देश में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दे रहा है। ये चाहते हैं कि मोदी का भेजा राशन गरीबों को मिले ही नहीं। जब गरीब मोदी को आशीर्वाद देता है, तो उनको चिढ़ होती है। हर घर जल पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन शुरू हुआ है, लेकिन झारखंड सरकार उसमें भी गड़बड़ कर रही है।

प्रेस कांफ्रेंस में बोले सीएम केजरीवाल

जनता के हाथ में है देश को तानाशाही से बचाना

AGENCY NEW DELHI : शनिवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जेल से बाहर आने के बाद पहली बार प्रेस कांफ्रेंस की। इसमें उन्होंने देश को तानाशाही से बचाने की अपील करते हुए कहा कि भाजपा सरकार आने के बाद प्रधानमंत्री मोदी अपनी राजनीतिक विरासत अमित शाह को सौंप देंगे। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सत्ता में वापसी के साथ एक देश, एक नेता वाली स्थिति बन जाएगी। वे देश के सभी विपक्षी नेताओं को जेल में डाल देंगे जैसे उन्हें जेल में डाला गया। उन्होंने ममता बनर्जी, तेजस्वी यादव, उद्धव ठाकरे और एमके स्टालिन का नाम लेते हुए कहा कि इन्हें जेल में डाला जाएगा। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में जनता देश को तानाशाही से बचा सकती है। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी पार्टी के नेताओं को ही साइडलाइन कर दिया है।

- अपनी राजनीतिक विरासत अमित शाह को सौंप देंगे पीएम
- देश के सभी विपक्षी नेताओं को जेल में डाल देंगे
- अपनी पार्टी के नेताओं को ही प्रधानमंत्री ने कर दिया साइडलाइन

पुरुलिया-बराकर राजमार्ग पर हुआ हादसा

ट्रक ने मारी कई वाहनों को टक्कर, पांच की मौत

PHOTON NEWS PURULIA : शनिवार को पूर्वी सिंहभूम जिले से सटे बंगाल के पुरुलिया जिले में एक ट्रक ने स्टेट हाईवे पर कई वाहनों को टक्कर मार दी, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई है। छह अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। यह घटना नितुरिया में पुरुलिया-बराकर राजमार्ग पर हुई। पुरुलिया से बराकर जाने के क्रम में भामुरिया मोड़ के पास तेज गति से आ रही एक ट्रक ने सबसे पहले यात्रियों से भरी एक टोटो को टक्कर मारी। पुरुलिया के एसपी अभिजीत बनर्जी के अनुसार, सड़क निर्माण के लिए कंक्रीट ले जा रहे ट्रक ने पहले एक मोटरसाइकिल को टक्कर मारी, जिससे बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि जब स्थानीय लोग चालक को पकड़ने के लिए ट्रक की ओर दौड़ने लगे, तो चालक ने घटनास्थल से भागने का प्रयास किया। इस अफरा-तफरी में उसने पहले यात्रियों से भरे एक तिपहिया वाहन, फिर कुछ राहगीरों को टक्कर मार दी। बाद में, वह घटनास्थल से फरार हो गया।

- छह अन्य लोग गंभीर रूप से हो गए घायल
- राहगीरों को भी कुचला
- आक्रोशित स्थानीय लोगों ने स्टेट हाईवे को किया जाम
- पुलिस ने चालक को किया गिरफ्तार

सोनिया गांधी हिंदू हैं क्या जो जाएंगी अयोध्या : हिमंत

BOKARO : असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा शनिवार को झारखंड में थे। चुनाव प्रचार के दौरान मौसम बिगड़ने से वे बोकारो में ठहर गए। यहां उन्होंने हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बेबाक अंदाज में बातचीत की। एक सवाल पर शर्मा ने कहा कि पूरे देश में मोदी चुनाव लड़ रहे हैं, जिनका चुनाव चिह्न कमल है। तीन चरण का चुनाव हो चुका है, जिसमें भाजपा 400 सीटों के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। कांग्रेस की सरकार बनने पर राम मंदिर के शुद्धिकरण के सवाल पर शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के नेता का बयान मतलब सोनिया गांधी का बयान है। सोनिया गांधी कोई हिंदू हैं कि वे राम मंदिर जाकर शुद्ध करेंगी। राम मंदिर का निर्माण उच्चतम न्यायालय के निर्णय पर हुआ है। जो छूने की कोशिश करेगा, वह सीधा जेल जाएगा। अयोध्या का राम मंदिर देश के 100 करोड़ हिंदुओं की आस्था का केंद्र है। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के पाकिस्तान से संबंधित बयान पर कहा कि कांग्रेस व उनके नेताओं को भारत की नहीं, पाकिस्तान की चिंता है। जिस प्रकार पाकिस्तान गरीबी झेल रहा है, उसके पास एटम बम के रखरखाव तक का पैसा नहीं है।

लोस चुनाव : पहले के पत्र को अस्वीकार करने का जानना है कारण

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे बोले- एक बार फिर लिखेंगे चुनाव आयोग को लेटर

AGENCY NEW DELHI : कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एक बार फिर से चुनाव आयोग को पत्र लिखेंगे। इस बार उनके पत्र लिखने का आशय पिछली बार उनके द्वारा भेजे गए पत्र को अस्वीकृत किए जाने का कारण जानना है। चुनाव आयोग ने मौजूदा लोक सभा चुनाव में मतदान के आंकड़ों में विसंगति के बारे में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के 6 मई के पत्र में उठाए गए सवालों को आरोप बताते हुए शुक्रवार को खारिज कर दिया है। शनिवार को खड़गे ने कहा, मैं एक बार फिर पत्र लिखकर चुनाव आयोग से अस्वीकृति का कारण पूछूंगा लेकिन मैं इसे वहां पहुंचने से पहले प्रेस को जारी नहीं करूंगा।

ईसीआई ने चुनाव में बाधा डालने के लिए लगाई थी फटकार

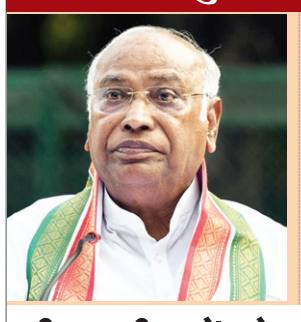

खड़गे ने आयोग को लिखे पत्र में छह सवाल उठाए थे और उस पत्र को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर डाल दिया था। भारत निर्वाचन आयोग ने पत्र मिलने के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे को लोकसभा चुनाव में बाधा डालने के लिए फटकार लगाई। आयोग ने उनके बयानों को आक्रामक कहा। आयोग ने यह भी कहा कि मतदाता मतदान डेटा जारी करने के संबंध में उनके (खड़गे) निराधार आरोप स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के संचालन में भ्रम, गलत दिशा और बाधाएं पैदा करने के लिए लगाए गए हैं। आयोग ने आशंका भी जताई कि उनके बयान से मतदाताओं की भागीदारी पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने सवाल उठाया था कि वोट डाले जाने के बाद चुनाव आयोग टर्नआउट के आंकड़े जारी करने में क्यों देरी कर रहा है।

पीएम की बातें खोखली, कोई विजन नहीं : प्रियंका

NANDURBAR : शनिवार को कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने महाराष्ट्र के नंदूरबार में चुनावी सभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनावी भाषणों को खोखली बातें करार दिया और आरोप लगाया कि वह राजनीति का इस्तेमाल केवल सत्ता हासिल करने के लिए कर रहे हैं, न कि लोगों की सेवा के लिए। वह नंदूरबार लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार गोवाल पाडवी के समर्थन में यहां एक लोगों को संबोधित कर रही थीं। बता दें कि पीएम मोदी ने एक दिन पहले इस आदिवासी बहुल निर्वाचन क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित किया था। प्रियंका ने कहा, 'पीएम मोदी जो भी बोलते हैं, वे खोखली बातें हैं जिनमें कोई वजन नहीं होता।'

बठिंडा बेस पर तैनात किया जाएगा दृष्टि-10 ड्रोन, पाकिस्तान सहित पश्चिमी बॉर्डर पर होगी टाइट निगरानी

6 दिन बाद सेना को मिलेगा पहला हर्मीस-900 स्टारलाइनर

स्ट्रांग आर्मी

AGENCY NEW DELHI : पाकिस्तान से लगी भारतीय सीमा पर निगरानी को बढ़ाने में मददगार हर्मीस-900 स्टारलाइनर ड्रोन आज से ठीक 6 दिन बाद यानी 18 मई को हैदराबाद में भारतीय सेना को मिलेगा। यह सेना को मिलने वाला पहला ड्रोन है। हालांकि, सबसे पहला हर्मीस-900 जनवरी में भारतीय नौसेना को सौंपा गया था। दूसरा ड्रोन सेना ले जा रही है। भारतीय सेना अपने बठिंडा बेस पर दृष्टि-10 ड्रोन को तैनात करेगी जहां से वह पाकिस्तान के साथ पूरी पश्चिमी सीमा पर नजर रख सकेगी। इसके बाद तीसरा ड्रोन नौसेना और चौथा सेना को दिया जाएगा। भारतीय सेना के पास पहले से ही हेरॉन मार्क 1 और मार्क 2 ड्रोन का इस्तेमाल हो रहा है, लेकिन मेक इन इंडिया के तहत सेना ने दृष्टि-10 या हर्मीस-900 ड्रोन के लिए ऑर्डर भी दिए हैं।

चीन-पाक बॉर्डर पर हेरोन मार्क-2 ड्रोन तैनात

भारत ने नॉर्दर्न सेक्टर के फॉरवर्ड एयरबेस पर एडवांस्ड हेरोन मार्क-2 ड्रोन तैनात किए हैं। ये ड्रोन्स लॉन्ग रेंज मिसाइलों से दुश्मन पर हमला करने में सक्षम हैं। इसके अलावा एक ही उड़ान में चीन-पाकिस्तान दोनों सीमाओं की निगरानी भी कर सकते हैं। हेरोन मार्क-2 ड्रोन्स इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने बनाए हैं। इनसे एक ही उड़ान में कई मिशन को अंजाम दिया जा सकता है।

ऑपरेशनल टाइम बढ़ा

ड्रोन स्क्वॉड्रन के कमांडिंग ऑफिसर विंग कमांडर पंकज राणा ने बताया- हेरोन मार्क-2 बहुत सक्षम ड्रोन है। यह लंबे समय तक टिकने में सक्षम है और बड़े इलाके में निगरानी कर सकता है। मॉडर्न एवियोनिक्स और इंजन की वजह से ड्रोन का ऑपरेशनल टाइम बढ़ा है। ये सैटेलाइट कम्युनिकेशन से भी लैस है और टारगेट की 24 घंटे निगरानी करने में सक्षम है।

अडाणी डिफेंस की इजरायल फर्म से डील

अडाणी डिफेंस ने ड्रोन की टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के लिए इजरायली फर्म एल्बिट के साथ डील की थी। अडाणी डिफेंस के मुताबिक उसने 70 प्रतिशत ड्रोन का स्वदेशीकरण कर लिया है और आगे का काम जारी है। भारतीय सेना ने इजराइल के कुछ और सैटेलाइट कम्युनिकेशन कर सकने वाले ड्रोन को भी शामिल किया है। इसमें इजराइली एयरक्राफ्ट इंडस्ट्री के साथ सीधे सौदे में लिए गए कुछ हेरॉन मार्क 2 भी हैं। नौसेना इन्हें पाकिस्तान के साथ समुद्री सीमा पर नजर रखने के लिए पोरबंदर में तैनात करने जा रही है, इनमें 30 घंटे से ज्यादा उड़ान भरने और एक बार में 2000 किमी दूरी तय करने की क्षमता है। भारत के अलावा ये ड्रोन चिली, कनाडा, अजरबैजान, मैक्सिको, ब्राजील, कोलंबिया, फिलीपींस और स्विटजरलैंड के पास भी हैं। इसके अलावा, आर्मी एविएशन कोर चीन-पाकिस्तान बॉर्डर पर नई एविएशन ब्रिगेड भी तैनात करने वाली है। फिलहाल 3 ब्रिगेड सीमा पर ऑपरेशन में हैं।

किस प्रकार खास है हर्मीस-900

हर्मीस 900 दो तरह से टारगेट हिट कर सकता है। पहला- अगर किसी व्हीकल के ड्राइवर को मारना है तो हम सिर्फ उसे ही मार गिराएंगे, बाकी पैसेंजर्स को कोई नुकसान नहीं होगा। दूसरा- अगर किसी इलाके में मौजूद किसी बड़े टारगेट को तबाह करना है तो 10 मीटर दायरे में यह किसी भी चीज का नाम-ओ-निशान मिटा देगा।

आज से श्रद्धालुओं के लिए खुल जाएंगे बदरीनाथ धाम के कपाट, तैयारी पूरी

DEHRADHUN : उत्तराखंड के विश्व प्रसिद्ध श्री बदरीनाथ धाम के कपाट रविवार को प्रातः छह बजे श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे। चारधामों में से तीन धाम केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री धाम के कपाट अक्षय तृतीया के मौके पर 10 मई को खुल चुके हैं। मंदिर समिति की ओर से बदरीनाथ के कपाट खुलने की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। हजारों की संख्या में तीर्थयात्री धाम पहुंच गए हैं। धाम में मौसम सर्द बना हुआ है। शनिवार पूर्वाह्न 11 मई को योग बदरी पांडुकेश्वर से श्री उद्धव और श्री कुबेर सहित आदि गुरुशंकराचार्य की पवित्र गद्दी और बदरीनाथ धाम के रावल ईश्वर प्रसाद नंबूदरी के साथ गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा दोपहर को बदरीनाथ धाम पहुंची। लामबगड़, हनुमान चट्टी, बदरीनाथ मंदिर के निकट देवडोलियों का स्वास्तिवाचन और फूल वर्षा से स्वागत हुआ। कपाट खुलने के कार्यक्रम के अनुसार 12 मई सुबह चार बजे से मंदिर समिति पदाधिकारी, धर्माधिकारी वेदपाठी हक हकूक धारी मंदिर परिसर में मंदिर के द्वार पूजन को पहुंचेंगे।

घटना को अंजाम देने के बाद किया सुसाइड

मां को मारी गोली, पत्नी व 3 बच्चों की भी ले ली जान

भयावह वारदात

AGENCY SITAPUR : सीतापुर में युवक ने अपने परिवार को खत्म कर दिया। मां को गोली मारी। पत्नी को गोली मारने के बाद सिर हथौड़े से कूच दिया। 3 बच्चों को छत से फेंक कर मार दिया। फिर घर के बाहर आया, खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। मामला थाना रामपुर के पालापुर गांव का है। युवक गांव में रहकर 100 बीघा जमीन पर खेती करता था। पत्नी लखनऊ में एक इंश्योरेंस कंपनी में नौकरी करती थी। 3 बच्चों को लेकर अलीगंज के सरगम कॉम्प्लेक्स में रहती थी। तीनों बच्चे लखनऊ में सीएमएस की अलीगंज ब्रांच में पढ़ते थे। शुक्रवार सुबह ही पत्नी बच्चों को लेकर गांव पहुंची थी। सीतापुर एसपी चक्रेश मिश्रा ने कहा- 45 साल के अनुराग ने पत्नी प्रियंका (40), तीन बच्चे अरना (12), अरवी (7), आद्विक (8) और 62 साल की मां सावित्री सिंह की हत्या कर दी। फिर खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया।

- उत्तर प्रदेश के सीतापुर में दिल दहला देले वाली घटना
- नशा मुक्ति केंद्र भेजने के विरोध में शराबी युवक ने परिवार को उतारा मौत के घाट

कविता

सविता सिंह मीरा
जमशेदपुर

रंग ऐसा रंगों

रंगों से तुम कभी न डरना
रंग बदलते रंग नहीं।
तुम चाहे कितने ही बदलो
कभी बदलते ढंग नहीं।।

एक रंग छूट कर दूजे को,
खुद के रंग में रंग देता।
पल-पल रंग बदलते रहना
तेरा क्या है रंग बता ।

एक रंग के ही रहना तुम
जो रंग तेरा पक्का हो
उसी रंग में रमना तुम तो
जो रंग तेरा सच्चा हो।

रंग प्रीत का सबसे बेहतर
बस उसमें ही रम जाना।
सूरज के आते ही जैसे
तिमिर रात्रि का थम जाना।

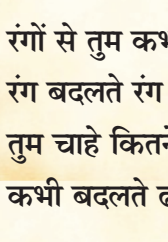

यमुना तिवारी व्यथित
कार्यकारी अध्यक्ष, साहित्य समिति, तुलसी भवन

कुहू कुहू बोले रे कोयलिया

कुहू कुहू बोले रे कोयलिया,
बिरह के गीत सुनाए केायलिया।
नव पल्लव हर विटप पे आए
आमृवृक्ष देखो मोजराए,
फूलों से गदराई बगिया
नंदन वन सी शोभा पाए,
मंद मधुर तन लागे बयरिया
का करूं परदेशे संवरिया।
कुहू कुहू बोले रे कोयलिया।।

रात नींद, दिन चैन न आए
हर पल पापी बिरह सताए,
आंखों में सपने लहराए
कंत हमारे घर ना आए,
टूटा सपना नयना बरसे
अब तो आजा मोरे संवरिया।
कुहू कुहू बोले रे कोयलिया।।

नीर बहे मोरी भींजे छतिया

बहुत सतावे तोरी सुरतिया,
याद आवे प्यार की बतिया
मिलन अरु मनुहार की रतिया,
प्रियतम अब तो रहा न जाए
बोझ बनी है मोरी जिनिगिया।
कुहू कुहू बोले री कोयलिया।।

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

SCAN ME

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

मुन्नार : अभूतपूर्व सौंदर्य का प्रतीक

घुमक्कड़ की पाती मुन्नार वर्तमान में दक्षिण भारत के सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाले पर्यटन स्थलों में आता है। इस जगह पर रहते हुए इरविकुलम राष्ट्रीय उद्यान, आनामुड़ी चोटी, माट्टूपेट्टी, पल्लिवासल, चिन्नक्कनाल और आनयिरंगल, टॉप स्टेशन, चाय का म्यूज़ियम जैसी जगहों को देखा और वहाँ घूमा जा सकता है। मेरी मुन्नार घूमने की शुरूआत मुन्नार पहुंचने से पहले हो गई थी। कोचिन से जैसे ही निकला एक दोस्त ने बताया कि मुन्नार शहर कई साल पहले मुथुवन ट्राइबल समुदाय का घर था और 19 वीं शताब्दी से पहले तक इसे एक अज्ञात जगह के तौर पर जाना जाता था। जॉन मुनरो जो कि एक स्कॉटिश सैनिक थे और एक प्रशासक के रूप में त्रावणकोर और कोचीन राज्यों में अपनी सेवा दी थी उन्होंने ही मुन्नार शहर की स्थापना की।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

इस बार की यात्रा भी पहाड़ की यात्रा होते हुए भी मेरी बाकी यात्राओं से अलग थी। सुबह की फ़्लाइट से मुझे कोचिन पहुंचना था और फिर टेक्सी लेकर मुन्नार जोकि एयरपोर्ट से लगभग 110 किमी की दूरी पर स्थित है। यह जगह सिर्फ. भौगोलिक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक रूप से देश की बाकी जगहों से अलग है इसलिए यहाँ आने का विचार बहुत पहले से ही मेरे मन में था। बस इंतजार था छुट्टियों का, जैसे ही डेली-डेली की रूटीन वर्क से फुर्सत मिली बस निकल पड़ा और जब सुबह-सुबह इस जगह पर पहुंचा तो यहां का मौसम बहुत ही खुशगवार था। सच कहूं तो यहां के लाजवाब मौसम का ही कमाल है कि पूरे साल सैलानियों का आना जाना लगा रहता है।

मैंने इस जगह के भूगोल को समझने की कोशिश में पाया कि तीन पहाड़ी धाराएं मुतिरापूझा, नल्लथन्नी और कुंडला जहां मिलती हैं, वहां मुन्नार का उदय होता है।

मुन्नार वर्तमान में दक्षिण भारत के सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाले पर्यटन स्थलों में आता है। इस जगह पर रहते हुए इरविकुलम राष्ट्रीय उद्यान, आनामुड़ी चोटी, माट्टूपेट्टी, पल्लिवासल, चिन्नक्कनाल और आनयिरंगल, टॉप स्टेशन, चाय का म्यूज़ियम जैसी जगहों को देखा और वहाँ घूमा जा सकता है।

मेरी मुन्नार घूमने की शुरूआत मुन्नार पहुंचने से पहले हो गई थी। कोचिन से जैसे ही निकला एक दोस्त ने बताया कि मुन्नार शहर कई साल पहले मुथुवन ट्राइबल समुदाय का घर था और 19 वीं शताब्दी से पहले तक इसे एक अज्ञात जगह के तौर पर जाना जाता था। जॉन मुनरो जो कि एक स्कॉटिश सैनिक थे और एक प्रशासक के रूप में त्रावणकोर और कोचीन राज्यों में अपनी सेवा दी थी उन्होंने ही मुन्नार शहर की स्थापना की।

यह उस समय की बात है जब त्रावणकोर और मद्रास के बीच की सीमा को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद को सुलझाने को लेकर इस जगह की उन्होंने यात्रा की। लेकिन यहां आने के बाद वह खुद को मुन्नार की सुंदरता से मंत्रमुग्ध होने से नहीं रोक सकें। मुनरो ने भूमि को अधिग्रहित करने और वृक्षारोपण शुरू करने के लिए लोगों को आश्वस्त किया और आखिरकार, उन्हें सफलतापूर्वक भूमि मिल गई।

फिर उन्होंने एक एग्रीकल्चर सोसाइटी का गठन किया। इस संगठन ने इस जगह पर जल्द ही इलायची, कॉफी, सिनकोना आदि फसलों की खेती में बड़ी सफलता हासिल की और यह जगह विश्व के नक़्शे पर आयी।

समुद्र तट से अच्छी ऊंचाई पर होने के कारण यह हिल स्टेशन काफी ठंडा रहता है। यही कारण है कि यह कभी दक्षिण भारत में ब्रिटिश सरकार के गर्मियों का विश्राम स्थल हुआ करता था। बताया जाता है कि गर्मियों के दौरान अंग्रेज अधिकारी अपनी छुट्टियाँ व्यतीत करने के लिये आया करते थे। इस जगह को समृद्ध और प्रसिद्ध बनाने में उनका भी काफी योगदान रहा और यह एक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित हो गया।

इस जगह पर पहुंचने पर सबसे पहले बेतरतीब फैले हुए चाय के बागान, खूबसूरत तस्वीर से दिखते नगर, सनसन बहती हवा सी सड़कें अनायास ही मन को मोहने लगती हैं। इस जगह पर छुट्टी मनाने की विभिन्न सुविधाएँ मौजूद हैं जो सैलानियों को काफी रास आती और इस जगह को लोकप्रिय बनाती हैं।

मुन्नार का पूरा क्षेत्र हरे-भरे जंगलों से ढंका हुआ है जो कि देखने में बहुत ही अच्छा लगता है। यहाँ के जंगलों और घास के मैदानों में नीलाकुरिंजी नामक एक विशेष वनस्पति पायी जाती है। जिसे देखने की इच्छा मुन्नार आए हर सैलानी के दिल में रहती है। आपको बता दूं कि नीलाकुरिंजी एक नीले रंग का फूल है जोकि बारह वर्षों में सिर्फ एक बार खिलता है और अगली बार यह 2030 में खिलेगा। इस जगह पर दक्षिण भारत की सबसे ऊंची चोटी भी है जिसे देखने के लिए लोगों की भीड़ लगी रहती है।

मुन्नार ट्रेकिंग, हाइकिंग और कैम्पिंग के लिहाज से भी काफी अच्छी जगह मानी जाती है। देश भर से लोग इस जगह पर ट्रेकिंग करने आते हैं और कैम्पिंग का लुत्फ उठाते हैं।

हमने सबसे पहले अपने ठहरने के लिए ट्री हाउस रेंट किया और मुन्नार की आसपास की जगहों को एक्सप्लोर करने में लग गये। मुन्नार तो खूबसूरत है ही साथ ही साथ इसके आसपास घूमने की कई महत्वपूर्ण जगहें हैं जो यात्रियों को अपनी तरफ खिंचती जान पड़ती हैं।

हम सबसे पहले इरविकुलम राष्ट्रीय उद्यान गए जोकि मुन्नार का मुख्य आकर्षण है। दूसरे दिन ट्री हाउस से निकलते ही मेरे गाइड ने मुझे बताया कि अगर मुन्नार में रहते हुए आप बोटिंग का मजा लेना चाहते हैं तो माट्टूपेट्टी से बेहतर जगह शायद ही कोई हो सकती है। आपको बता दूँ कि माट्टूपेट्टी मुख्य रूप से दो ही चीजों के लिए जाना जाता है, पहला डैम और दूसरी सुंदर झील के लिए जिसमें आप बोटिंग कर सकते हैं और आसपास की पहाड़ियों और भूभाग के नजारे देख सकते हैं। बोटिंग में बहुत ज्यादा दिलचस्पी नहीं होते हुए भी इस जगह पर जाना मैंने तय किया और पाया कि यह जगह सचमुच काफी खूबसूरत है।

मुन्नार नगर के पास ही चिन्नक्कनाल और उसके जलप्रपात हैं जिन्हें पावर हाउस वाटरफॉल के नाम से जाना जाता है, इस जगह पर काफी लोग आते हैं। इसका पानी समुद्र तल से 2000 मीटर के ऊपर से चट्टानों पर गिरता है जोकि काफी मनभावन दिखाई देता है। मुझे यह जगह काफी अच्छी लगी और मैं देर तक गिरते पानी को निहारता रहा। इस जगह से पश्चिमी घाट की श्रेणियों का भी सुंदर नजारा दिखायी देता है।

हमने तय किया कि सबसे पहले टॉप स्टेशन जायेंगे और फिर वापसी में चाय संग्रहालय देखने। टॉप स्टेशन पहुँचकर हमने तकरीबन दो घंटे बिताया और फिर चाय संग्रहालय पहुंचे। चाय के बागानों की शुरूआत और विकास की बात होती है तो कहीं ना कहीं मुन्नार का नाम आ ही जाता है और आए भी क्यों नहीं यह जगह अपनी शुरूआती दौर से ही चाय उत्पादन के लिए जानी जाती है।

एक तरह से देखा जाए तो मुन्नार में चाय की अपनी एक विरासत है। इस विरासत के बारे में जानने के लिए मून्नार में टाटा टी द्वारा एक संग्रहालय खोला गया है। चाय के इस संग्रहालय में कई तरह की मशीनरी रखी गई है। इस संग्रहालय में रखी गई हर एक चीज मुन्नार के चाय बागानों और इसके विकास की कहानी कहती जान पड़ती है। मेरा सुझाव है कि आप को भी मुन्नार अवश्य जाना चाहिए। हमारा देश बहुत सुन्दर है यहां का हर एक प्राकृतिक दृश्य दर्शनीय है।

पक्षी ■ पुराण

सखुआ के जंगल और पक्षियों का संसार

राहुल सिंह
एसोसिएट प्रोफेसर, विश्व-भारती, शांति निकेतन

प्रकृति को जब आप करीब से देखना और महसूस करना शुरू करते हैं तो लगता है कि दुनिया के तमाम अद्भुत, असाधारण और विलक्षण जैसे विशेषण मानो प्रकृति के लिए ही बने हैं। प्रत्येक ऋतु में जंगल के भीतर जो बदलाव होते हैं। उसमें सूक्ष्म स्तर पर होनेवाले बदलावों को दरकिनार कर दें जो आँखों की बजाय मैक्रो फोटोग्राफी के विषय हैं तब भी केवल नंगी आँखों से भी जंगल के भीतर बदलते परिवेश को सहजता से लक्षित किया जा सकता है। सर्दियों के बाद और गर्मियों के पहले जंगल एक संक्रमण काल से गुजर रहा होता है। पतझड़ की शुरूआत से लेकर नयी कोंपलों के फूटने के बीच जंगल में इतना कुछ घटित हो रहा होता है कि एकबारगी यकीन कर पाना मुश्किल होता है। सूखे पत्तों के नीचे गिरने के बाद उसकी एक कई परतों वाली कालीन सी जंगल में बिछ जाती है। जिस पर चलना सुखद तो कतई नहीं होता है। आपके पदचापों की आवाज आपको ही डरा रही होती है। सुखे पत्तों पर एक गिरगिट भी दौड़ जाये तो सांप के होने का अहसास आपमें सिहरन पैदा कर देता है। इन सूखे पत्तों के नीचे मौजूद नमी और ताप की वजह से छोटे-छोटे कीटों का एक संसार उग आता है। इन कीटों को नियंत्रित करने के लिए कीटभक्षी पक्षियों की विविध प्रजातियाँ पतझड़ और नये कोंपलों के फूटने के दौरान जंगल का रुख करती हैं। सर्दी के प्रवासी बत्तख और हंसों की तुलना में इन ऋतुओं के प्रवासी पक्षियों की विशेषता यह होती है कि यह घोंसला भी बनाती हैं और प्रजनन भी करती हैं। इनके साथ इन जंगलों में साल भर दिखनेवाले पक्षी भी इन महीनों में जोड़ा बनाते हैं और अगली पीढ़ी को सामने लेकर आते हैं। इस मौसम में इतने किस्म के पक्षी जंगलों में आ जाते हैं और मादाओं को लुभाने के लिए आवाज लगाने लगते हैं कि जंगल में पक्षियों की अनेक किस्म की आवाजें एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा करती जान पड़ती है। अंग्रेजी के महीने के हिसाब से बात करें तो मार्च के मध्य से अप्रैल की आखिर तक यह पक्षी जोड़ा बनाकर अगली पीढ़ी को सामने लाने का काम अबाध गति से जारी रखते हैं। इनमें कॉमन आयोरा, स्माल मिनीवेट रेड वेंटेड बुलबुल, कॉमन वुडश्राईक, लार्ज कुकूश्राईक, येला फुटेड ग्रीन पिजन, ड्रोंगो, जंगल बैबलर, ओरियोल, रूफस ट्रीपाई, ब्लैक नैप्ड मोनार्क, इंडियन रोबिन, इंडियन मैगपाई रोबिन, बे बैक्ड श्राईक, लांग टेल श्राईक आदि प्रमुख हैं। इन सबको आसानी से देखा जा सकता है। और यह सब अपनी भांति-भांति की आवाजों के लिए जाने जाते हैं। इस मौसम में जंगल में मानो इन पक्षियों का एक आर्केस्ट्रा-सा चलता रहता है। जंगल के संगीत को सुनने का यह सबसे अच्छा महीना होता है। इस बीच कोयल और कुकू की अलग-अलग नस्लें भी जंगलों का रुख करती हैं। लेकिन वह साथी ढूंढने के साथ ही एक और काम के लिए इस बीच जंगल में मौजूद रहते हैं। कोयल और कुकू पक्षियों की दुनिया में ब्रूड पैरासाईट के नाम से जाने जाते हैं। इनकी आवाज जितनी मोहक होती है, उनकी एक हरकत उतनी ही नागवार होती है। इसके लिए पक्षियों की दुनिया में यह खासे बदनाम है। यह करते इतना भर है चूंकि यह मौसम पक्षियों के प्रजनन का होता है तो यह ताक में रहते हैं दूसरे पक्षियों के घोंसलों में अपना अंडा रख कर और कई बार उनके अंडों को गिरा कर भी इस काम को अंजाम देते हैं। इसलिए इस मौसम में कोयल और कुकू लगातार जंगल में दूसरे पक्षियों के द्वारा खदेड़े जाते हुए आपको दिखेंगे। कॉमन आयोरा, पैराडाईज फ्लाईकैचर, ब्लैक नैप्ड मोनार्क, कॉमन वुड श्राईक, स्माल मिनीवेट अपने विलक्षण और

इंडियन पैराडाईज फ्लाईकैचर

संक्षिप्त घोंसलों के कारण इन ब्रूड पैरासाईट से बचे रहते हैं। इनके घोंसलों के निर्माण की प्रक्रिया को देखना प्रकृति में उपलब्ध नामालूम और नगण्य-सी लगनेवाली चीजों से इंजीनियरिंग का अद्भुत मॉडल बनते देखना है। मकड़े के जालों, फफूंद, रेशों के जुटाये टुकड़ों से जब इनका घोंसला तैयार होता है तो यकीन मानिये अगर आपने इन पक्षियों को उन पर जाकर बैठते नहीं देखा है, तो वह आपकी आँखों के सामने होकर भी ओझल ही रहते हैं। वैसे इस बात का पर्याप्त खयाल रखना चाहिए कि नेस्टिंग और ब्रीडिंग के इस मौसम में अगर किसी पेड़ पर उनकी गतिविधियाँ दिख रही हों तो उसे पास से देखने की फिराक में नजदीक नहीं जाना चाहिए। ऐसा करने से वे अपना घोंसला अधूरा छोड़कर अपेक्षाकृत ज्यादा निरापद जगह की तलाश में निकल लेते हैं। इसलिए बर्ड फोटोग्राफर्स नैतिक तौर पर नेस्टिंग की फोटोग्राफ किसी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर साझा नहीं करते हैं। ऐसी कोई हरकत ऐसे बर्ड फोटोग्राफर की छवि धूमिल करने के लिए पर्याप्त होती है। जंगल में हर महीने कुछ ना कुछ बदलता रहता है। तापमान, छवि, बारिशिंदे या ऋतुचक्र सब परिवर्तनशील रहते हैं। मार्च में जिन पक्षियों का जिक्र ऊपर किया है, उसकी तुलना में अप्रैल और मई में भी कुछेक सुंदर मेहमान सखुआ के जंगल का रुख करते हैं। जैसे अप्रैल के आस-पास ही इंडियन पैराडाईज फ्लाईकैचर और मई में इंडियन पिट्टा झारखंड के सखुआ के जंगलों का रुख करते हैं। इनमें इंडियन पिट्टा की आवाज ना केवल अत्यंत मधुर होती है, बल्कि पूरा जंगल उनकी आवाजों से गुंजायमान हो उठता है। जो बात इस मामले में सर्वाधिक अद्भुत जान पड़ती है, वह यह कि इन दो-तीन महीनों को छोड़ दें तो इनमें से कई पक्षियों का कोई अता-पता साल के अन्य महीनों में नहीं चलता है। हर साल बिना नागा मार्च, अप्रैल और मई में इनका बिना नागा उपस्थित हो जाना किसी चमत्कार की तरह लगता है। इसलिए भी जंगलों को बचाये रखने की बहुत जरुरत है। सखुआ के वृक्ष बहुत धीरे बढ़ते हैं। सखुआ के प्राकृतिक जंगल बहुत आसानी से कम समय में तैयार नहीं किये जा सकते हैं। पर इन पर पक्षियों की बहुत सी प्रजातियों का अस्तित्व निर्भर करता है। इन्हें बचाये रख कर ही पक्षियों की इस विविधता को बचाये रखा जा सकता है।

BRIEF NEWS

झामुमो और कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी : सीपी सिंह

RANCHI : रांची लोकसभा से भाजपा के उम्मीदवार संजय सेठ के पक्ष में सुखदेव नगर मंडल के अध्यक्ष ओमप्रकाश पांडेय के नेतृत्व में शनिवार को पदयात्रा चलाया गया। पदयात्रा में रांची के विधायक सीपी सिंह ने पिस्का मोड, जतरा मैदान, देवी मंडप, सुखदेव नगर के अखिल मेमोरियल गली और रातु रोड तक शामिल हुए। मौके पर सीपी सिंह ने कहा कि झामुमो और कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी है। झामुमो, कांग्रेस की भ्रष्टाचार और लूट के विरोध में पूरी झारखंड की जनता मोदी के साथ है।इस दौरान कार्यकर्ता अबकी बार 400 पार और रांची जीतेंगे पांच लाख के पार का नारा लग रहे थे। पदयात्रा में मुख्य रूप से संजय कुमार जायसवाल, महानगर अध्यक्ष वरुण साहू ,मुकेश कुमार, नीरज कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्री श्याम मंदिर का वार्षिकोत्सव 19 मई को

RANCHI : रांची के हरमू रोड पर स्थित श्री श्याम मंदिर का आठवां वार्षिकोत्सव 19 मई को धूमधाम से मनाया जायेगा। इसकी तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया और मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू ने इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 19 मई को रात साढ़े नौ बजे श्रृंगार पूजन से कार्यक्रम की शुरूआत होगी। इसके बाद अध्यक्ष सुरेश सरावगी सपत्नीक अखंड ज्योत प्रज्जवलित करेंगे। फिर भक्ति गीतों का कार्यक्रम शुरू होगा, जो देर रात तक चलेगा। कोलकाता के अभिषेक शर्मा साथी कलाकारों के साथ भक्ति रस की धारा बहायेंगे। नारसरिया ने श्रद्धालुओं से बढ़-चढ़कर इस वार्षिकोत्सव में भाग लेने की अपील की है।

मतदान केंद्रों पर नशीले पदार्थों का उपयोग वर्जित, आदेश जारी

RANCHI : लोकसभा आम चुनाव 2024 के चौथे और छठे चरण में होनेवाले मतदान में रांची जिला के संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के सभी बूथों पर तम्बाकू पदार्थ जैसे- सिगरेट, बीड़ी, गुटखा, पान मसाला, जर्दा का उपयोग पूर्ण रूप से वर्जित रहेगा। इस संबंध में रांची जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने आदेश जारी किया है। रांची में चौथे चरण के तहत 13 मई को खूंटी लोकसभा क्षेत्र अन्तर्गत 58-तमाड़ विधानसभा क्षेत्र व लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र अन्तर्गत 66-मांडर विधानसभा क्षेत्र में मतदान होना है। जबकि छठे चरण के तहत 25 मई को रांची संसदीय निर्वाचन क्षेत्र अन्तर्गत 61-सिल्ली, 62- खिजरी, 63- रांची, 64- हटिया और 65-कांके विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदान केन्द्रों पर वोट डाले जाएंगे। उक्त सभी विधानसभा क्षेत्रों के मतदान केन्द्रों में सिगरेट, बीड़ी, गुटखा, पान मसाला का उपयोग पूर्ण रूप से वर्जित रहेगा। बता दें कि लोकसभा आम चुनाव 2024 के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सह सचिव मंत्रिमंडल (निर्वाचन) विभाग ने सभी मतदान केन्द्र को तंबाकू मुक्त क्षेत्र घोषित किया है। साथ ही सभी मतदान केन्द्र परिसर में किसी प्रकार के तम्बाकू पदार्थ के उपयोग को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया है।

अमित शाह जान लें, यह गुजरात नहीं, झारखंड है, यहां कोई धमकी नहीं दे सकता : सुप्रियो भट्टाचार्य

गृह मंत्री झारखंड में ही रहें, ताकि सभी सीटें 'इंडिया' गठबंधन को मिलें

PHOTON NEWS RANCHI : झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा है कि अमित शाह हमारे लिए वरदान हैं। वह जहां-जहां आयेंगे, वहां 2 से 4 हजार लोग जुटेंगे। कल से 30 मई तक अमित शाह झारखंड में ही रहें। ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि 14 सीट इंडिया गठबंधन को मिले। वे शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि अमित शाह की जो भाषा है, वो बड़ी अजीब किस्म की है। उन्होंने कहा कि उल्टा लटकाकर सीधा कर देंगे। यह गुजरात नहीं झारखंड है। यहां कोई धमकी नहीं दे सकता। जनता जवाब देगी। यहां बीजेपी को उल्टा कर सीधा कर दिया जायेगा। 13 मई को ही जवाब मिल जायेगा।

मीडिया को संबोधित करते सुप्रियो भट्टाचार्य। ● फोटोन न्यूज

पहले चरण की चारों सीटों पर बीजेपी के साथ है संघर्ष : सुप्रियो ने कहा कि पहले चरण की चारों सीटों में सीधा चुनावी संघर्ष बीजेपी के साथ है। संयोग से ये चारों सीटें आरक्षित सीटें है। ये चारों सीटें स्पष्ट रूप से इंडिया के पक्ष में आयेंगी। बीजेपी का सफाया होगा। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं कि क्योंकि कल गृहमंत्री अमित शाह ने खूंटी में जनसभा को संबोधित किया। वहां ढोये गये 5 हजार लोग ही थे। झारखंड के लोग सीधे हैं। ये बिरसा की भूमि है। उन्होंने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी। ये गुजरात नहीं है। खदेड़ दिए जायेंगे।

हिम्मत है तो कश्मीर में विधानसभा का चुनाव करा कर दिखाएं : सुप्रियो ने कहा कि यदि 2024 में हिम्मत तो कश्मीर में विधानसभा का चुनाव करा कर दिखाएं। हर चीज में केवल गीदड़ भभकी देते हैं। भाषा संयमित रखना होगा। शुक्र मनाइये कि वहां कोई आदिवासी नहीं था। मुद्दों पर लड़िए। मुद्दों पर बीजेपी बात करती नहीं है। अर्धसैनिक बल के मंत्री बन गये हैं तो सोच लिया कि धमका कर चले जायेंगे। क्यों श्रीनगर नहीं जाते। अमित शाह जवाब दें। केवल और केवल भयादोहन किया जा रहा है। वित्त मंत्री यहां आती हैं। लैंड स्कैम के आरोपी से मिलती हैं। पेपर का आदान-प्रदान होता है। चुनाव आयोग इस पर संज्ञान लें।

झामुमो ने एक और बागी नेता पर की कार्रवाई पूर्व विधायक जेपी वर्मा को पार्टी से किया निलंबित

RANCHI : झामुमो ने बसंत लौंगा और चमरा लिंडा पर कार्रवाई करने के बाद अब गांडेय के पूर्व विधायक जेपी वर्मा पर कार्रवाई की है। पार्टी ने उन्हें निलंबित कर दिया है। गौरतलब है कि जेपी वर्मा ने टिकट नहीं मिलने पर कोडरमा से पर्चा दाखिल किया है। कोडरमा सीट से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी विधायक विनोद सिंह चुनावी मैदान में हैं

झामुमो ने जारी की अधिसूचना : झामुमो ने जेपी वर्मा के ऊपर की गयी कार्रवाई को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। जिसमें उन पर कोडरमा लोकसभा सीट से नामांकन दाखिल कर गठबंधन धर्म के विपरीत काम करने की बात कही गयी है। ये कार्रवाई पार्टी अध्यक्ष शिबू सोरेन के निदेशानुसार हुई है। इसके अलावा झामुमो ने उन्हें पार्टी के सभी पदों से भी मुक्त कर दिया है। बता दें कि जय प्रकाश वर्मा ने साल 2022 में अपने तमाम कार्यकताओं के साथ पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की उपस्थिति में झामुमो की सदस्यता ली थी। इससे पहले वह भाजपा की टिकट पर गांडेय से विधायक बने थे।

बसंत लौंगा और चमरा लिंडा पर हो चुकी है कार्रवाई : बता दें कि इससे पहले झामुमो ने कोलेबिरा के पूर्व विधायक बसंत लौंगा और बिशुनपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक चमरा लिंडा पर कार्रवाई कर चुका है। एक ओर बसंत लौंगा को पार्टी ने 6 साल के लिए निष्काषित कर दिया है। तो वहीं दूसरी तरफ बिशुनपुर के वर्तमान विधायक चमरा लिंडा को पार्टी ने निलंबित कर दिया है। बसंत लौंगा बागी होकर खूंटी लोकसभा सीट से ताल ठोक रहे हैं तो चमरा लिंडा लोहरदगा लोकसभा से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं।

झामुमो के कई नेता हो चुके हैं बागी : बता दें कि झामुमो के कई नेता पार्टी से नाराज होकर निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। हाल ही में राजमहल सीट से लोबिन हेंब्रम ने नामांकन दाखिल किया है। जबकि खूंटी सीट से बसंत लौंगा, लोहरदगा से चमरा लिंडा मैदान में हैं।

झारखंड पुलिस को खटारा पेट्रोलिंग गाड़ियों से मिलेगा छुटकारा, मिलेंगे 470 नए वाहन

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड पुलिस को खटारा पेट्रोलिंग गाड़ियों से छूटकारा मिलेगा। सालों से खटारा वाहनों पेट्रोलिंग कर रही झारखंड पुलिस को जल्द 470 बोलेरो वाहन मिलेंगे। इसको लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के पास प्रस्ताव भेजा है। प्रस्ताव को स्वीकृति मिलने के बाद वाहनों की खरीदारी की प्रकिया शुरू कर दी जायेगी। बता दें कि झारखंड पुलिस ने इससे पहले 70 बोलेरो वाहन खरीदे थे, जिसे राज्य के अलग-अलग थानों को आवंटित किया गया था।

आधुनिकीकरण मद की राशि से वाहनों की होगी खरीदारी : झारखंड पुलिस आधुनिकीकरण मद की राशि से इन वाहनों की खरीदारी करेगी। इसके लिए सरकार के पास पर्याप्त फंड है। झारखंड सरकार ने पिछले दिनों यह घोषणा भी की थी कि पुलिस के संसाधन में रुपयों की कमी बाधक नहीं बनेगी। सरकार के पास पर्याप्त फंड है। जिससे पुलिस के संसाधनों को मजबूत बनाया जायेगा। बता दें कि झारखंड में कुल 606 थाना है, जिनमें 282 थाना नक्सल प्रभावित हैं। 282 थानों में से 155 ए ग्रेड नक्सल प्रभावित और 127 बी ग्रेड श्रेणी में आते हैं।

47 थानों के पुलिसकर्मियों के पास आज भी एक गाड़ी तक नहीं: कानून व्यवस्था को दुरूस्त रखना पुलिस की जिम्मेवारी होती है। कहीं कोई घटना हो जाये तो पुलिस पर घटनास्थल पर जल्द से जल्द पहुंचने का दवाब भी होता है। यही वजह है कि राज्य सरकार पुलिस थानों को आधुनिक बनाने के प्रयास में लगी है। लेकिन जानकर हैरानी होगी कि झारखंड में 564 थानों में 47 थाने आज भी ऐसे हैं, जहां पुलिसकर्मियों के पास एक गाड़ी तक नहीं है। इन थानों का काम राम भरोसे चल रहा है। बिना टेलीफोन वाले थाने भी सबसे ज्यादा झारखंड में ही हैं। यहां 211 पुलिस थानों में फोन नहीं है। वहीं 31 थानों में मोबाइल फोन या वायरलेस की सुविधा मौजूद नहीं

पासवा के नवनिर्वाचित महासचिव और अध्यक्ष को 'जमसा' ने किया सम्मानित

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्था प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) की एडहॉक कमेटी के अध्यक्ष मो उस्मान और महासचिव मसूद कच्छी को झारखंड मुस्लिम मैनोरेटी स्कूल एसोसिएशन (जमसा) ने संत जीएम स्कूल हिंदपीढ़ी रांची में स्वागत सह सम्मान समारोह का आयोजन कर सम्मानित किया।

महासचिव व अध्यक्ष को सम्मानित करते जमसा के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

सम्मान समारोह का शुभारंभ जमसा के महासचिव मो उस्मान ने जमसा के कार्य को सामने रखा। जमसा द्वारा पासवा के झारखंड अध्यक्ष मो उस्मान, महासचिव मसूद कच्छी जी को मोमेंटो, शॉल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। बतौर मुख्यातिथि पासवा के राज्य अध्यक्ष मो उस्मान ने समाज उत्थान, छात्रों को शिक्षा में अग्रसर बनाने के रास्ते, पढ़ाने तथा उच्च पदों पर पहुंचाने के लिए संघर्ष और सहयोग देने के लिए आह्वान किया।

विशिष्ट अतिथि पासवा के महासचिव मसूद कच्छी ने अपने संबोधन में कहा कि समाज विकास के तीन सूत्र बताते हुए कहा कि शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो। शिक्षा रूपी रोशनी ही जीवन के अंधकार को दूर कर सकती है। कच्छी ने कहा की हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष शामायल अहमद ने जो जिम्मेदारी मुझे दी है, हम उस पर खरा उतरने का काम करूंगा।

पासवा के प्रदेश सचिव तौफीक हुसैन कोडरमा ने कहा की हम सब को मिलकर काम करना है। संगठन में एक दूसरे को साथ लेकर विद्यालय से जुड़ी समस्या और उन विद्यालय में आध्या नृत्य विद्यार्थियों के लिए कल्याण का कार्य करना है।

नहीं होने दूंगी युवाओं का भविष्य बर्बाद, अग्निपथ योजना को कराऊंगी निरस्त : यशस्विनी सहाय

PHOTON NEWS RANCHI : रांची लोकसभा सीट से कांग्रेस की उम्मीदवार यशस्विनी सहाय, ने एनएसयूआई के छात्र पंचायत में कहा कि बीजेपी सरकार की ओर से चलाई जा रही अग्निपथ योजना को निरस्त किया जाएगा। इससे युवाओं का भविष्य खराब हो रहा है। छात्र पंचायत का आयोजन एनएसयूआई नेत्री आरुषी वंदना के नेतृत्व में नामकुम में किया गया था। सहाय ने कहा कि संवाद से ही समाधान निकलता है। छात्र पंचायत के माध्यम से छात्रों के साथ संवाद स्थापित कर रही हूं। जिससे उनकी समस्याओं को समझ कर समाधान निकाला जा सके। कहा, मोदी सरकार में पूरे देश के छात्र और नौजवान सबसे अधिक परेशान हैं। देश में बेरोजगारी चरम पर है, लेकिन मोदी सरकार के पास अपने उद्योगपति मित्रों को खुश करने के अलावा कोई दूसरी योजना नहीं है। सहाय ने पंचों को न्याय के बारे में समझाया। बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता ऋषिकेश सिंह ने कहा कि केंद्र में सरकार आते ही अग्निपथ योजना को निरस्त करने के साथ सभी खाली पड़े पदों को भरने का काम करेंगे। युवाओं के लिए 30 लाख पदों को भरने का काम करेंगे।

कार्यक्रम में उपस्थित यशस्विनी सहाय व अन्य। ● फोटोन न्यूज

निगम की अधूरी सफाई से शहर में होता है जल जमाव, गंदे पानी से बढ़ती है परेशानी

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी में गुरुवार को हुई हल्की बारिश से शहर की मुख्य सड़कों समेत निचले इलाकों में पानी लबालब भर गया। इससे लोगों का आना जाना मुहाल हो गया। लोगों ने कहा कि अभी तो बरसात का मौसम आया भी नहीं है और हल्की बारिश में ही शहर की ऐसी दशा हो गई। यदि शहर के तमाम छोटे-बड़े नालों की अच्छी सफाई नहीं हुई तो बरसात की बारिश शहर के लिये किसी आफत से कम नहीं होगी।

सड़कों पर भरा गंदा पानी। ● फोटोन न्यूज

मालूम हो कि शहर के कई हिस्सों में अंडर ग्राउंड ड्रेनेज सिस्टम बनाया गया है जो पूरी तरह से बंद है। उसकी सफाई नगर निगम की ओर से लंबे समय से नहीं करायी गई है। इस कारण इन नालों में कचरे अटे पड़े हैं, जिससे हल्की बारिश में भी सड़कों पर गंदा पानी बहने लगता है। वहीं निचले इलाकों में नाली का गंदा पानी भर जाता है।

रांची रेलवे स्टेशन रोड में नाले में पानी लबालब भरा है। सामने में ही कई बड़े होटल हैं, इस रास्ते से हर पल लोगों का आना जाना लगा रहता है। लेकिन नाले की सफाई नहीं होने की वजह से गंदगी अटी पड़ी है। जब ऐसे मुख्य इलाके की यह दशा है, तो शहर के गली मुहल्लों की क्या दशा होगी, यह सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में किया गया मिलन समारोह का आयोजन, बड़ी संख्या में लोगों ने ली पार्टी की सदस्यता

झारखंड का समुचित विकास भाजपा ही करेगी : मरांडी

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश कार्यालय में शनिवार को मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जन कल्याणकारी नीतियों से प्रभावित होकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू की मौजूदगी में शिवलाल महतो भाजपा में शामिल हुए। उनके साथ बड़ी संख्या में उनके समर्थकों ने भी भाजपा की सदस्यता ली। साहू ने सभी को ऑनलाइन सदस्यता दिलाई।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र ने मोदी पिछले 10 वर्षों में गरीबों के लिए काम किया है। किसानों के लिए काम किया है।

कार्यक्रम में उपस्थित बाबूलाल मरांडी व अन्य। ● फोटोन न्यूज

मां-बहनों के लिए काम किया है। गांव के लिए काम किया। आज तक किसी भी प्रधानमंत्री ने इतना काम नहीं किया। गरीबों को चार करोड़ घर देने का काम किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि फिर से सत्ता में आने पर बेघर गरीबों को घर दिया जाएगा। गरीबों को घर ही नहीं गैस कनेक्शन-चूल्हा भी देने का काम किया है। गरीब भूखे नहीं सोए, इसकी चिंता भी मोदी ने की। हर महीने गरीबों को मुक्त अनाज दिया जा रहा है।

मरांडी ने कहा कि कोई गरीब यदि बीमार हो जाए तो अपना इलाज अच्छे अस्पताल में करा सके, इसके लिए प्रधानमंत्री ने उनका पांच लाख रुपये का बीमा किया लेकिन इंडी गठबंधन के लोग विकास और झारखंड के विरोधी हैं। झारखंडियों के विरोधी हैं। झारखंड अलग राज्य का आंदोलन देश की आजादी के समय से चल रहा था लेकिन कांग्रेस ने झारखंड अलग राज्य नहीं दिया। झारखंडियों की भावना और सम्मान का ख्याल नहीं रखा। केंद्र में सरकार बनते ही अटल बिहारी वाजपेयी ने झारखंड अलग राज्य का गठन किया। अलग राज्य भाजपा की देन है। झारखंड का विकास भी भारतीय जनता पार्टी ही करेगी।

मरांडी ने कहा कि इंडी गठबंधन के लोग राज्य को लूट रहे हैं। कांग्रेस के एक सांसद के यहां से 350 सौ करोड रुपये मिले थे। भ्रष्ट अधिकारी और उनके सिंडिकेट से 22 करोड़ रुपये मिले थे। अभी मंत्री के आप्त सचिव के नौकर के घर से 35 करोड़ रुपये मिले हैं। ये पैसे लूट के हैं। इन लोगों ने नदी के बालू को नहीं छोड़ा। पहाड़ को काटकर बेच दिया। जमीन के फर्जी कागजात बनाकर उसे बेच दिया।

मरांडी ने कहा कि शिवलाल महतो कई सामाजिक संगठनों से जुड़े रहे हैं। उन्होंने झारखंड आंदोलन को भी गति देने का काम किया है। प्रधानमंत्री मोदी की जन कल्याणकारी नीतियों से प्रभावित होकर वह भाजपा के सदस्य ग्रहण कर रहे हैं। पार्टी उन्हें जो भी काम देगी, उसका इमानदारी से निर्वहन करेंगे। झारखंड में एनडीए को 14 में से सभी 14 सीट दिलाने का पूरा प्रयास करेंगे।

सिल्ली पॉलीटेक्निक कॉलेज में दो दिवसीय कांफ्रेंस शुरू

ज्ञानवर्धन के साथ नए कौशल ग्रहण करें युवा : सुदेश महतो

PHOTON NEWS RANCHI : आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि पढ़ाई के प्रति समर्पित होकर अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए परिश्रम ही एक मात्र विकल्प है। युवा अपने विचारों व ज्ञान के साथ नए कौशल ग्रहण करें। सिल्ली विधानसभा क्षेत्र को शिक्षा के क्षेत्र में ऊंचाइयों पर ले जाने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में हम निरंतर कार्य कर रहे हैं।

सुदेश महतो ने यह बात सिल्ली पॉलीटेक्निक कॉलेज में रीसेंट ट्रेंड्स इन कम्प्यूटेशनल एंड मैथमेटिकल एनालिसिस इन इंजीनियरिंग एंड साइंस विषय पर शनिवार को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के शुभारंभ के दौरान कही। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा मिले इसी सोच और संकल्प के साथ हमने सिल्ली पॉलीटेक्निक कॉलेज की शुरूआत की थी। आज इस संस्थान से पढ़ाई पूरी कर चुके कई छात्र-छात्राएं देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। यह हम सभी के लिए गौरव का विषय है।

दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन करते सुदेश महतो व अन्य। ● फोटोन न्यूज

सुदेश महतो ने कहा कि यह कॉन्फ्रेंस नए विचारों व अनुसंधानों को साझा करने और शिक्षा के क्षेत्र में नवीनतम तथ्यों एवं नीतियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए आप सभी के लिए एक सशक्त मंच बनेगा। इस कार्यक्रम में मिला बहुमूल्य ज्ञान पढ़ाई के बाद जब हम किसी संस्थान के साथ जुड़कर कार्य करेंगे तभी उपयोगी साबित होगा।

शहरनामा

वीरेंद्र ओझा

साभार इंटरनेट मीडिया

ललचा रहे उम्मीदवार

हर मौसम की तरह पांच वर्ष में चुनाव का मौसम भी आता है, जिसका इंतजार सभी को रहता है। उम्मीदवार भले ही टेंशन में रहे, लेकिन मतदाता उन्हें ललचाई नजरों से ही देखता है। इस बार भी निर्दलीय उम्मीदवारों को ऐसे-ऐसे चुनाव चिह्न मिले हैं कि मतदाताओं की जीभ अभी से लपलपाने लगी है। वह सोच रहे हैं कि जब ऐसे उम्मीदवार उनके पास वोट मांगने आएंगे, तो जरूर उपहार के तौर पर सेब या टोकरी से एकाध फल देंगे। वे उसे भी देखना चाहते हैं, जो भीषण गर्मी में कोट पहना कर जाएगा।

कल होगी फूल-फूल की टक्कर

शेरों की धरती पर सोमवार को उम्मीदवारों के भाग्य मतपेटी में कैद हो जाएंगे। इस बार यहां फूल-फूल की टक्कर है। आप अभी भी नहीं समझे, तो बता दें कि एक को फूल वाले दल ने तीन साल की कोड़ाई-खोदाई के बाद उगाने में सफलता पाई है, जबकि तीर-कमान वालों के पास पहले से ऐसा प्रत्याशी था, जिसका नाम ही लाल फूल की ओर इशारा करता है। मजे की बात है कि दोनों ही फूल देवी को अर्पित किए जाते हैं। मतदाताओं को पसंद करना है कि कौन सा फूल उन्हें पांच साल तक शोभा बढ़ाएगा, कौन एक झोंके में मुरझा जाएगा।

समाज ही हो गया दो-फाड़

राजनीतिक माहौल में दलों का मतभेद तो सुना था, लेकिन समाज भी दो फाड़ हो जाएंगे, सोचा नहीं था। अपनी लौहनगरी में ऐसा ही कुछ हुआ है। दो प्रमुख प्रतिद्वंद्वी के चक्कर में ऐसी घटना हुई है। बेचारे एक उम्मीदवार गए थे, वाहेगुरु से आशीर्वाद लेने, लेकिन वहां उनकी आवभगत इतनी ज्यादा हो गई कि दूसरा संगत नाराज हो गया। गुरुजी वाली कहानी की तर्ज पर इन्होंने दूसरे उम्मीदवार को खुलेआम समर्थन देने की घोषणा कर दी है। अब समाज के बाकी लोगों को समझ में नहीं आ रहा है कि यह क्या हो रहा है।

तोड़फोड़ से दहल रहा उनका दिल

इन दिनों अदालती आदेश के बाद शहर में ताबड़तोड़ छेनी-हथौड़ी चल रही है। इससे जिनकी इमारत बदसूरत हो रही है, उनसे ज्यादा उनका दिल दहल रहा है, जिन्होंने इसके बदले जेब मोटी की थी। थैले-बोरे में माल जमा किया था। वे भले ही अभी उन पदों पर विराजमान नहीं हैं, लेकिन हैं इसी राज्य में चक्कर काट रहे हैं। वे जब-जब अदालत की डांट-फटकार पढ़ते-सुनते हैं, उनकी नींद उड़ जाती है। सोच रहे हैं कि पता नहीं कब उन्हें सोते हुए अदालत उठवा ले और घर-मकान की कुर्की करा दे। खबर है कि अब वे अपनी ड्यूटी छोड़ अदालत की ओर कान लगाए रहते हैं।

सीएम नवीन पटनायक के विकास के रथ को आगे बढ़ाने के लिए बीजद को वोट दें: पांडियन

बीजद नेता पहुंचे राउरकेला, किया रोड शो, शारदा व तिर्की के लिए मांगे वोट

PHOTON NEWS ROURKELA: बीजद नेता वी कार्तिकेयन पांडियन राउरकेला पहुंचे। मुख्य मार्ग में रोड शो किया, जिसमें हजारों की संख्या में बीजद कार्यकर्ता शामिल हुए। आगे-आगे पांडियन तो उनके पीछे सुंदरगढ़ संसदीय सीट के उम्मीदवार पद्मश्री दिलीप तिर्की और राउरकेला विधानसभा सीट से उम्मीदवार शारदा प्रसाद नायक थे।

बीजद के रथ में सवार पांडियन ने शहरवासियों का हाथ जोड़कर और जय जगन्नाथ के उदघोष के साथ अभिवान किया। पांडियन ने कहा कि ओडिशा को विकास के शिखर पर पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री नवीन पटनायक दिन-रात काम कर रहे हैं। उनकी योजनाओं का लाभ आप सभी को मिल रहा है, अगर मिल रहा है तो हाथ उठाइये..... यह कहकर लोगों से पांडियन ने सीधे संवाद स्थापित किया। इसके बाद कहा कि आपलोग इधर-उधर मत देखिए, केवल नवीन पटनायक और शंख चिह्न को देखकर वोट दीजिए। ओडिशा का विकास होगा और आपलोगों का भविष्य उज्जवल होगा।

पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं के साथ सेल्फी लेते पांडियन ● फोटोन न्यूज

शारदा व तिर्की के लिए मांगे वोट

पांडियन ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि शारदा नायक और दिलीप तिर्की को वोट देकर विजयी बनाएं। आपके लिए हमेशा काम करते रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। मुख्यमंत्री राउरकेला के लिए विशेष ध्यान रखते हैं। शारदा नायक और दिलीप तिर्की जीतते हैं तो और तेज रफ्तार से विकास होगा।

राउरकेला को वैश्विक मानचित्र पर लाने के लिए मुख्यमंत्री ने ठोस प्रयास किए है। हॉकी विश्वकप का आयोजन कर शहर का कायाकल्प किया गया। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में व्यापक कार्य किए गए। गरीबों को इलाज मिले इसके लिए हेल्थ कार्ड जारी किया गया। महिलाओं को सशक्त करने के लिए मुख्यमंत्री अनेकों योजनाएं चला रहे हैं। साथ ही कोशिश है कि सभी लाभ महिलाओं तक सीधे पहुंचे।

पानपोष तक रोड शो

पांडियन का रोड शो बिसरा चौक से शुरू हुआ। जहां डीजे के साथ समर्थक नाचते-गाते और बाजा बजाते हुए निकले। नवीन पटनायक जिंदाबाद, बीजद जिंदाबाद के नारे के साथ रोड शो निकला तथा मुख्य मार्ग से होते हुए आगे निकले। इस दौरान सड़क के दोनों ओर लोगों की भीड़ जुटी थी जो पांडियन का अभिवादन कर रहे थे। उदितनगर पहुंचने के बाद यहां से रोड शो बसंती कॉलोनी, फिर लेबर टूर्नामेंट और अंत में पानपोष पहुंचा। भारी भीड़ रही।

जमशेदपुर लोकसभा चुनाव के लिए हुआ ईवीएम का सेकेंड रेंडमाइजेशन

अधिकारियों संग बैठक करते प्रेक्षक ● पीआरडी

PHOTON NEWS JSR: लोकसभा चुनाव को निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक किल्लु शिव कुमार नायडू, जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल तथा प्रत्याशियों व इलेक्शन एजेंट की उपस्थिति में मतदान केंद्रवार ईवीएम का द्वितीय रेंडमाइजेशन किया गया। समाहरणालय सभागार में शनिवार को विधानसभा क्षेत्रों के मतदान केंद्रवार रेंडमाईजेशन की सूची तैयार की गई।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल ने बताया कि इस प्रक्रिया से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए ईवीएम मशीनों का बूथवार चिह्नितीकरण कर लिया गया है। रेंडमाईजेशन के दौरान प्रत्याशियों व इलेक्शन एजेंट द्वारा किसी भी पोलिग बूथ का नंबर बताकर प्रक्रिया की पारदर्शिता प्रमाणित करने के लिए री-रेंडमाईजेशन किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी डा. अर्चना द्विवेदी, रिटर्निंग आफिसर, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर अमित कुमार, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी आलोक कुमार शर्मा मौजूद रहे।

सिंहभूम लोस क्षेत्र का मतदान कल आज डिस्पैच की जाएंगी ईवीएम

भयमुक्त एवं शांतिपूर्ण वातावरण में चुनाव संपन्न कराने का दिया गया निर्देश

PHOTON NEWS SARAIKELA: लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के चौथे चरण में सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत 10-सिंहभूम तथा 11-खूंटी लोकसभा संसदीय क्षेत्र में 13 मई को मतदान होना है।

इसे लेकर उपायुक्त रविशंकर शुक्ला ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न कोषांग के वरीय पदाधिकारी, सभी एआरओ तथा एइआरओ के साथ बैठक की। उन्होंने दिशा निर्देश देते हुए कहा कि आप सभी अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य में अपनी सहभागिता देने जा रहे हैं। निर्वाचन का कार्य अत्यंत ही महत्वपूर्ण कार्य है और इसमें किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान उपायुक्त ने बिंदुवार चर्चा करते हुए आवश्यकता अनुसार एफएसटी की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए, बैठक में उपायुक्त ने एक्सपेंडिचर को लेकर सभी बैंक के मेजर ट्रांजैक्शंस तथा शराब दुकान की थोक बिक्री पर नजर रखने के निर्देश दिए। इस दौरान उपायुक्त ने मौसम को देखते हुए डिस्पैच सेंटर पर पावर बैकअप की व्यवस्था सुनिश्चित करने, पर्याप्त मात्रा में लाइट, बल्ब, पंखा तथा चार्जिंग प्वाइंट्स जैसे महत्वपूर्ण सुविधाए सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। साथ ही पोलिंग पार्टी तथा पुलिस पार्टी के सुविधा की दृष्टिकोण से एवं तथा सामग्री डिस्पैच सेंटर्स पर पर्याप्त मात्रा में आवश्यक साइनेस बोर्ड लगाने, डिस्पैच सेंटर पर हेल्प डेस्क, मेडिकल टीम तथा हैंड्स ऑन प्रिंटिंग की सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी वाहनों पर पोलिंग पार्टी, मतदान केंद्र संख्या, वाहन तथा ड्राइवर का संपर्क नंबर इंगित करने के निर्देश दिए।

दीपोत्सव से दिया मतदाता जागरूकता का संदेश

जमशेदपुर : लोकसभा चुनाव को लेकर बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में दीपोत्सव के माध्यम से मतदाता जागरूकता का संदेश दिया गया। इस दौरान मिट्टी के दीयों से # वोट तो देंगे ही, 25 मई 2024 की आकृति बनाई गई। इसके साथ ही स्काई लालटेन आकाश में उड़ाकर जिले के मतदाताओं से 25 मई को मतदान करने की अपील की गई। इस दौरान स्वीप कोषांग के पदाधिकारी, कर्मियों ने उपस्थित मतदाताओं को मतदाता शपथ दिलाई एवं मताधिकार का प्रयोग के लिए प्रेरित किया।

बिष्टुपुर गोपाल मैदान में मिट्टी के दीये जलाकर दिया जागरूकता संदेश

BRIEF NEWS

सेल ने जीता प्रबंधन व्यवसाय प्रश्नोत्तरी अवार्ड

ROURKELA : राउरकेला इस्पात संयंत्र की टीम में सहायक महा प्रबंधक (रिफ्रैक्टरीज), संपद मिश्र और सहायक प्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस) अभिषेक कुमार मिश्र शामिल हैं, जिन्होंने सेल स्तर के प्रबंधन व्यवसाय प्रश्नोत्तरी-2023 'सक्षम' में प्रथम रनर अप पुरस्कार जीतकर संयंत्र का नाम रोशन किया है। यह कार्यक्रम 3 मई 2024 को आईआईएससीओ. स्टील प्लांट, बर्नपुर में आयोजित किया गया था। वहां निदेशक बीपी सिंह ने समारोह में पुरस्कार प्रदान किया। भिलाई की टीम सक्षम 2023 क्विज का विजेता रहा और बोकारो स्टील प्लांट की टीम द्वितीय रनर अप रही। इस आयोजन में सेल की सभी सहयोगी इकाइयों से कुल 12 टीमों ने भाग लिया। महाप्रबंधक (कार्मिक), सब्यसाची दत्त ने कार्यक्रम का संचालन किया। गौरतलब है कि, यह जोड़ी पहले भी बिजनेस क्विजिंग के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार और प्रशंसा जीतकर इस्पात शहर का नाम रोशन कर चुकी है।

राउरकेला जा रहे व्यापारी से 5.30 लाख बरामद

BANDAMUNDA : बंडामुंडा पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक व्यक्ति से बंडामुंडा पुलिस थाना के पास से पांच लाख 30 हजार रुपये की नकदी जब्त किया है, जिसे सरकारी खजाने में जमा कर दिया है। जानकारी के अनुसार बंडामुंडा पुलिस के थाना प्रभारी अशोक कुमार दास को सूचना मिली थी कि एक बड़ी रकम बंडामुंडा के मुख्य रास्ते से राउरकेला लायी जा रही है। बंडामुंडा पुलिस द्वारा थाने के सामने एक जांच अभियान चलाया गया। इसमें बिसरा से राउरकेला जा रहे बिसरा निवासी मनोज अग्रवाल को रोक कर जांच किया गया तो उसकी स्कूटी की डिक्की से 5.30 लाख बरामद किया गया। इस रुपये को बंडामुंडा पुलिस ने स्टेटिक सर्विलांस टीम (फ्लाइंग स्क्वायड) पुलिस को सौंप दिया है। वहीं दूसरी ओर स्कूटी में सवार एक व्यक्ति ने स्वयं को किराना दुकान का मालिक बताया। बिसरा क्षेत्र में उनका किराना दुकान है तथा यह रकम किराना दुकान में लाए हुए सामान का है। राउरकेला की थोक दुकान से लाये गए सामान के एवज में व्यापारी को रुपए देने जा रहा था।

मंदिरों में रथ निर्माण के लिए हुई काष्ठ पूजा

ROURKELA : राउरकेला के सेक्टर-3 अहिराबंध जगन्नाथ मंदिर समेत शहर के अलग-अलग स्थानों पर स्थित जगन्नाथ मंदिरों में अक्षय तृतीया पर महाप्रभु जगन्नाथ की रथयात्रा के लिए रथ निर्माण के लिये काष्ठ पूजा हुई। पूजा में मंदिर के पुजारी समेत मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों समेत भक्त शामिल रहे। इस अवसर पर मंदिर के पास स्थित रथशाला में काष्ठ पूजा की गई तथा रथों का निर्माण कार्य शुरू किया गया। इससे पहले विविध धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। भगवान बलराम के तालध्वज, जगन्नाथ के नंदीघोष एवं मां सुभद्रा व सुदर्शन के दर्प दलन रथ की लकड़ी की पूजा की गयी। श्री श्री जगन्नाथ व वैद्यनाथ महाप्रभु मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष गिरिजा शंकर द्विवेदी समेत अन्य पदाधिकारी, सेवायत व भक्त शामिल रहे। इसके साथ ही कोयलनगर, बसंती कालोनी, पंच मंदिर, हनुमान वाटिका, प्लांट साइट, पानपोष, टिंबर कालोनी, छेंड कालोनी, झीरपानी, नया बाजार समेत सभी जगन्नाथ मंदिरों में काष्ठ पूजा कर रथ निर्माण का काम शुरू किया गया। ओडिशा में इस पूजन के साथ ही रथ यात्रा महापर्व की औपचारिक शुरुआत हो जाती है।

बिष्टुपुर से युवक का अपहरण, नग्न कर पीटा

शिकायत लेकर एसएसपी ऑफिस पहुंचा पीड़ित परिवार ● फोटोन न्यूज

- वीडियो भी बनाया, थाना में मामला दर्ज, एसएसपी से शिकायत

PHOTON NEWS JSR: बिष्टुपुर थाना अंतर्गत जी. टाउन के पास से साकची डालडा लाइन निवासी कृष्णा नरेडी नामक युवक का अपहरण करके उसे नग्न करके पिटाई किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। घटना गत 26 अप्रैल के शाम की है। इस संबंध में, बिष्टुपुर थाना में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। इधर घटना के बाद, आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर शनिवार को पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष मुकेश मित्तल ने परिजनों के साथ एसएसपी किशोर कौशल से शिकायत की। एसएसपी ने सीसीआर डीएसपी को कार्रवाई का निर्देश दिया है।

यह है मामला

शिकायतकर्ता कृष्णा नरेडी के मुताबिक, वह घटना के दिन अपने दोस्त आदित्य खंडेलवाल और मयंक अग्रवाल के साथ नाश्ता करने गया था। तभी कुछ लड़के जिसमें प्रियांश मिश्रा और अंकित 10-12 युवकों के साथ आए और जबरन अपहरण कर स्कूटी से जुगसलाई ले गए। वहां नग्न करके मारपीट की और वीडियो भी बनाया। धमकी दी गई कि अगर रिपोर्ट लिखवाई तो वीडियो वायरल कर देंगे। तभी वह वहां से किसी तरह जान बचाकर भागा। इस दौरान सफेद रंग की कार से उन्होंने पीछा भी किया। तभी उसने घरवालों को घटना की जानकारी दी।

ग्रेजुएट कॉलेज में हुआ एनसीसी का मासिक सम्मेलन

JAMSHEDPUR : साकची स्थित ग्रेजुएट कॉलेज में शनिवार को एनसीसी के एएनओ व केयरटेकर को प्रशिक्षण दिया गया। 37 झारखंड बटालियन एनसीसी जमशेदपुर की ओर से हुए मासिक सम्मेलन सह प्रशिक्षण शिविर में बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल विनय आहूजा ने 37 एनसीसी बटालियन के अंतर्गत 41 विद्यालय एवं महाविद्यालय के एएनओ व केयर टेकर पदाधिकारियों से उनकी समस्या सुनी।

बागबेड़ा में हुआ विहंगम योग विश्वशांति वैदिक महायज्ञ

पूजा संपन्न करवाते पुरोहित ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR: बागबेड़ा के बड़ौदा घाट स्थित निर्मलगोपाल प्रांगण में विहंगम योग विश्वशांति वैदिक महायज्ञ हुआ। 'अ' अंकित श्वेत ध्वजारोहण उपरांत महायज्ञ पुरोहित महावीर विद्यार्थी द्वारा कराया गया। यज्ञ में यजमान गोपालजी मिश्रा एवं निर्मला मिश्रा के साथ विहंगम योग युवा संत समाज के कोल्हान प्रमुख नीरज मिश्रा, उपदेष्टा कुसुम मिश्रा, अहर्निश मिश्रा, सुनहला सिंह, आरती शुक्ला, नेहा अग्रहरि, जयप्रकाश प्रसाद के संग अन्य उपस्थित सदस्यों नें आहुति प्रदान की।

सीआईआई ने साइबर सिक्योरिटी पर कराई कार्यशाला, धोखाधड़ी से बचने के बताए उपाय

बोले एक्सपर्ट, ज्यादातर पढ़े-लिखे ही होते साइबर फ्रॉड के शिकार

ADITI PANDEY@JSR

सीआईआई (कनफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री) द्वारा शनिवार को साइबर सिक्यूरिटी पर कार्यशाला हुई, जिसमें विशेषज्ञों ने इस अपराध के बारे में विस्तार से बताया।

बिष्टुपुर स्थित रूसी मोदी सेंटर फॉर एक्सीलेंस में इस कार्यशाला को मृणाल के. पाल (चीफ, आईटी इंफ्रा, नेटवर्क एंड साइबर सिक्योरिटी, टाटा स्टील) व भार्गव देव चक्रवर्ती (नेटवर्क एंड आईटी सिक्यूरिटी कंसल्टेंट, स्काईलिंक कम्यूनिकेशंस) ने मुख्य रूप से संबोधित किया।

इन्होंने बताया कि आजकल इंटरनेट से जुड़े जुर्म, जिसे हम साइबर क्राइम कहते हैं, काफी बढ़ चुका है। साइबर क्राइम एक बड़ा जुर्म है, जो इंडिया में बड़ी संख्या में लोगों के साथ होता है। इसमें लोगों को कॉल करके उनसे उनके बैंक डिटेल्स और ओटीपी मांगते हैं और किसी भी लालच में फंसा कर उनसे लाखों की ठगी कर लेते हैं। उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम ज्यादातर पढ़े-लिखे लोगों के साथ होता है। पढ़े-लिखे लोग इसलिए, क्योंकि वह उन्हें ऑनलाइन जॉब प्रोवाइड करके पैसे इन्वेस्ट करने को बोलते हैं या किसी ऑनलाइन क्रिप्टोकरेंसी में इन्वेस्ट करके लालच देते हैं। उनसे कहते हैं कि अगर पहले वाला विड्रॉल कराना है, तो पहले कुछ अमाउंट और पे करना होगा। फिर वह उनसे प्रोसेसिंग फी के नाम पर या यह बोलकर कि आप हमारी प्रक्रिया की तरह प्रोसेसिंग नहीं कर रहे हैं, इसलिए आपकी मनी विड्रॉल नहीं हो रही है, यह कहकर उनसे ठगी कर लेते हैं।

उन्होंने बताया कि साइबर क्राइम से बचने के लिए किसी भी तरह का अननोन नंबर से कॉल आने पर या आपसे ओटीपी या बैंक डिटेल्स मांगते हैं, तो कभी भी शेयर नहीं करना चाहिए। यदि आप ऐसा करते हैं तो आपके ओटीपी और बैंक डिटेल्स का मिसयूज कर आपसे ठगी कर सकते हैं।

सीएफई में मंचस्थ सीआईआई के पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

मृणाल पाल ने साइबर क्राइम का शिकार बनने से बचने के उपाय बताए। उन्होंने 16 हाइजीन फैक्टर के बारे में बात की, तो यह भी बताया कि टेक्नोलॉजी का कैसे इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने AAA (Access, Authentication, Authorigation) के बारे में जानकारी दी और साथ ही प्राइवेसी और कंप्लायंस के बारे में भी बताया मृणाल पाल ने सेक्टर स्पेसिफिक कंट्रोल्स के बारे में बताते हुए कहा कि इसमें चार मेन फैक्टर होते हैं, मैन्युफैक्चरिंग, आईटी हॉस्पिटलिटी और रिटेल और सबमें मेन SPF (सेंडर पॉलिसी फ्रेमवर्क), DKIM (डोमेन की आईडेंटिफाई मैसेजिंग) और DMARC (डोमेन-बेस्ड मैसेज ऑथेंटिकेशन रिर्पोटिंग एंड कंफोर्मेंस) होते हैं।

अंत में उन्होंने इस अटैक के होने पर क्या कर सकते हैं, जानकारी दी और बताया कि पहले तो आपको अपने इंटरनेट को बंद करना चाहिए और जिसमें क्राइम हुआ है उसे सिस्टम को बंद करने के साथ ही बाकी और भी सिस्टम को स्विचऑफ करना चाहिए, फिर उसके बाद आपको CERT को इन्फॉर्म करना है और अगर रैनसमवेयर अटैक हो तो आपको एंटीवायरस/EDr OEM को कांटेक्ट करना है, फिर आपको फिर से सिस्टम को वापस बनाना है अपने लास्ट बैकअप से और सारे सिस्टम को स्कैन करना है। इसके बाद फिर लॉगइन करें। साल में एक बार छोटे पैमाने पर पूरी प्रक्रिया का मॉकड्रिल के रूप में अभ्यास करें।

अब लिंक भेज कर हो रही ठगी

वर्कशॉप में आगे बताया गया कि साइबर क्राइम अब नए तरीके से लोगों के साथ ठगी कर रहा है अब वह लिंक के साथ कनेक्ट करके आपके बैंक अकाउंट से लाखों की ठगी कर लेते हैं उन्होंने बताया कि वह आपके फोन नंबर या वाट्सएप पर लिंक भेजेंगे और आप जैसे ही उसे लिंक पर क्लिक करते हो, आपके सारे पर्सनल डिटेल्स उन तक पहुंच जाते हैं। इसलिए बताया गया कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें।

सुबह या रात में करते हैं फोन

साइबर ठगों ने एक टाइम फिक्स किया है। वह आपको या तो रात में कॉल करेंगे या बहुत सुबह में। रात को करीब एक या दो बजे जब आप नींद में रहते हैं या फिर सुबह-सुबह जब आप सो कर उठते हो। यह उनकी प्लानिंग होती है।

ब्लैकमेल से करते ठगी

एक दूसरा मेथड है, आपके फेस को स्कैन करके आपको ब्लैकमेल भी करते हैं। वह आपको वाट्सएप पर वीडियो कॉल करेंगे और आप जैसे ही फोन उठाते हो तो वह आपकी फोटो क्लिक कर लेते हैं। फिर उस फोटोग्राफ को क्रॉप कर-के पोर्नोग्राफी जैसे साइट पर इस्तेमाल कर ब्लैकमेल करते हैं। इस दौरान सीआईआई जमशेदपुर के जोनल चेयरमैन दिल्लू पारिख, कन्वेनर सरजीत झा व को-कॉन्वेनर शिवम कमानी के अलावा डीएसपी- साइबर क्राइम विद्यासागर ने भी अपने विचार रखे।

एनटीटीएफ के 5 छात्रों का टार्क रोबोटिस में चयन

JAMSHEDPUR : एनटीटीएफ के गोलमुरी स्थित आरडी टाटा तकनीकी संस्थान में बीते दिनों पुणे स्थित टार्क रोबोटिक्स कंपनी द्वारा कैंपस सेलेक्शन किया गया। इसमें एनटीटीएफ के 5 छात्रों को 2.80 लाख के पैकेज पर लॉक किया गया। सभी छात्र फाइनल ईयर के डिप्लोमा इन मेकेट्रोनिक्स इंजीनियरिंग एंड डिप्लोमा इन इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग के हैं, जिनमें इलेक्ट्रॉनिक्स (उढ04) से टियासा डे, मेकेट्रोनिक्स (उढ15) से प्रेम कुमार दत्ता, नितिन कुमार, निखिल कुमार व राहुल प्रसाद शामिल हैं। सभी 2.80 लाख का पैकेज दिया जाएगा। इस उपलब्धि पर संस्थान की प्लेसमेंट पदाधिकारी नेहा एवं मिथिला, प्राचार्य प्रीता जॉन, उप प्राचार्य रमेश राय के साथ पंकज कु गुप्ता, हरीश, हिरेश, अजीत, सुष्मिता, मंजुला और उप-प्रबंधन प्रशासनिक अधिकारी वरुण कुमार ने छात्रों को बधाई दी है।

BRIEF NEWS

लोहरदगा के दुर्गम इलाकों में मतदान के लिए 14 पोलिंग पार्टियां रवाना

LOHARDAGA : लोकसभा चुनाव के तहत 13 मई को होने वाले मतदान के लिए लोहरदगा जिले के दुर्गम व सुदूरवर्ती क्षेत्र के कुल 14 मतदान केंद्रों के लिए 14 पोलिंग पार्टियां रवाना हुईं। रवाना होने से पूर्व सुबह में पोलिंग पार्टियों को उनके ईवीएम के साथ मिलान किया गया और मतदान सामग्री उपलब्ध करायी गयी। कुल 14 मतदान केंद्रों में 03 मतदान केंद्रों के लिए 03 पोलिंग पार्टियों को बीएस कॉलेज स्टेडियम से हेलिकॉप्टर के माध्यम से उनके बूथ तक पहुंचाया गया। बाकी के मतदान केंद्रों के लिए पोलिंग पार्टियां रविवार 12 मई को समाहरणालय परिसर, लोहरदगा से निर्धारित वाहनों में रवाना होंगी।

उत्पाद विभाग ने अवैध देशी शराब निर्माण स्थल पर की छापेमारी

BOKARO : उपायुक्त के निर्देश पर को सहायक आयुक्त उत्पाद के मार्गदर्शन एवं निरीक्षक उत्पाद के पर्यवेक्षण में जिला उत्पाद टीम ने गोमिया थाना अंतर्गत तेनुघाट डैम किनारे संचालित अवैध शराब निर्माण स्थल पर छापेमारी की। मौके से उत्पाद टीम ने 21,060 केजी जावा महुआ शराब एवं 370 लीटर अवैध चुलाई शराब को जब्त किया। वहीं, अवैध शराब निर्माण में इस्तेमाल किए जाने वाले वस्तुओं को नष्ट किया। छापेमारी के क्रम में संदिग्ध अभियुक्तों के विरूद्ध उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत अभियोग दर्ज किया गया है। छापेमारी दल में निरीक्षक उत्पाद संजीत देव, अवर निरीक्षक सदर कृष्णा प्रजापति, अवर निरीक्षक उत्पाद तेनुघाट दीपिका कुमारी सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

करंट लगने से चार वर्षीय मासूम की मौत

GIRIDIH : जिले के गावां थाना इलाके के बिरने गांव में 440 वोल्ट के जर्जर तार टूट कर गिरने से शनिवार को चार वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। बच्चे की मौत के बाद परिजनों ने बिजली ऑफिस के सामने शव को सड़क पर रख कर गावां तिसरी मुख्य मार्ग को घंटों जाम कर दिया है। हालांकि गावां पुलिस के काफी समझाने के बाद लोगों ने जाम हटा लिया । घटना के बाबत बताया गया है कि गावां थाना क्षेत्र के बीरने गांव निवासी सुधीर यादव का चार वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमार अपने घर के पीछे खेत में खेल रहा था। इसी दौरान 440 वोल्ट का जर्जर बिजली का तार अचानक टूट कर उस पर गिर गया। बच्चे को करंट की चपेट में आता देख आस-पास के ग्रामीणों ने किसी तरह उसे वहां से निकाल कर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गावां ले गए, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

वज्रपात की चपेट में आकर मजदूर की मौत, एक घायल

HAZARIBAGH : आचानक शनिवार को हुई तेज बारिश के दौरान हुए वज्रपात से केरेडारी में एक मजदूर की मौत हो गई। जबकी एक अन्य युवक गंभीर रुप से घायल हो गया। मृतक मजदूर कैला राम पिता जूठन राम (45) केरेडारी के पगार गांव का रहने वाला हैं। वहीं पचड़ा अंबा टोला निवासी नरेश राम के पुत्र अनिल राम गंभीर रुप से घायल हैं, जिसका ईलाज परिजन निजी तौर पर करा रहे हैं। कैला राम मजदूरी करने पास के गांव बालेदेवरी में मजदूरी करने गया था। इसी दौरान दोपहर में बारिश के साथ कड़कड़ाहट होने लगा। इसी क्रम में अचानक हुए वज्रपात की चपेट में आने से मजदूर की मौत घटना स्थल पर ही हो गई।

कोडरमा के द आई स्कूल में मदर्स डे पर ऑनलाइन प्रतियोगिता

KODERMA : कोडरमा स्थित द आई स्कूल में पाठ्य सहगामी क्रिया-कलापों के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का ऑनलाइन आयोजन हुआ। इन प्रतियोगिताओं में प्ले ग्रुप से केजी के बच्चों के बीच ऑनलाइन मदर्स डे कार्ड मेकिंग और टियरिंग एण्ड पेस्ट प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में बच्चों ने कलात्मक व रचनात्मक प्रतिभा दिखाते हुए विभिन्न प्रकार के कागज से घर, फूल, छाता आदि विभिन्न सुंदर व आकर्षक डिजाइनों को बनाया। इसके साथ मां के प्रति प्यार दशार्ते हुए सुंदर कार्ड भी बनाए।

रैयतों ने एनएचएआई संवेदक के चार कर्मियों को बनाया बंधक

सूचना के बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस, सभी को छुड़ाकर ले गई थाने

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू जिले के सतबरवा प्रखंड के तुंबागड़ा में शनिवार को नेशनल अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) में निर्माण करने वाली भारत वाणिज्य कंपनी के संवेदक के चार कर्मियों को रैयतों ने बंधक बना लिया। सूचना के बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने सभी को छुड़ाकर थाना ले गयी। रैयतों द्वारा आरोप लगाया गया कि संवेदक के सभी कर्मी गांव में जबरन जाकर लोगों को एलपीसी बनाने के लिए धमकी दे रहे थे। सूचना के बाद रैयत एकजुट हुए एवं विरोध किया और उन्हें आधे घंटे तक एक जगह पर बैठाकर रखा गया।

थाना प्रभारी अंचित कुमार ने बताया कि एनएच बना रही कंपनी के कर्मियों ने मारपीट करने की जानकारी दी है। दो लाइंजनिंग ऑफिसर, एक सुपरवाइजर तथा एक वाहन का चालक शामिल है। इधर, पुलिस द्वारा संवेदक कर्मियों को थाना लाने की सूचना पर 200 से ज्यादा रैयत थाना पहुंचे थे। संवेदक एवं कर्मियों के खिलाफ पुलिस में लिखित शिकायत की। बताया गया कि इन कर्मियों को कई बार मना किया गया था कि रैयतों का मामला अपर समाहर्ता कोर्ट में चल रहा है। सरकार के निर्देश के बाद सभी लोग एलपीसी करा लेंगे, लेकिन रैयत की बातों को अनसुना करके कर्मी हमेशा नियम कानून को ताक पर रखकर रैयतों के घर पहुंच जाते थे।

घटनास्थल पर लोगों से बात करती पुलिस। ● फोटोन न्यूज

कसियाडीह की वृद्धा एतवरिया कुंवर ने कहा कि हमर जमीन जाइत बात, जिकेर मुआवजा कम मिलत बा। इसी को लेकर हमलोग उपर के साहब के पास आवेदन दिए हैं। उसकी पोती संजू कुमारी, दुलसुलमा गांव के बृजभान सिंह, फूलचंद साव, जयनाथ साहू, गुलाब सिंह द्वारा बताया गया कि चारों कर्मी हम लोगों के घर पर जाकर बार-बार एलपीसी बनवाने की धमकी देते हैं। नहीं बनाने पर जमीन का मुआवजा नहीं देने की बात कह कर हमेशा धमकाते हैं। कहा जाता है कि जमीन भी जाएगी और केस करके फंसा देंगे।

64 लाख की 22 हजार लीटर स्प्रिट बरामद

जब्त की गई स्प्रिट। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS PALAMU : लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस की ओर से की गई कार्रवाई में 64 लाख रुपए की स्प्रिट बरामद की गई है। करीब 22 हजार लीटर स्प्रिट 175 जार (जरकिन) में भरी हुई थी। पुलिस ने इस सिलसिले में पंजाब के तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान 37 वर्ष के भीम सिंह पिता उमरिक सिंह के रूप में हुई है। कारकोर थाना डेराबसी जिला मोहाली पंजाब का निवासी है।

जिले की एसपी रीष्मा रमेशन ने शनिवार को जानकारी दी कि छतरपुर थाना क्षेत्र के नेवरीबार रूपचंदडीह स्थित सुदेश्वर भुइयां पिता बिरजू भुइयां के घर में अवैध स्प्रिट की बड़ी खेप टैंकर गाड़ी से प्लास्टिक के जार में भरकर अनलोड किया जा रहा है। सूचना पर छतरपुर के एसडीपीओ नौशाद आलम के नेतृत्व में छापामारी की गई। पुलिस को देखकर सुदेश्वर भुइयां के घर के पास एक टैंकर, हाइवा, पिकअप पर सवार लोग भागने लगे। बाद में एक को पकड़ा गया और उसकी पहचान भीम सिंह के रूप में हुई।

मौके से स्प्रिट से भरी हुई पिकअप, हाइवा, एक ब्रेजा कार, मोबाइल फोन जप्त किया गया और आरोपित को गिरफ्तार किया गया। पुलिस इसे बड़ी सफलता मान रही है। एसपी ने बताया कि बरामद स्प्रिट का बाजार मूल्य करीब 64 लाख रुपए है और इसे आसनसोल से लाकर बिहार ले जाने की तैयारी थी।

पेड़ से टकराई अनियंत्रित कार पत्नी की हुई मौत, पति घायल

PHOTON NEWS BOKARO : जिले के गोमिया प्रखंड स्थित ललपनिया-रामगढ़ रोड के चोरगावां के पास शनिवार सुबह अनियंत्रित कार पेड़ से टकरा गयी। इस हादसे में कार में सवार महिला की मौत हो गयी जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल व्यक्ति को रांची के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बताया जाता है कि गोमिया थाना क्षेत्र के जमकडीह निवासी पिंटू साव पत्नी कलावती देवी के साथ कार (जेएच 24जे 9715) से चोरगांवा रिश्तेदार के घर धार्मिक कार्यक्रम में गये थे। शनिवार की सुबह दोनों घर लौट रहे थे। इस बीच चोरगावां के पास कार अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गयी। आनन-फानन में दोनों घायलों को रांची रिम्स ले जाया गया, जहां कलावती देवी (30) की मौत हो गयी। दुर्घटना में घायल पिंटू साव को रांची के ही एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। टक्कर इतनी जोर की थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना पर ललपनिया थाना प्रभारी शशि शेखर घटनास्थल पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

क्षतिग्रस्त कार।

सांसद मनोज तिवारी के बयान पर चंद्रवंशी समाज में आक्रोश

PHOTON NEWS BOKARO : चंद्रवंशी नेता मिथुन चन्द्रवंशी ने कहा कि सोशल मीडिया में भाजपा सांसद मनोज तिवारी का एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें वे कांग्रेस प्रत्याशी कन्हैया कुमार की आलोचना कर रहे हैं। आलोचना के क्रम में उन्होंने 'कहार' शब्द का प्रयोग अत्यंत ही निंदनीय तरीके से किया है, जिसे लेकर राज्य के पूरे चन्द्रवंशी समाज में आक्रोश व्याप्त है।

मिथुन ने कहा कि 13 मई को बेरमो अनुमंडल का चन्द्रवंशी समाज स्वांग में बैठक कर कड़े शब्दों में निंदा करेगा और भाजपा के शीर्ष नेताओं से मांग करेगा कि सांसद मनोज तिवारी मंच के माध्यम से चन्द्रवंशी समाज से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें अन्यथा इसका खामियाजा एनडीए गठबंधन को भुगतना पड़ेगा।

आक्रोश जताते चंद्रवंशी समाज के लोग। ● फोटोन न्यूज

बेरमो अनुमंडल के जरासंध मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष प्रदीप रवानी ने कहा कि मनोज तिवारी भाजपा के सांसद हैं और वे इस बार भी लोकसभा चुनाव में भाजपा के प्रत्याशी हैं। उन्हें शब्दों के चयन में सावधानी बरतनी चाहिए। मनोज तिवारी ने अहंकार में आकर कहार शब्द का इस्तेमाल निंदनीय तरीके से करते हुए चन्द्रवंशी समाज को आहत पहुंचाने का काम किया है। यदि वे सार्वजनिक रूप से चन्द्रवंशी समाज से माफी नही मांगते हैं तो उनके विरुद्ध देश के सभी थानों में मानहानि का मामला दर्ज कराया जाएगा।

झामुमो ने पूर्व विधायक जेपी वर्मा को पार्टी से किया निलंबित

PHOTON NEWS GIRIDIH : झारखंड मुक्ति मोर्चा से बगावत कर कोडरमा लोकसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे पूर्व विधायक प्रो. जयप्रकाश वर्मा को झामुमो केन्द्रीय कमेटी ने सभी पदों से मुक्त करते हुए पार्टी से निलम्बित कर दिया है। झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने शनिवार को यह जानकारी दी।

झामुमो के महासचिव विनोद पांडेय ने पार्टी अध्यक्ष शिबू सोरेन के निर्देश का हवाला देते हुए कहा कि पूर्व विधायक जयप्रकाश वर्मा ने पार्टी लीक से हटकर निर्दलीय चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। झामुमो इसे सहन नहीं करने वाली है। कोडरमा से इंडी गठबंधन के प्रत्याशी भाकपा माले के विधायक बिनोद सिंह को झामुमो का पूरा समर्थन है। इसलिए शिबू सोरेन के निर्देश पर ही पूर्व विधायक जयप्रकाश वर्मा को पार्टी के हर पद से तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि कोडरमा लोस सीट से टिकट मिलने के आश्वासन पर दो साल पहले प्रो. वर्मा ने भाजपा से इस्तीफा देकर जेएमएम की सदस्यता ग्रहण की थी लेकिन महागठबंधन में कोडरमा सीट चले जाने के कारण जेएमएम नेता चाहकर भी कुछ नहीं कर सके। लिहाजा गुस्साए प्रो. वर्मा ने पार्टी से बगावत कर दी और निर्दलीय प्रत्याशी बनकर चुनाव मैदान में डटे हैं।

भाजपा प्रत्याशी वीडी राम ने चैनपुर के गांवों का किया दौरा, मोदी सरकार के पक्ष में मांगे वोट

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू के निवर्तमान सांसद और पलामू लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी विष्णु दयाल राम ने शनिवार को चैनपुर प्रखंड के विभिन्न गांव पूर्वडीहा, लिधकी, पतरिया, बोकेया, कटुवल, कोशियारा एवं पथरा में जनसंपर्क अभियान चलाया और स्वयं तथा केन्द्र सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए लोगों से भाजपा के पक्ष में मतदान हेतु अनुरोध किया।

मौके पर सांसद ने कहा कि सभी लोग जितने वाले प्रत्याशी नरेन्द्र मोदी के पक्ष में मतदान कीजिये। दूसरी पार्टियों को मतदान करना अपने बहुमूल्य वोट को बर्बाद करने जैसा होगा। मोदी सरकार किसी जाति-धर्म और समुदाय में विभेद नहीं करती, उनके लिए देश के सभी जाति-धर्म वर्ग समुदाय के लोग उनके परिवार हैं और उनके नजर में सिर्फ चार जातियां-गरीब, युवा, महिला और किसान हैं। आज के परिपेक्ष्य में मोदी का कोई दूसरा विकल्प नहीं है। दूसरी पार्टियों पर निशाना साधते हुए कहा कि दूसरी पार्टी परिवारवाद को बढ़ावा देती है, जबकि मोदी का परिवार इस देश की जनता है, वहीं पूर्व की अपेक्षा इस चुनाव में वोट प्रतिशत बढ़ाने के लिए भी अनुरोध किया।

लोगों के बीच वीडी राम। ● फोटोन न्यूज

यदि मोदी सरकार पुनः सत्ता में आती है तो 2029 तक भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा। बताया कि 13 मई को होने वाले चुनाव का समय सुबह सात से शाम के पांच तक है, लेकिन उन्होंने लोगों को सात बजे से पहले मतदान के लिए कतार में खड़े होने का अनुरोध किया और बताया कि यदि पांच बजे शाम तक कोई व्यक्ति कतार में खड़ा हो जाता है तो उसको मतदान देने से रोका नहीं जा सकता चाहे कितनी भी देर क्यों ना हो जाए।

कांग्रेस प्रत्याशी जय प्रकाश भाई पटेल ने किया जनसंपर्क अभियान

PHOTON NEWS HAZARIBAGH : लोकसभा क्षेत्र के इंडी गठबंधन समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी जय प्रकाश भाई पटेल ने शनिवार को हजारीबाग के सदर क्षेत्र में चुनावी जनसंपर्क किया। जनसंपर्क के दौरान उन्होंने दर्जनों गांव, चौक-चौराहों पर जा कर लोगो के साथ संवाद स्थापित किया। उन्होंने लोगों के साथ भाजपा की राष्ट्रविरोधी नीतियों पर चर्चा कर देश को न्याय के रास्ते पर लाने के लिए हाथ छाप पर बटन दबा कर कांग्रेस को भारी मतों से जिताने का आह्वान किया।

शहरी क्षेत्र में भारी भीड़ को देख अभिभूत हुए पटेल ने कहा कि आपकी यह भीड़ बता रही है कि शहर में भी बदलाव की मांग है। यह बदलाव हो कर रहेगा और इतिहास में लिखा जाएगा। अब और चोर उचक्कों एवं व्यापारियों के चक्कर में हजारीबाग की जनता नहीं आने वाली है। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी पर निशाना साधते हुए कहा कि व्यापारियों के हाथों हजारीबाग को भी बेचने की तैयारी है। जिसने चार करोड़ में सांसद का टिकट लिया है वो सांसद बन कर यकीनन करोड़ों रुपये यहां से लूटेगा।

जनसंपर्क अभियान में शामिल जेपी पटेल व अन्य। ● फोटोन न्यूज

अज्ञात युवक का मिला अधजला शव, जांच में जुटी पुलिस

PHOTON NEWS GIRIDIH : डुमरी थाना क्षेत्र के गुरहा जंगल से शनिवार की सुबह एक अज्ञात युवक का अधजला शव मिला। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गयी है। जानकारी मिलने के बाद पुलिस और आसपास के लोगों की भीड़ घटनास्थल पर पहुंची. फिलहाल पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। घटना के बाबत बताया जाता है कि शनिवार की सुबह गांव के कुछ लोग शौच के लिए गिरिडीह के गुरहा जंगल की ओर गए हुए थे। इसी दौरान ग्रामीणों को कुछ जलने की बदबू का एहसास हुआ। जब ग्रामीण जंगल के अंदर की ओर गए तो देखा कि एक युवक का शव अधजला अवस्था में पड़ा हुआ है। इसके बाद ग्रामीणों ने हो-हल्ला कर आस-पास के अन्य लोगों भी बुलाया। इसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गयी।

उत्पाद विभाग ने 1000 किलोग्राम जावा महुआ किया नष्ट

PHOTON NEWS RAMGARH : लोकसभा चुनाव के दौरान उत्पाद विभाग की टीम लगातार अवैध शराब के खिलाफ अभियान चला रही है। शनिवार को भी विभाग के पदाधिकारियों ने छापेमारी कर 50 लीटर अवैध महुआ शराब और 1000 किलोग्राम जावा महुआ नष्ट किया है। यह छापेमारी अभियान गोला थाना अंतर्गत कामता गांव में भैरवी नदी के किनारे चलाई गई। यहां संचालित अवैध शराब भट्टियों में सघन और व्यापक छापामारी कर कुल 50 लीटर अवैध चुलाई शराब एवं 1000 किलोग्राम जावा महुआ बरामद किया गया। छापामारी अभियान में कामता गांव के निवासी संतोष साव, कृष्ण जीवन साव, उमेश साव, काली साव, मंसु साव आदि के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत फरार अभियोग दर्ज किया गया है। छापेमारी अभियान में उत्पाद अवर निरीक्षक कांग्रेस कुमार, अवर निरीक्षक दिलीप कुमार शर्मा, सशस्त्र गृहरक्षक के जवान विनय सिंह, कमलेश कुमार आदि शामिल थे।

अर्जुन मुंडा को अल्पसंख्यक समुदाय का भी मिल रहा पूरा समर्थन : कमाल खान

सबके विकास के लिए काम कर रही मोदी सरकार

PHOTON NEWS KHUNTI : झारखंड अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष कमाल खान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार सभी समुदायों के विकास के लिए काम कर रही है, वाहे वह हिंदू हो, मुस्लिम हो, ईसाई हो अथवा कोई अन्य समुदाय का हो, भाजपा की सरकार सबको साथ और सबका विश्वसस लेकर काम कर रही है। अल्पसंख्यक समुदाय खासकर मुसलमानों में इसका काफी प्रभाव है और इस बार केंद्र में फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनेगी। कामल खान शनिवार को राज्य के पूर्व मंत्री रामचंद्र केसरी, भाजपा अल्पसंख्य मोर्चा के खूंटी जिलाध्यक्ष मो शफीक खान और मंडल अध्यक्ष कलीम खान के साथ तोरपा में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे।

मीडिया को जानकारी देते कमाल खान व अन्य। ● फोटोन न्यूज

कमाल खान और रामचंद्र केसरी ने दावा किया कि खूंटी संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी अर्जुन मुंडा फिर विजयी होंगे और उनका केंद्र में मंत्री बनना तय है। कमाल खान ने कहा कि एक समय था, जब भाजपा के नाम पर मुसलमानो और ईसाइयों का डराया जाता था, लेकिन अब सभी कोई सच्चाई को समझ गये और अल्पसंख्यक समुदाय के लोग भी भाजपा के साथ जुड़ रह हैं। उन्होंने कहा कि रांची में मुसलमानों के लिए हज हाउस बनाया जा रहा था, लेकिन वह भी महागठबंधन के नेताओं की भेंट चढ़ गया था। राज्य मं जब रघुवर दास के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी तो जर्जर हज हाउस को तोड़ कर फिर से विशाल और मजबूत हज हाउस का निर्माण कराया गया। यह देन भाजपा सरकार की ही है।

उन्होंने कहा कि कुछ दिनों से खूंटी संसदीय क्षेत्र का खासकर अल्पसंख्य बहुल गांवों का दौरा कर रहे हैं और उन्होंने देखा कि मुस्लिम समुदाय का पूरा वोट इस बार भाजपा को मिलेगा। कलाम खान ने कहा कि जब अर्जुन मुडा राज्य के कल्याण मंत्री और बाद में मुख्यमंत्री बने, तो उन्होंने अल्पसंख्यकों के किकास के लिए काफी काम किया। कलाम खान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि मुसलमानो के एक हाथ में कुरान और दूसरे हाथ में कंप्यूटर होना चाहिए।

खान ने कहा कि मुसलमानों को दीनी शिक्षा के साथ ही विज्ञान की भी शिक्षा लेनी होगी, तभी उनका विकास होगा। कमाल खान ने कहा कि नरेंद्र मेदी की सरकार ने पूरे देश का दंगा मुक्त कर दिया। उन्होंने कहा कि झारखंड में काम करनेवाली सरकार नहीं कमाने वाल और अपनी तिजोरी भरने वाली सरकार है। उन्होंने कहा कि इस बार खूंटी से अर्जुन मुंडा भारी मतों से विजयी होंगे, इतना तय है।

बोले छात्र आजसू के सदस्य, स्टूडेंट्स की परेशानियों को दूर करें प्रिंसिपल

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) का प्रतिनिधिमंडल रांची विश्वविद्यालय छात्र संघ अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला के नेतृत्व में एसएस मेमोरियल महाविद्यालय की प्राचार्य महोदया से मुलाकात कर उन्हें महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं को हो रही परेशानी से अवगत करवाया।

वरीय उपाध्यक्ष दीपक दुबे ने प्राचार्य को मांगपत्र सौंपते हुए कहा कि एसएस मेमोरियल महाविद्यालय मे जो मेंटेनेंस का काम चल रहा है, उसको सही तरीके से करवाया जाए। एसएस मेमोरियल महाविद्यालय के छात्र छात्राओं से खेलकूद के लिए जो फंड मे पैसा लिया जाता है, उस पैसे से खेल सामग्री उपलब्ध कराई जाए। महाविद्यालय में नई शिक्षा नीति के तहत लाइब्रेरी में पुस्तक उपलब्ध कराई जाए। कक्षाएं समय से संचालित हों।

प्रिंसिपल से मिलते छात्र आजसू के सदस्य।

महाविद्यालय के कारण सिंह ने कहा कि सात दिनों में सारी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो छात्र आजसू महाविद्यालय में तालाबंदी करेगी। मांगपत्र सौंपने वालों में दीपक दुबे, हर्ष उरांव, अश्विनी पंडित, कुणाल सिंह, कारण सिंह, जैद शाह के अलावा कई अन्य सदस्य शामिल थे।

प्रेम त्याग व ममता की मूर्ति होती है मां

रमेश सर्राफ धमोरा

दुनिया में हर शब्द का अर्थ समझा और समझाया जा सकता है। लेकिन मां शब्द का अर्थ समझना और समझाना दोनों ही लगभग नामुमकिन है। मां शब्द का अर्थ समझाना इसलिए नामुमकिन है क्योंकि मां के प्यार को मां के बलिदान को शब्दों में नहीं समझाया जा सकता। इसे सिर्फ अनुभव किया जा सकता है। मां के दिल में जितना प्यार अपने बच्चों के लिए होता है। अगर मां के सभी बच्चे कोशिश भी करें तो उसका कुछ अंश भी अदा नहीं कर सकते।

दुनिया में मां की तुलना भगवान से की जाती है। भारत में गंगा नदी को पवित्र मान कर मां का दर्जा दिया जाता है जो इस बात का संकेत है कि मां अपने आप में एक उपाधि है। कई धार्मिक ग्रंथो में जननी की महिमा का बखान मिलता है। प्रत्येक वर्ष मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे यानी मातृ दिवस मनाया जाता है। ऐसे में इस साल 12 मई को मातृ दिवस मनाया जाएगा।

मां एक ऐसा शब्द है जिसमें पूरा ब्रम्हांड समा जाए। जब हम मां बोलने के लिए मुंह खोलते हैं तो शब्द के उच्चारण के साथ ही पूरा मुंह भर जाता है। मां ममता की मूरत होती है। पूरी दुनिया के सभी धर्मों ने मां के रिश्ते को सबसे पवित्र माना गया है। अपने बच्चों के प्रति मां का प्यार, दुलार, समर्पण और त्याग अनमोल होता है। मां को सम्मान देने के लिए पूरी दुनिया में मई माह के दूसरे रविवार को मातृत्व दिवस (मदर डे) के रूप में मनाया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय मातृत्व दिवस माताओं एवं मातृत्व का सम्मान करने वाला दिन होता है। एक मां ही होती है जो सभी की जगह ले सकती है। लेकिन उनकी जगह कोई और नहीं ले सकता है। मां अपने बच्चों की हर प्रकार से रक्षा और उनकी देखभाल करती है। इसलिए मां को ईश्वर का दूसरा रूप कहा जाता है। मां वह शख्स होती है जो नो माह तक अपने बच्चे को कोख में रखकर जन्म देती है। उसके बाद उसका लालन-पालन करती है। कुछ भी हो जाए लेकिन एक मां का अपने बच्चों के प्रति स्नेह कभी कम नहीं होता है। वह खुद से भी ज्यादा अपने बच्चों के सुख सुविधाओं को लेकर चिंतित रहती है। मां अपनी संतान की रक्षा के लिए बड़ी से बड़ी विपत्तियों का सामना करने का साहस रखती है।

मां होने का अर्थ है उत्तरदायित्व और निस्वार्थता से पूरी तरह से अभिभूत होना। मातृत्व का मतलब है रातों की नींद हराम करना। मां भगवान की सबसे श्रेष्ठ रचना है। उसके जितना त्याग और प्यार कोई नहीं कर सकता है। मां विश्व की जननी है उसके बिना संसार की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मां ही हमारी जन्मदाता होती है और वही हमारी सबसे पहली गुरु होती है। इसीलिए हम धरती को भी धरती माता कहते हैं। जो अपने उपर हम सब का वजन उठाती है।

मां को संस्कृत में मातरः कहते है। मां ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है जिसके माध्यम से परमेश्वर अपने अंश द्वारा अपनी

शक्ति का संचार और विस्तार करता हैं। पुराणों के अनुसार मां का अर्थ लक्ष्मी है। जिस प्रकार मां लक्ष्मी सृष्टि का पालन करती है उसी प्रकार मां भी शिशु का पालन करती है। इस प्रकार मां को लक्ष्मी का स्वरूप माना गया। एक मत यह है कि इस सृष्टि का आरंभ मनु और शतरूपा नामक स्त्री-पुरुष के समागम से हुआ। मनु के नाम पर ही उनकी संतान को मनुज या मानव कहा गया। मनु की संतान को जिसने जन्म दिया उसे मां कहा गया। और इस प्रकार मां शब्द की उत्पत्ति हुई।

हमारे देश में गाय को भी गौमाता कह कर पुकारते हैं जो हमें अपने अपना दूध पिला कर बड़ा करती है। मां हमारे जीवन की सबसे प्रमुख हस्ती होती है जो बिना कुछ पाने की उम्मीद किए सिर्फ देती ही रहती है। मां का प्यार निस्वार्थ होता है जो हम अपने पूरे जीवन में किसी और से प्राप्त नहीं कर सकते हैं। मां बच्चे की पहली गुरु होती है।

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।

वाल्मीकि रामायण के इस श्लोक में आचार्य वाल्मीकि कहते हैं कि माता और मातृभूमि का स्थान स्वर्ग से भी ऊपर होता है और उनके चरणों में ही वैकुंठ धाम है।

नास्ति मातृसमा छाया, नास्ति मातृसमा गतिः।
नास्ति मातृसमं त्राण, नास्ति मातृसमा प्रिया।।

यह श्लोक जीवन में माता के महत्व को बताता है। इस श्लोक में कहा गया है, माता के समान कोई छाया नहीं है और न ही उनके समान कोई सहारा है। न तो दुनिया में मां के समान कोई रक्षक नहीं और उनके समान कोई प्रिय वस्तु भी नहीं है। महाभारत में एक प्रसंग के दौरान जब यक्ष धर्मराज युधिष्ठर से सवाल पूछते हैं कि भूमि से भारी कौन है। तब युधिष्ठर कहते हैं कि माता इस भूमि से कहीं अधिक भारी होती हैं। अर्थात संसार में माता का स्थान सबसे अधिक गौरवपूर्ण है।

भारतीय संस्कृति तथा कुछ ग्रंथों के अनुसार मां शब्द की उत्पत्ति गोवंश से हुई। गाय का बछड़ा जब जन्म लेता है तो उसके सर्वप्रथम रंभानें में जो स्वर निकालता है वह मां होता है। यानी कि बछड़ा अपनी जन्मदात्री को मां के नाम से पुकारता है। इस प्रकार जन्म देने वाली को मां कहकर पुकारा जाने लगा। शास्त्रों के अनुसार सर्वप्रथम बछड़े ने ही अपनी मां गाय को रंभाकर मां पुकारा और वहीं से इस शब्द की उत्पत्ति हुई।

देखा जाए तो मातृ दिवस का इतिहास सदियों पुराना एवं प्राचीन है। यूनान में परमेश्वर की मां को सम्मानित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता था। 16वीं सदी में इंग्लैंड का ईसाई समुदाय ईशु की मां मदर मेरी को सम्मानित करने के लिए इस दिवस को त्योहार के रूप में मनाये जाने की शुरूवात हुई। 'मदर्स डे' मनाने का मूल कारण समस्त माताओं को सम्मान देना और एक शिशु के उत्थान में उसकी महान भूमिका को सलाम करना है।

मातृत्व दिवस को आधिकारिक बनाने का निर्णय पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति वूडरो विलसन ने आठ मई 1914 को लिया था। राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाने और मां के सम्मान में एक दिन के अवकाश की सार्वजनिक घोषणा की थी। वे समझ रहे थे कि सम्मान, श्रद्धा के साथ माताओं का सशक्तिकरण होना चाहिए। जिससे मातृत्व शक्ति के प्रभाव से युद्धों की विभीषिका रुके। तत्पश्चात हर वर्ष मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाता है। वर्तमान में ये भारत के साथ यूके, चीन, यूएस, मेक्सिको, डेनमार्क, इटली, फिनलैण्ड, तुर्की, ऑस्ट्रेलिया, कैनेडा, जापान, बेल्जियम सहित कई देशों में मनाया जाता है। हर साल माताओं के प्रति अपने आदर और सम्मान को व्यक्त करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है।

मां शब्द की उत्पत्ति और अर्थ के बारे में कई मत हैं। विभिन्न शैलियों ने मां शब्द की व्याख्या की है। ये एक अक्षर वाला मां संबोधन पूरे ब्रह्मांड में सबसे ताकतवर शब्द माना जाता है। मां सिर्फ शब्द नहीं बल्कि एक भावना है। इसका वर्णन शब्दों मे करना नामुमकिन है। मां वो है जो न सिर्फ हमे जन्म देती है बल्कि हमे जीना भी सिखाती है। मां शब्द का अर्थ है निस्वार्थ प्यार और बलिदान। मां भगवान का जीता जागता स्वरूप है। मां खुले दिल से अपने बच्चो का भरपूर ख्याल रखती है। मां वो होती है जो खुद भूखी सो जाए पर अपने बच्चो को भूखा रहने नहीं देती। उसे खुद कितनी भी तकलीफ हो वो जताती नहीं और ऐसे मे भी सिर्फ अपने बच्चो की ही सलामती की दुआ करती है। मां की ममता समुद्र से भी गहरी है।

दुनिया में हर शब्द का अर्थ समझा और समझाया जा सकता है। लेकिन मां शब्द का अर्थ समझना और समझाना दोनों ही लगभग नामुमकिन है। मां शब्द का अर्थ समझाना इसलिए नामुमकिन है क्योंकि मां के प्यार को मां के बलिदान को शब्दों में नहीं समझाया जा सकता। इसे सिर्फ अनुभव किया जा सकता है। मां के दिल में जितना प्यार अपने बच्चों के लिए होता है। अगर मां के सभी बच्चे कोशिश भी करें तो उसका कुछ अंश भी अदा नहीं कर सकते।

संपादकीय

आबादी पर सवाल

देश में हिंदुओं की आबादी में कमी आ रही है। धार्मिक अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारीः राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण (1950-2015) दस्तावेज में प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने खुलासा किया है। इसमें हिन्दू आबादी के 7.82 फीसद कम होने के साथ मुसलमानों की 43.15 फीसद बढ़ने की बात की गई है। सिखों की आबादी 1.24 फीसद से बढकर 1.85 फीसद तथा इसाइयों की 2.24 फीसद से बढ कर 2.36 फीसद हो गई है। इस रिपोर्ट के अनुसार बौद्ध भी बढ़े हैं, जबकि जैन व पारसियों की संख्या घटी है। यूं तो जनसंख्या के आंकड़े जनगणना के माध्यम से आते हैं। जो 2011 के बाद से नहीं हो सकी है। जनगणना 2021 में प्रस्तावित थी, जो करोना महामारी के कारण स्थगित कर दी गई थी। इस अध्ययन में बहुसंख्यक व अल्पसंख्यक आबादी में आए उतार-चढाव के अंतरराष्ट्रीय रुझान का पता लगाने के लिए 167 देश शामिल थे, जिसके मुताबिक भारतीय उपमहाद्वीप में मुस्लिम आबादी की बढ़ोत्तरी सबसे ज्यादा हुई। जबकि बांग्लादेश में 10 फीसद व पाकिस्तान में 10 फीसद मुसलमानों की आबादी में बढ़त देखी गई।

देश में मौजूदा वक्त में लोक सभा चुनाव चल रहे हैं, जिसमें सत्ताधारी दल पहले ही धार्मिक आधार पर बयानबाजियां करने और समाज में दरारें पैदा करने में हिचक नहीं रहा है। ऐसे में इस रिपोर्ट का प्रचार खास समुदाय को निशाना बनाने में सहायक साबित हो सकता है। विपक्ष भी इसे चुनावी चाल कह आरएसएस का एजेंडा चलाने का आरोप लगा रहा है। वास्तव में हम धर्मनिरपेक्ष देश हैं, जिसमें सभी धर्मो का बराबर सम्मान किया जाना और उनके साथ सहिष्णुता बरतना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। मुसलमानों की आबादी बढ़ने के कारणों में यूं तो उनकी चार शादियां, धर्मांतरण व घुसपैठ को दोषी ठहराया जा रहा है, जबकि इसके पीछे अशिक्षा व जागरूकता की कमी अधिक है। विशेष समुदाय पर देश की जनसांख्यिकी बदलने के प्रयासों का आरोप मढ़ना कतई उचित नहीं ठहराया जा सकता। इस हकीकत को झुठलाया नहीं जा सकता कि दुनिया भर में मुसलमानों की आबादी सबसे तेजी से बढ़ रही है। बीते सौ वर्षो में वे 12.5 फीसद से बढकर 22.5 फीसद हो चुके हैं। इसलिए केवल भारत में मुसलमानों की बढ़ती जनसंख्या के लिए भ्रामक प्रचार से बाज आना चाहिए। साथ ही उन्हें जागरूक करने और सेहत संबंधी फायदों के विषय में आगाह करने के प्रयास करने चाहिए।

चिंतन-मनन

दृष्टि में सब रखें

एक व्यक्ति ने कहा, सर्दी लग रही है। ठिठुर रहा हूं। दूसरे ने कहा, जाओ, कपड़ा ओढ़ लो। वह घर में गया और मलमल की चादर ओढ़ आया। आकर बोला, कपड़ा ओढ़ लिया, फिर भी ठंड लग रही है। उसने कहा, भले आदमी! मैंने कपड़ा ओढ़ने के लिए कहा था। इस ठिठुरन से बचने के लिए कैसा कपड़ा ओढ़ना है, यह विवेक तो तुम्हें होना ही चाहिए। मलमल से ठंड नहीं रूकती। वह रूकती है मोटे कपड़े से, ऊनी कपड़े से। जब तक मोटा कपड़ा या ऊनी कपड़ा नहीं ओढ़ा जाएगा, ठंड रूकेगी नहीं। कहने का अर्थ है कि यही बात देखने के विषय में है। देखना भी चल रहा है और विचार भी चल रहा है, यह नहीं होना चाहिए। देखने में केवल देखना ही चले। यह तभी संभव है जब देखना सघन हो। ठंड का रूकना तभी संभव है जब मोटा कपड़ा ओढ़ा जाए।

प्रश्न होता है कि किसे देखें? क्या देखें? अच्छा-बुरा जो भी आए उसे देखें। प्रोध आए तो उसे भी देखो। मान आए तो उसे भी देखो। वास्तव में जो प्रोध को देखता है, वही मान को देखता है। प्रोध हमारी सबसे स्थूल वृत्ति है। यह सबके समक्ष प्रत्यक्ष होती है। मान छिपा रहता है। प्रकट कम होता है। प्रोध तत्काल प्रकट हो जाता है। प्रोध का परिणाम -दुख को देखो। सुख को भी देखो। सुख के स्पंदनों को देखो। दुख के स्पंदनों को देखो। जो भी अच्छा या बुरा है, उसे देखो। श्वास को देखो। शरीर को देखो। समत्व को देखो। तटस्थता को देखो। अनन्यदर्शी को देखो। उसको देखो जहां दूसरा कोई नहीं है। चेतना के उस शुद्ध स्वभाव को देखो जहां जानने-देखने के सिवाय कुछ भी नहीं है। वही परम दर्शन है।

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस : स्वास्थ्य रक्षा में सबसे महत्वपूर्ण है नर्सों का योगदान

योगेश कुमार गोयल

दया और सेवा की प्रतिमूर्ति फ्लोरेंस नाइटिंगेल को आधुनिक नर्सिंग की जन्मदाता माना जाता हैं, जिनकी आज हम 204वीं जयंती मना रहे हैं। प्रतिवर्ष उन्हीं की जयंती को 12 मई को अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के रूप में मनाया जाता है और इस विशेष अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत नर्सिंग कर्मियों के योगदान को नमन करना बेहद जरूरी है। ह्यलेडी विद द लैंपह्ल के नाम से विख्यात नाइटिंगेल का जन्म 203 वर्ष पहले 12 मई 1820 को इटली के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। भारत सरकार द्वारा वर्ष 1973 में नर्सों द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्यों को सम्मानित करने के लिए उन्हीं के नाम से ह्यफ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कारह्ल की स्थापना की गई थी, जो प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर प्रदान किए जाते हैं।

फ्लोरेंस नाइटिंगेल एक बेहद खूबसूरत, पढ़ी-लिखी और समझदार युवती थी। उन्होंने अंग्रेजी, इटेलियन, लैटिन, जर्मनी, फ्रेंच, इतिहास और दर्शन शास्त्र सीखा था तथा अपनी बहन और माता-पिता के साथ कई देशों की यात्रा की थी। मात्र 16 वर्ष की आयु में ही उन्हें अहसास हो गया था कि उनका जन्म सेवा कार्यों के लिए ही हुआ है। हालांकि उस दौर में नर्सिंग को एक सम्मानित व्यवसाय भी नहीं माना जाता था, इसलिए उनके माता-पिता का मानना था कि धनी परिवार की लड़की के लिए वह पेशा सही नहीं है। दरअसल वह ऐसा समय था, जब अस्पताल बेहद गंदी जगह पर होते थे और वहां बीमार लोगों की मौत के बाद काफी भयावह माहौल हो जाता था। 1850 में फ्लोरेंस ने जर्मनी में प्रोटेस्टेंट डेकोनेसिस संस्थान में दो सप्ताह की अवधि में एक नर्स के रूप में अपना प्रारम्भिक प्रशिक्षण पूरा किया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति उनके सेवाभाव को देखते हुए आखिरकार उनके माता-पिता द्वारा वर्ष 1851 में उन्हें नर्सिंग की आगे की पढ़ाई के लिए अनुमति दे दी गई, जिसके बाद उन्होंने जर्मनी में महिलाओं के लिए एक क्रिश्चियन स्कूल में नर्सिंग की पढ़ाई शुरू की, जहां उन्होंने मरीजों की देखभाल के तरीकों और अस्पतालों को साफ रखने के महत्व के बारे में जाना।

फ्लोरेंस का नर्सिंग के क्षेत्र में पहली बार अहम योगदान 1854 में क्रीमिया युद्ध के दौरान देखा गया। उस समय ब्रिटेन, फ्रांस और तुर्की की रूस से लड़ाई चल रही थी और सैनिकों को रूस के क्रीमिया में लड़ने के लिए भेजा गया था। युद्ध के दौरान सैनिकों के जख्मी होने, ठंड, भूख तथा बीमारी से मरने की खबरें आई। युद्ध के समय वहां उनकी देखभाल के लिए कोई उपलब्ध नहीं है। ऐसे में ब्रिटिश सरकार द्वारा फ्लोरेंस के नेतृत्व में अक्तूबर 1854 में 38 नर्सों का एक दल घायल सैनिकों की सेवा के लिए तुर्की भेजा गया। फ्लोरेंस ने वहां पहुंचकर देखा कि किस प्रकार वहां अस्पताल घायल सैनिकों से खचाखच भरे हुए थे, जहां गंदगी, दुर्गंध, दवाओं तथा उपकरणों की कमी, दूषित पेयजल इत्यादि के कारण असुविधाओं के बीच संक्रमण से सैनिकों की बड़ी संख्या में मौतें हो रही थी। फ्लोरेंस ने अस्पताल की हालत सुधारने के अलावा घायल और बीमार सैनिकों की देखभाल में दिन-रात एक कर दिया, जिससे सैनिकों की स्थिति में काफी सुधार हुआ। उनकी अथक मेहनत के परिणामस्वरूप ही अस्पताल में सैनिकों की मृत्यु दर में बहुत ज्यादा कमी आई। उस समय किए गए उनके सेवा कार्यो के लिए ही सभी सैनिक उन्हें आदर और प्यार से ह्यलेडी विद द लैंपह्ल कहने लगे थे। दरअसल जब चिकित्सक अपनी ड्यूटी पूरी करके चले जाते, तब भी वह रात के गहन अंधेरे में हाथ में लालटेन लेकर घायलों की सेवा के लिए उपस्थित रहती थी

1856 में युद्ध की समाप्ति के बाद जब वह वापस लौटी, तब स्वयं महारानी विक्टोरिया ने पत्र लिखकर उनका धन्यवाद किया। उसके कुछ ही माह बाद रानी विक्टोरिया से उनकी मुलाकात हुई और उनके सुझावों के आधार पर ही वहां सैन्य चिकित्सा प्रणाली में बड़े पैमाने पर सुधार संभव हुआ और वर्ष 1858 में रॉयल कमीशन की स्थापना हुई। उसके बाद ही अस्पतालों की सफाई व्यवस्था पर ध्यान देना, सैनिकों को बेहतर खाना, कपड़े और देखभाल की सुविधा मुहैया कराना तथा सेना द्वारा डॉक्टरों को प्रशिक्षण देने जैसे कार्यों की शुरूआत हुई। सेवाभाव से किए गए फ्लोरेंस नाइटिंगेल के कार्यों ने नर्सिंग व्यवसाय का चेहरा ही बदल दिया था, जिसके लिए उन्हें रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति द्वारा सम्मानित किया गया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों

के प्रति फ्लोरेंस की सेवा भावना को देखते हुए ही नर्सिंग को उसके बाद महिलाओं के लिए सम्मानजनक पेशा माना जाने लगा और उनकी प्रेरणा से ही नर्सिंग क्षेत्र में महिलाओं को आने की प्रेरणा मिली। फ्लोरेंस के अथक प्रयासों के कारण ही रोगियों की देखभाल तथा अस्पताल में स्वच्छता के मानकों में अपेक्षित सुधार हुआ। 90 वर्ष की आयु में 13 अगस्त 1910 को फ्लोरेंस नाइटिंगेल का निधन हो गया, जिनकी कब्र सेंट मागरिट गिरजाघर के प्रांगण में है। उनके सम्मान में ही उनके जन्मदिवस 12 मई को ह्यअंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवसह्ल के रूप में मनाए जाने की शुरूआत की गई।

सीएनजीः अब वो बात नहीं रही

अखिलेश आर्येन्दु

राजधानी दिल्ली की हवा में इन दिनों अजब किस्म का जहर घुल रहा है। अजब इसलिए कि जिस ईंधन से वाहनों को चलाना सुरक्षित घोषित किया गया था, अब वही ईंधन दम घोंट रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड(सीपीसीबी) के ताजे एयर बुलेटिन के अनुसार दिल्ली का एक्यूआई 224है और इस बार हवा का मिजाज बिगड़ने का अकारण नाइट्रोजन डाई आक्साईड (एनओ 2) का आधिक्य है। एनओ-2 की हवा में मौजूदगी कार्बन डाईआक्साइड से भी अधिक घातक होती है। सीपीसीबी का आकलन है कि एनओ 2 की मात्रा बढ़ने का कारण सीएनजी वाहनों से निकलने वाली रासायनिक गैस हैं।

दिल्ली में वायु प्रदूषण को नियंत्रित रखने के तंत्र ने महज पीएम 2.5 और 10 को नियंत्रित करने की कोशिशें की और इसके लिए सीएनजी वाहनों की संख्या इतनी हो गई कि अब काला धुएं की जगह अदृश्य धुआं इंसानों के जीवन का दुश्मन बना है। जुलाई-21 में जारी की गई रिपोर्ट 'बिहाइंड द स्मोक स्क्रीनः सैटेलाइट डाटा रिवील एयर पॉल्यूशन इन्क्रीज इन इंडियाज एट मोस्ट पॉपुलस स्टेट कैपिटल्स' में चेतावनी दे गई थी कि साल दर साल दिल्ली सहित देश के कई बड़े शहरों में नाइट्रोजन ऑक्साइड की मात्रा में इजाफा हो रहा है। सेटेलाइट डाटा विश्लेषण

के आधार पर ग्रीनपीस इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल 2020 की तुलना में अप्रैल 2021 में दिल्ली में नाइट्रोजन ऑक्साइड की मात्रा 125 फीसद तक ज्यादा रही। ग्रामीण क्षेत्रों में तो नाइट्रोजन ऑक्साइड के बढ़ने के कारण खेती में अंधाधुंध रासायनिक खाद का इस्तेमाल, मवेशी पालन आदि होता है, लेकिन बड़े शहरों में इसका मूल कारण निरापद या ग्रीन फ्यूल कहे जाने वाले सीएनजी वाहनों का उत्सर्जन है। जान लें नाइट्रोजन की ऑक्सीजन के साथ मिल कर बनीं गैसें-जिन्हें 'आक्साईड आफ नाइट्रोजन' कहते हैं, मानव जीवन और पर्यावरण के लिए उतनी ही नुकसानदेह हैं जितना कार्बन आक्साईड या मोनो आक्साइड। यूरोप में हुए शोध बताते हैं कि सीएनजी वाहनों से निकलने वाले नेनो मीटर (एनएम) आकार के बेहद बारीक कण कैंसर, अल्जाइमर, फेफड़ों के रोग का खुला न्योता हैं। पूरे यूरोप में इस समय सुरक्षित ईंधन के रूप में वाहनों में सीएनजी के इस्तेमाल पर शोध चल रहे हैं। विदित हो यूरो-6 स्तर के सीएनजी वाहनों के लिए भी कण उत्सर्जन की कोई अधिकतम सीमा तय नहीं है और इसी लिए इससे उपज रहे वायु प्रदुषण और उसके इंसान के जीवन पर कुप्रभाव और वैश्विक पर्यावरण को हो रहे नुक्सान को नजरअंदाज किया जा रहा है। जान लें पर्यावरण मित्र कहे जाने वाले इस ईंधन से बेहद सूक्षम लेकिन घातक 2. 5 एनएम (नेनो मीटर) का उत्सर्जन पेट्रोल-डीजल वाहनों की तुलना में 100 से 500 गुना अधिक है। खासकर शहरी यातायात में जहां वाहन बहुत धीरे चलते हैं, भारत जैसे चरम गर्मी वाले परिवेश में सीएनजी वाहन उतनी ही मौत बांट रहे हैं जितनी डीजल कार-बसें नुकसान कर रही थी बस कार्बन के बड़े पार्टिकल कम हो गए हैं। यह सच है कि सीएनजी वाहनों से अन्य ईंधन की तुलना में पार्टिकुलेट मेटर 80 फीसद और हाइड्रो कार्बन 35 प्रतिशत कम उत्सर्जित होता है, लेकिन इससे कार्बन मोनो आक्साइड उत्सर्जन पांच गुना अधिक है। शहरों में स्मोग और वातावरण में ओजोन परत के लिए यह गैस अधिक घातक है। परिवेश में 'आक्साईड आफ नाइट्रोजन 'गैस अधिक होने का सीधा असर इंसान के स्वशन तंत्र पर पड़ता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के 2011 के एक अध्ययन में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि सीएनजी पर्यावरणीय कमियों के बिना नहीं है, यह कहते हुए कि सीएनजी जलाने से संभावित खतरनाक कार्बोनिल उत्सर्जन की उच्चतम दर पैदा होती है।

अध्ययन से पता चला था कि रेट्रोफिटेड सीएनजी कार इंजन 30 प्रतिशत अधिक मीथेन उत्सर्जित करते हैं। ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में कॉनर रेनॉल्ड्स और उनके सहयोगी मिलिंद कांडलीकर ने वाहनों में सीएनजी इस्तेमाल के कारण ग्रीनहाउस गैसों कार्बन डाईआक्साइड और मीथेन के प्रभावों पर शोध किया तो पाया कि इस तरह के उत्सर्जन में 30 प्रतिशत की वृद्धि है। यह जान लें कि सीएनजी भी पेट्रोल-डीजल की तरह जीवाश्म इंधन ही है। यह भी स्वीकार करना होगा कि ग्रीनहाउस गैसों की तुलना में एरोसोल (पीएम) अल्पकालिक होते हैं, उनका प्रभाव अधिक क्षेत्रीय होता है और उनके शीतलन और ताप प्रभाव की सीमा अभी भी काफी अनिश्चित है। सीएनजी से निकली नाइट्रोजन आक्साईड अब मानव जीवन के लिए खतरा बन कर उभर रही है। दुर्भाग्य है कि हम आधुनिकता के जंजाल में उन खतरों को पहले नजरअंदाज करते हैं जो आगे चल कर भयानक हो जाते हैं। जान लें प्रकृति के विपरीत ऊर्जा, हवा, पानी किसी का भी कोई विकल्प नहीं हैं। नैसर्गिकता से अधिक पाने का कोई भी उपाय इंसान को दुख ही देगा ।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Taking potshots at 'infiltrators'

ADDRESSING an election rally in Banswara (Rajasthan) recently, Prime Minister Narendra Modi forgot that he had to adhere to the model code of conduct laid down by the Election Commission of India (ECI). Without naming them, he implied that Muslims were 'infiltrators' who had at some time or the other sneaked into India. He also hinted that they had many children.What set him off? My guess is that he has come to realise that his own popularity, which was more than double that enjoyed by Rahul Gandhi in quantitative terms, has slid and that of Rahul has risen. There is still a gap in Modi's favour, but it is nowhere as comfortable as it was earlier. This knowledge is making him fretful and nervous.

Instead of maintaining dignified control over his biases, he blurted out in a moment of distress and anger that the Congress was scheming to take away the gold ornaments squirrelled away by the wives of the affluent and distribute them among the 'infiltrators' and those who birthed many children! The gaffe having been realised, the official version of his speech, put out by his propaganda team the next day, omitted references to infiltrators and large families.The ECI of yore, which had built a formidable reputation for conducting elections with justice and fairness, would have intervened swiftly if such extreme transgressions of the model code were brought to its notice. It is a shame that today's ECI has not thought it fit to act more swiftly and decisively in the PM's case. This sign of weakness will be exploited by those who are convinced that all institutions of governance are under an unwritten obligation to uphold the sole authority of the head of the ruling dispensation by bypassing the Constitution, which has guaranteed the independence of the ECI and expects it to function without fear or favour.Let us analyse the charge hurled at the Muslim community of being infiltrators. In a huge and populous country like ours, there will not be many who have crossed borders. On the militarised western border, the number is small. They sneak in to create mayhem in Muslim-majority Jammu and Kashmir. India has been attending to the problem. These particularly 'unwanted guests' are not interested in gold ornaments. They have come to keep our security forces on their toes 24x7.

Infiltration was a live problem on our eastern borders. It was more of an economic problem of the kind faced by the US, Canada and the UK, which our boys from Punjab or even Gujarat try to enter illegally in search of greener pastures.

Bangladeshis crossing over into West Bengal or Assam was a major problem that has eased in the last decade or two as the Bangladeshi economy improved, riding on the back of textile manufacture and exports. Bangladeshis, both Hindu and Muslim, had crossed over into Assam even before the liberation of Bangladesh from Pakistani domination. That influx caused a massive economic and social problem in Assam, leading to the implementation of the National Register of Citizens in that state. That matter has not been resolved as yet because more Hindus than Muslims were declared infiltrators in the count that followed. The expulsion of Hindu infiltrators went against the Hindutva ideology and led to the formulation of the Citizenship Amendment Act.If the PM was referring to all Muslims, his frustration had no legal or moral ground to stand on. The Mughals and the Afghans who invaded India left behind descendants of mixed lineage, but so did Alexander, whose Macedonian army reached the shores of the Indus after conquering the Persians.There is hardly any country in the world which can say that it is free of 'infiltrators'. All civilisations have experienced the movement of aliens. In India, the Aryans followed the Dravidians and the indigenous tribes we call Adivasis. The Mongoloid races that populate the North-East add another dimension to the scenario. And talking of Aryans, Adolf Hitler got rid of Jews and Gypsies because he wanted to ensure the purity of the Aryan race! One of the titles assumed by the Shah of Iran before the Ayatollahs took charge of the country was Aryameher (I have no intention of belittling the Aryans because my own ancestors were of that lineage, having arrived in Goa millennia ago with the sage Parshuram).

Overarching Indianness transcends differences among groups

India is one of the few nations in the world that has resolved the problem of separatism in so many states.

AS electioneering in India becomes more strident and voters are wooed by a focus on the faultlines in society, it would do us good to recall the nature of our nationhood. Countries come into existence because we focus on what is common among us rather than what is different. The 'moral spirit of combination' holds a nation together, wrote Rabindranath Tagore in 1917, when he was worried about the war that was going on in Europe and soldiers being pulled from all over the world into the battleground. In an essay on India's nationhood, he said it was quite evident that this was a war of nations rather than that of tribes or religions. After all, Tagore wondered, being a nation was a much more evolved state for a society, since it enabled a much larger number of people to come together and harmonise their actions for the common good. Then, he penned down his thoughts on how different nations had been formed and the positive and negative consequences of it. The most visible negative consequence was that since 1914, European nations had been at war with one another, and millions of young men from India and Africa had been sent to Europe to fight. On the positive side, nations had ensured that people from diverse backgrounds — different from each other in language, religion and ethnicity — had come together and created a society and polity that benefited everyone.

Tagore noted that nations were the highest form of social evolution. Thereby lies a very important insight for us to understand our own existence in the present times.Overcoming the natural differences of ethnicity, language and religion, nations came into being when their people wished to live together. Diversity, faultlines due to ethnicity, religion and language — all these come with birth. The desire to live together does not; it is crafted by human beings. What makes India unique in the comity of nations is the perpetual desire of people to live together, which is manifested in the fact that not only do we survive, we also make constant efforts to stay together.

This has been so throughout history. There are ancient texts in which we referred to ourselves as the people of Jambudwipa, the land of the jamun tree. In the Kusa Jataka from the fourth century BC, Sakra, the king of the gods, gave the ugly Prince Kusha a necklace of pearls and told him to wear it, saying, "Tie this on you, then there will not be your equal for beauty in all Jambudvipa." In later times, with an increasing contact with the outside world, those across the Sindhu river were referred to as Al-hind. Later, various East India companies came into being, not 'South Asia companies'. India has been a singular civilisation in history.This continues to be the case even today. Statements made by leaders of various groups that have taken up arms against the Indian state in modern times are interesting.

Eno Rh Raising, the self-styled 'home minister of the Government of the People's Republic of Nagalim', said in 2015 that the Nagas were a separate people with a history different from that of Indians. The occasion was the signing of a peace accord with the Indian Union. On August 3, 2015, the National Socialist Council of Nagaland (NSCN)-IM, the largest of the seven Naga insurgent groups, announced a historic peace agreement with the Centre, agreeing to create mechanisms for greater autonomy for Naga tribes living in Manipur and decommissioning of arms held by the NSCN (IM). Neither the Nagas nor the media reporting these twin statements saw anything contradictory in the spectacle of the leader of a people with a history different from that of India signing a peace accord with the very entity they were fighting against, while at the same time asserting their separate identity.Over the decades, Gorkhas, Sikhs, Nagas, Manipuris and Kashmiris — to name only the most well-known — have declared their disaffection with the Indian state to be such as to merit breaking away. No one ever followed up on this intention. India is one of the few nations in the world that has successfully resolved the problem of separatism in so many states.Speaking at a public forum last year, Bipul Kalita, an ex-member of the ULFA (United Liberation Front of Asom), said they laid down arms when they realised that 98 per cent of the people of Assam did not support militancy.

The more simple-minded among intellectuals writing on India take these assertions of separateness literally to be a sign that the Indian Union barely exists, that it was brought into existence by the British; the presumption being that there was no entity called India before that.

For Westerners to see us like that makes sense to them. Perhaps they see nations as monolithic entities. For Indians to imbibe and regurgitate this merely shows a people unaware of their own strengths and their long civilisational memories. Abrahamic benchmarks of nation and religion are of little use to us. Unlike Europe — which was troubled by religious wars from the times of the Crusades right up to the 19th century, marked by mass killings every few years — Indians did not carry out large-scale slayings.Exceptions prove the rule. The one fault line that resulted in the partition of the country expressed the one conflict that Indians were unable to resolve amicably. About this, the Congress Report on Communalism, published in 1931, mentioned that the so-called Muslim problem in India was entirely the creation of the British administration trying to divide India and Indians in ways that were not natural to the country. Subsequent events only substantiated the findings of the report. Even after Pakistan had been created as a country for Muslims, millions of them continued to live in India of their own volition. As a recent study by economist Shamika Ravi says, Muslims flourished in India. Their numbers went up from about 8 per cent in 1950 to around 14 per cent in the present times, even as the number of Hindus in Pakistan went down from 25 per cent to about 2 per cent in the same period.

Indians call themselves — and quite assertively — Bengali, Tamil, Punjabi, Christian, Hindu, Muslim, Sikh, Jain, Parsi, Buddhist, etc. But from this, it does not follow that there is no such thing as India. Those are ascriptive identities that do not rule out the overarching identity of being Indian.

India's dietary crisis

Disease burden linked to unhealthy habits

INDIA is facing a health crisis, with 56.4 per cent of the total disease burden attributed to unhealthy dietary practices, according to the latest report of the Indian Council of Medical Research-National Institute of Nutrition (ICMR-NIN). Unhealthy eating habits, including the consumption of processed foods high in salt, sugar and fats, have become alarmingly prevalent, with the proliferation of fast food chains and the easy availability of packaged snacks enabling a culture of convenience at the expense of health. A sedentary lifestyle, along with excessive mobile phone use, has exacerbated the problem, leading to a rise in obesity, diabetes and other non-communicable diseases (NCDs).

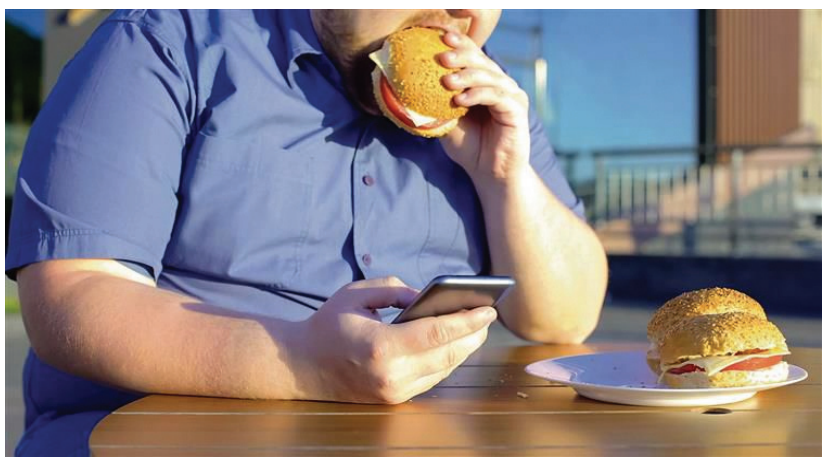

The consequences of these dietary trends are staggering. Obesity rates are soaring, with about 25 per cent of the Indians now classified as overweight or obese; children and adolescents are also increasingly falling victim to unhealthy eating habits. The ICMR-NIN guidelines call for a return to traditional, nutrient-rich foods and emphasise the importance of regular physical activity. Consuming fruits, vegetables, legumes and whole grains while shunning the intake of processed foods is essential to reshaping dietary behaviour.

However, concerted efforts are a must to facilitate access to nutritious foods. Policies that promote food security, regulate food advertising and incentivise the production and consumption of healthy foods are needed. Nutrition literacy programmes should be integrated into school curricula so that children focus on their health from an early age. A collective effort from policymakers, healthcare professionals, educators and communities can help combat the problem. By prioritising the promotion of healthy eating habits and addressing the socioeconomic factors driving poor dietary choices, we can stem the tide of NCDs and build a healthier future for all Indians. The time to act is now.

Inadequate budgetary support plagues farming

Without appropriate redistribution of resources, Sabka Saath, Sabka Vikas will remain an empty slogan.

AN elderly woman living alone in a village didn't have any viable livelihood option. She finally decided to buy a goat for a living. Since nationalised banks do not provide small loans, she approached a micro-finance institute (MFI) for a loan in the range of Rs 8,000 to Rs 10,000. She got a loan at an interest rate of 20-24 per cent, to be paid back at monthly intervals.

On the other hand, when Tata Motors decided to shift the manufacturing of its Nano cars from West Bengal to Gujarat, the then BJP government in Gujarat extended a soft loan ofRs 584.82 crore at an interest rate of 0.1 per cent. As per the lending provisions, this loan was to be repaid back in monthly instalments 20 years after the first Nano car was rolled out.

If only the elderly woman had got the small loan at an interest rate as low as 1 per cent (forget 0.1 per cent that Tata Motors got), I am sure she would have been driving a Nano car by the year-end. I have narrated the story to explain how inequality is woven into the economic system. Whether we like it or not, wealth has traditionally been very conveniently sucked from the bottom to the top. And we have no qualms about it.Although many academics laud the MFIs for extending small loans that help in capacity-building of the people living at the margins, they go conspicuously quiet when big businesses are extended huge loans at almost negligible interest rates. This makes me wonder why abnormally high rates of interest for a meagre loan only help in capacity-building of the poor. Why is it that the rich, who have the capacity to pay back, end up receiving massive loans virtually as a grant? Add to it the numerous tax breaks, bank write-offs at the drop of a hat, generous economic stimulus packages, government contracts and the other incentives for growth; in reality we have socialism for the corporate.It is only the average citizen and the poor who are left to face the vagaries of the markets. This is because the rich design the markets, and the markets work for them. A recent media advisory by Oxfam illustrates this anomaly. The world's biggest chocolate manufacturers — Ferrero and Mars families — have more wealth than even the combined GDP of Ghana and Ivory Coast, which supply 60 per cent of the cocoa beans. And instead of paying an economic and profitable price to farmers, the world's top four chocolate giants (including the two mentioned above) have in 2023 paid out 97 per cent of their net profits to shareholders. Ghana and Ivory Coast receive only 6 per cent of the total revenue of $160 billion that the industry makes.

Ask for a Minimum Support Price (MSP) for these growers, and an uproar will happen, warning how it will distort markets.That's how rigged the economic design is. In other words, the financial system actually helps provide wealth on a platter to the so-called wealth creators. In the digital age, we don't even realise that algorithms are designed to ensure that wealth flows sustainably to the top.Former US Secretary for Labour Robert Reich says that the combined wealth of the world's billionaires at $14.2 trillion now exceeds the GDP of every country in the world, except America and China. In America, 400 billionaires collectively hold $5.8 trillion, which exceeds the entire wealth of the 65 million people in the bottom half. And still worse, billionaires have a lower effective tax rate than what the average working American pays. Giving massive tax breaks to the rich hasn't trickled down to the poor, as we were told. While the tax sops hasn't created additional employment nor has it boosted industrial output as was envisaged, it has certainly boosted the pay packets of CEOs and other high-paid workers by several times. In addition, corporations have used the profits generated to buy back stocks. For instance, Apple has announced $110-billion stock buyback, the largest ever.The World Inequality Lab, in a working paper titled 'Income and Inequality in India, 1992-2023: The Rise of Billionaire Raj', had conclusively shown how inequality had worsened over the decades and is presently among the highest in the world. A report by the Centre for Monitoring of Indian Economy shows how personal tax collections now exceed corporate tax as percentage of the GDP. This is at a time when the top 1 per cent holds more than 40 per cent wealth. The bottom 50 per cent collectively owns only 3 per cent. What has to be understood is that it is not as if the poor don't work hard but they are denied the right kind of financial support and investment.Take the case of agriculture. Despite bumper harvests year after year, if Indian farmers have been cultivating losses since 2000 (as per an OECD report), it only shows how inadequate the budgetary support has been for farming. If you don't make the right kind of investment, you can't expect a miracle to happen. Of the Rs 48 lakh crore Budget expenditure spelt out for 2024-25, agriculture gets only Rs 1.25 lakh crore, which is less than 3 per cent. With roughly 50 per cent of the population dependent on agriculture, and without appropriate redistribution of resources, Sabka Saath, Sabka Vikas will remain an empty slogan.Economist Jean Dreze recently summed it up neatly: "If a hundred workers were to work day after day at the minimum wage and save their entire earnings, how long do you think it would take for them to accumulate as much wealth as India's richest business leader already has? Answers rarely cross a thousand years. The correct answer, however, is close to a million years. If you do not believe it, do the math."

March industrial output growth slows to 4.9%

NEW DELHI. Industrial growth decelerated to 4.9% in March from 5.7% in February, as per data from the Ministry of Statistics and Programme Implementation released on Friday.For the whole FY2424, Index of Industrial Production (IIP) grew 5.8%, up from 5.2% in the previous year. In March 2023, IIP had grown by 1.9%.The slowdown in IIP in March as against February was mainly driven by mining sector, which saw a growth of 1.2%, significantly lower than the 8% rise recorded in February. Manufacturing (with 5.2% growth) and electricity (8.6%) sectors did support the IIP.As per the data, the top three contributors to the growth of IIP in March 2024 within the manufacturing sector were basic metals (7.7%), pharma, medicinal chemical, and botanical products (16.7%), and other transport equipment (25.4%). Cumulative growth rates for the sectors of mining, manufacturing, and electricity for the period of FY24 over the corresponding period of the previous year were 7.5%, 5.5%, and 7.1%, respectively.

RBI Appoints R Lakshmi Kanth Rao As New Executive Director

New Delhi. The Reserve Bank of India (RBI) has appointed R Lakshmi Kanth Rao as Executive Director (ED) with immediate effect. Before being promoted to ED, Rao served as Chief General Manager-in-Charge in the Department of Regulation. Rao has experience of over three decades in the Reserve Bank having worked in the areas of Regulation of Banks and NBFCs, Supervision of Banks, and Consumer Protection.

Rao had served as Banking Ombudsman at RBI Chennai and as Regional Director of Uttar Pradesh at Lucknow. He has also served as a member of several Committees and Working Groups and has been contributing to policy formulation.As Executive Director, Rao will look after Deposit lnsurance and Credit Guarantee Corporation, Right to lnformation Act (FAA), Department of Communication. Rao holds a graduate degree in commerce. He has a master's degree in Business Administration (Finance) from Sri Venkateswara University, Tirupati and Diploma in TIRM (IIBF). He is also a Certified Associate of IIBF.

Social commerce platform Meesho raises $275 million

New Delhi. Social commerce platform Meesho has raised $275 million, a regulatory filing by the company with the Securities and Exchange Commission (SEC) in the US has revealed.The fundraising, part of an ongoing round, came from existing investors like SoftBank, Prosus, Elevation Capital and Peak XV Partners.The latest funding valued Meesho at $3.9 billion. Meesho may increase the ongoing round size to $500-600 million, according to reports.The SEC regulatory filing also indicated a share transfer at Meesho's US parent firm.The company did not divulge much information about further details about share transfer.In January this year, global investment firm Fidelity had marked down the value of its holding in social commerce platform Meesho, to $3.5 billion.The e-commerce platform has Meta, Peak XV, Prosus Ventures, B Capital, and SoftBank among its investors.

Its current gross merchandise value (GMV) run rate is over $5 billion, according to reports.

James Simons, mathematician, philanthropist and hedge fund founder, has died

NEW DELHI. James "Jim" Simons, a renowned mathematician and pioneering investor who built a fortune on Wall Street and then became one of the nation's biggest philanthropists, has died at age 86.The charitable foundation that Simons co-founded with his wife, Marilyn, announced that Simons died Friday in New York. No cause of death was given.

"Jim was an exceptional leader who did transformative work in mathematics and developed a world-leading investment company," Simons Foundation President David Spergel said in a post on the foundation's website. "Together with Marilyn Simons, the current Simons Foundation board chair, Jim created an organization that has already had enormous impact in mathematics, basic science and our understanding of autism."Simons' first career was in mathematics, for which he won acclaim. But in 1978, he traded academia for Wall Street. The hedge fund he created, which eventually became known as Renaissance Technologies, pioneered the use of mathematical modeling — also known as quantitative trading — to pick stocks and other investments. The approach was wildly successful, helping Simons and his wife build over the years an estimated net worth of more than $30 billion.James Harris Simons was born in Newton, Massachusetts. He showed an affinity for math and numbers early on and went on to earn an undergraduate degree in mathematics from the Massachusetts Institute of Technology in 1958 and a doctorate in math from the University of California, Berkeley, in 1961.Simons spent some time teaching at MIT and Harvard University before taking a job at the Institute for Defense Analyses in Princeton, New Jersey, as a code breaker for the National Security Agency. And from 1968 to 1978, he was chairman of the mathematics department at the State University of New York at Stony Brook.

Woman was living inside rooftop grocery store sign with computer and coffee maker for a year

New Delhi. Contractors curious about an extension cord on the roof of a Michigan grocery store made a startling discovery: A 34-year-old woman was living inside the business sign, with enough space for a computer, printer and coffee maker, police said."She was homeless," Officer Brennon Warren of the Midland Police Department said Thursday. "It's a story that makes you scratch your head, just somebody living up in a sign."

The woman, whose name was not released, told police she had a job elsewhere but had been living inside the Family Fare sign for roughly a year, Warren said. She was found April 23.Midland, best known as the global home of Dow Inc., is 130 miles (209 kilometers) north of Detroit.

The Family Fare store is in a retail strip with a triangle-shaped sign at the top of the building. The sign structure, probably 5 feet (1.5 meter) wide and 8 feet (2.4 meters) high, has a door and is accessible from the roof, Warren said."There was some flooring that was laid down. A mini desk," he said. "Her clothing. A Keurig coffee maker. A printer and a computer — things you'd have in your home."The woman was able to get electricity through a power cord plugged into an outlet on the roof, Warren said.

There was no sign of a ladder. Warren said it's possible the woman made her way to the roof by climbing up elsewhere behind the store or other retail businesses.

"I honestly don't know how she was getting up there. She didn't indicate, either," he said.A spokesperson for SpartanNash, the parent company of Family Fare, said store employees responded "with the utmost compassion and professionalism."'"Ensuring there is ample safe, affordable housing continues to be a widespread issue nationwide that our community needs to partner in solving," Adrienne Chance said, declining further comment.

Warren said the woman was cooperative and quickly agreed to leave. No charges were pursued.

"We provided her with some information about services in the area," the officer said. "She apologized and continued on her way. Where she went from there, I don't know."The director of a local nonprofit that provides food and shelter assistance said Midland — which has a population 42,000 — needs more housing for low-income residents.

"From someone who works with the homeless, part of me acknowledges she was really resourceful," said Saralyn Temple of Midland's Open Door. "Obviously, we don't want people resorting to illegal activity to find housing. There are much better options."

Akshay Tritiya Adds Joy To Mumbai's Property Market: Knight Frank India

NEW DELHI. The Mumbai property market has observed a significant surge in property registrations, with daily numbers expected to exceed 700, surpassing the average daily rate of May 2024. This rise is largely attributed to the auspicious celebration of Akshay Tritiya, a day traditionally associated with new beginnings and purchases.In contrast to the average daily registration of 381 properties in May 2024, Akshay Tritiya's registration count is projected to soar past 700, marking an 80% increase.Shishir Baijal, chairman & managing director, Knight Frank India, said, "On the day of Akshay Tritiya, buying precious items is deemed auspicious and divinely blessed. Whether it's property purchase or other assets such as jewellery or a new car, there's typically a notable surge in purchases on this day. Over the past two years,

Mumbai's property market has experienced remarkable growth, with strong demand trends, and days like Akshay Tritiya often serve as catalysts for further expansion."

Millennials and GenXs Rewrite Buying Rules of Mumbai's Real Estate

Mumbai city (area under BMC jurisdiction) records property registration of more than 11,500 units in April 2024, adding over INR 1,043 Crores (Cr) to the state exchequer. Compared to the same time previous year revenue from property registrations has risen by 16% year-on-year (YoY).According to the assessment by Knight Frank India, the enduring confidence of homebuyers in the Mumbai market has maintained a positive outlook. This optimism has driven Mumbai's property registrations to consistently exceed the 10,000 mark for the fourth consecutive month in 2024. Of the overall registered properties, residential units constitute 80%.

In April 2024, Mumbai experienced the second-highest number of property registrations for April in over 12 years, alongside its highest April stamp duty collection within that time frame. This surge can be attributed to increasing income levels and a positive attitude towards homeownership.

Brothers on mission to turn Wayanad into tech haven

THIRUVANANTHAPURAM: For Keralites, Wayanad, with its high altitude and scenic spots, is the perfect getaway spot. However, when it comes to working, Wayanad hardly holds appeal due to lack of enough industries or manufacturing units. So many from Wayanad, especially youths, are prompted to look for opportunities elsewhere.

Allwyn Kent and Allen Rintout from Sulthan Bathery were among such youths. Now, through their billion-dollar multinational software firm Vonnue Innovations, the brothers are reshaping the image of their home district into an IT destination. Initially, like most aspirational youths from Kerala, Allwyn and Allen, after completion of professional education, pursued jobs outside Kerala. While Allwyn, who studied in NIT Kozhikode, got selected to Andocs, an Israel-based IT firm, in 2006, his elder brother Allen, who passed out of Sreechitra Thirunal Engineering College in Thiruvananthapuram, got placement in Net APP, a Bengaluru-based company. Allwyn soon became the Andocs' Asia-Pacific head and decided to settle in Singapore. Allen continued in Bengaluru.

"However, in 2018, we decided to return to Kerala and give back to the community," Allwyn told TNIE. The result was Vonnue Innovations Pvt Ltd. They set up the firm in Infopark in Kochi in 2019. Allwyn stayed back in Singapore to canvass for his new firm, while Allen helmed software development. "Our customers included Grab, a Singapore-based MNC, and SES, Luxembourg-based satellite telecommunications and broadcasting company. We started Vonnue with 10 employees," said Allwyn.

However, the Covid pandemic sabotaged their work. "Our customers stopped spending money suddenly. We faced our biggest setback when one of our customers Hooq, a joint venture of Singtel, Sony Pictures and Warner Bros, was declared bankrupt in 2020. We suffered losses too, and had to wind up operations at Infopark,"Allwyn recalled. In 2021, Allwyn and Allen rented a house near theirs at Manichira in Sultan Bathery and set up Vonnue there. Even their mother K C Rosakutty, a former MLA and ex-chairperson of Kerala Women's Commission (2012-17), was initially sceptical of her sons' idea. However, the brothers took her into confidence and started with 30 employees. Slowly and steadily, Vonnue got contracts from MNCs for developing software. Soon, they rented a floor in a building at Sultan Bathery.

17 companies to start making laptops, Pcs

NEW DELHI. Nearly 17 companies selected under the PLI (Production Linked Incentive) for IT Hardware will begin production in this financial year (FY25), said S Krishnan, Secretary of Ministry of Electronics and IT (MeitY). Six-seven companies out of 27 had started production last year.

Krishnan also mentioned that the government has been periodically reviewing the progress of the PLI incentive scheme and is quite satisfied with its progress.The government introduced a revised PLI scheme of Rs 17,000 crore for IT hardware in May 2023. The objective of this initiative was to boost the domestic production of laptops, tablets, all-in-one PCs, servers, and ultra-small form factor devices within the country."Out of the 27 companies, a majority are expected to start production during the current year, which is 2024-25. I think if I recall the numbers correctly, about 17 companies are expected to start this year. About six or seven companies had

started last year, and two companies are starting next year," said Krishnan.

In November 2023, the government had approved the applications of 27 companies, including Dell, HP, Foxconn, and Lenovo for the PLI schemes for IT hardware. The minister for electronics and information, Ashwini Vaishnaw, while announcing the applicants, said this move will make India a major force in the manufacturing of PCs, servers, laptops, and tablets.He added that these 27 companies will lead to investment of Rs 3,000 crore, direct employment of 50,000, and indirect employment of 1,50,000.Companies approved under the PLI scheme include Dell, Foxconn, HP, Lenovo, Flextronics, VVDL, Rising Stars Hi-Tech, India Sales, Padget Electronics, SOJO, VVDN, and others.

However, the government has not yet released any incentives under the scheme to any companies as the scheme took off in the last quarter of this financial year. Therefore, the companies need to complete audits and other requirements. "So, not yet (releasing incentives). We are awaiting... Because, you know, the PLI scheme started in the last quarter of last year. The companies have to get their audits and things completed," said Krishnan.Nearly 44 major technology companies, including all significant players, applied for the scheme. According to Counterpoint Research firm, India's total laptop or PC market size amounts to close to $8 billion annually, with approximately 65% of units being imported.

Chartist Talks: Avoid Paytm For Next Two Weeks, Upward Move Likely To Sustain In Escorts, Says Sudeep Shah of SBI Securities

NEW DELHI. Technical factors clearly indicate that the Nifty 50 index is not yet out of the woods, Sudeep Shah of SBI Securities said.

However, the deputy vice-president and head of the technical and derivative research desk at SBI Securities believes the zone of 21,700-21,800 will be crucial support for Nifty. "Any sustainable move below the level of 21,700 will lead to further selling pressure in index upto 21,470, followed by 21,300 in short-term," he said.Seasoned for more than 15 years in technical and derivatives research, Shah advised avoiding Paytm stock for the next couple of weeks but expects Escorts Kubota to sustain its upward trajectory.Do you think the Nifty has done with its correction now or the bears will remain in a strong position for some more time?

While the sentiment had turned bearish post Nifty forming a Bearish Engulfing candlestick pattern on the daily scale in the previous week, sustained follow-up selling pressure from higher levels has led the index to correct by nearly 2 percent for the week and ended below the 22,100 mark. Also, sustaining below 22,140 has led Nifty to witness a rising channel breakdown on the daily scale.In addition, the Index has slipped below its 20 and 50-day EMA (exponential moving average) levels which have started to edge lower. Further, the rising slope of 100 and 200-day EMA has slowed down significantly, which is a bearish sign.

While the momentum indicators are displaying bearishness, even the market breadth is not encouraging. Most noteworthy, among the constituents of the Nifty index, 60 percent of stocks are trading below their 20-day EMA level. Last week, 42 percent of stocks were trading below their 20-day EMA level. This clearly indicates marked breadth has weakened significantly as compared to prior week.These technical factors clearly indicate that the index is not yet out of the woods. However, we believe, the zone of 21,700-21,800 (March & April 2024 Swing lows) will be the crucial support for Nifty. Any sustainable move below the level of 21,700 will lead to further selling pressure in index upto 21,470, followed by 21,300 in short-term. While, on the upside, the 50-day EMA zone of 22,200-22,250 is likely to act as immediate hurdle for the index. Above 22,250, Nifty could witness short-covering upto 22,480-22,530 levels.As the stock is trading at an all-time high, all the moving averages and momentum-

based indicators are suggesting strong bullish momentum in the stock. It is strongly outperforming the frontline indices since the last couple of trading sessions. The daily RSI tested the overbought zone of 80 in the first week of May and thereafter it has witnessed minor cool-off.However, according to the RSI range shift theory, it remains in a super bullish zone. Thus, we anticipate the stock will likely sustain its upward trajectory as long as it remains above the Rs 3,400-3,380 level. In the short term, it's poised to test the Rs 3,650 level on the upside.

Has the Paytm bottomed out?

We see this as more of a "dead cat bounce" scenario. The stock's major trend remains bearish, as it is currently trading 68 percent below its crucial 200-day exponential moving average (EMA) level. Momentum indicators and oscillators further reinforce this strong bearish momentum.Given these factors, we advise avoiding this stock for the next couple of weeks.

Do you see the Bank Nifty breaking down the lower end of the rising channel?

Bank Nifty has resisted near the upper trendline of the rising channel in the last week of April and thereafter it has witnessed sharp sell-off of over 5 percent. Currently, the index is trading below its 20 and 50-day EMA levels. These averages are in falling mode.

Most noteworthy, the daily RSI (relative strength index) has given upward sloping trendline breakdown on the daily scale. This indicates bearish momentum in the index.However, post a 5 percent correction in the previous 6-7 sessions, we believe, the zone of 46,950-47,100 will act as crucial support for the index as it is the confluence of the 100-day EMA level and lower trendline (demand line) of the rising channel. Any sustainable move below the level of 46,950 will lead to an extension of correction up to the level of 46,400 in the short term.

New Chinese envoy says ready to work with India: 'Turn the page on issues'

New Delhi: China is ready to work with India to "accommodate" each other's concerns and find a mutually acceptable solution to "specific issues" through dialogue at an early date, Beijing's new envoy to New Delhi Xu Feihong has said, remarks that came against the backdrop of the prolonged military standoff in eastern Ladakh.An Assistant Minister ranked official, Xu, 60, appointed by Chinese President Xi Jinping for the sensitive job, said he regards his posting in New Delhi as an "honourable mission and a sacred duty" to improve and advance bilateral ties.

"It is an honourable mission and a sacred duty. I will do my best to deepen understanding and friendship between the two peoples, expand exchanges and cooperation in various fields, and improve and advance the bilateral relationship," Xu told PTI and China's state-run CGTN-TV in a media interaction here before leaving for New Delhi to take up his posting."China is ready to work with India to accommodate each other's concerns, find a mutually acceptable solution to specific issues through dialogue at an early date, and turn the page as soon as possible," Xu said without elaborating further.Xu previously served as China's Ambassador to Afghanistan and Romania, besides senior cadre-level postings in the ruling Communist Party of China (CPC).He succeeds veteran Chinese diplomat Sun Weidong, who completed his tenure in October 2022. He is currently China's Vice Foreign Minister.u's appointment comes after an unusually long delay of 18 months amid strained relations between the two countries over the Ladakh military standoff.Relations between the two countries hit a low except for trade ever since the eastern Ladakh border standoff erupted on May 5, 2020, following a violent clash in the Pangong Tso (lake) area. The two sides have so far held 21 rounds of Corps Commander-level talks to resolve the standoff.India is pressing the People's Liberation Army (PLA) to disengage from the Depsang and Demchok areas, maintaining that there cannot be restoration of normalcy in its relations with China as long as the state of the borders remains abnormal.

According to the Chinese military, the two sides so far agreed to disengage from four points, namely the Galwan Valley, the Pangong Lake, Hot Springs, and Jianan Daban (Gogra).As he set to take over his posting in New Delhi, Xu was candid and hopeful about resolving the present deadlock in bilateral ties.I noted Prime Minister Modi's comments on the importance of China-India ties, and the Chinese Foreign Ministry spokesperson responded to that right afterwards," Xu said.

In his recent interview with Newsweek magazine, Prime Minister Narendra Modi said India's relationship with China is important and significant.The Chinese side always believes that China-India ties should not be defined by any single issue or area; the boundary question is not the entirety of the relationship. Speaking at the Indian Council of World Affairs in September 2014,

President Xi Jinping said that we must not focus our attention only on differences and forget about our friendship and cooperation, still less should we allow the differences to stand in the way of our development and interfere with the overall growth of bilateral relations," Xu said.On how he viewed his appointment after a considerable hiatus, Xu said, "It is my great honour to be appointed by His Excellency President Xi Jinping as the 17th Ambassador Extraordinary and Plenipotentiary of the People's Republic of China to the Republic of India"."I look forward to, and I trust that I will have, the support and assistance from the Indian government and friends from all sectors as I work to perform my ambassadorial duties," he said.Xu also said cooperation and coordination between India and China on global and regional affairs would not only bring opportunities to both but also have an "important positive impact" on a reasonable international order.

The world today is experiencing profound changes unseen in a century. "We face multiple global challenges such as climate change, food and energy crises, weak economic recovery and so on," Xu said."Closer communication and coordination on global and regional affairs will not only bring opportunities to both countries and the world but also add stability and positivity to international relations. It will have an important positive impact on the development of a fair and reasonable international order," he said.

Defence Chief's meet to review, expedite joint military operations plan

New Delhi: Chief of Defence Staff (CDS) Gen Anil Chauhan on Friday stressed the need for expediting the jointness process to create a multi-domain response capable Indian armed forces.The two-day 'Parivartan Chintan II' was held in Delhi on May 9-10, under the chairmanship of the CDS, Gen Anil Chauhan. The event was attended by the officers from the three services headquarters, Department of Military Affairs, Headquarters Integrated Defence Staff and members of various sub-committees of the Chiefs of Staff Committee (COSC), mandated to oversee the initiatives undertaken and to generate novel ideas to give impetus to the ongoing process of 'Theaterisation.'Theaterisation is a concept which seeks to integrate the capabilities of the three services - Army, Air Force and Navy – in order to optimally utilise their resources for wars and operations.

Various COSC sub-committees gave an update on the progress of initiatives considered imperative for jointness and integration. There was active deliberation on the vital reforms critical towards the fruition of the goals envisioned to achieve the desired "Joint & Integrated" end state towards transformation.CDS emphasized the need for expediting the progress of the initiatives as these were to pave the way to 'Theaterisation' and hence creation of a multi-domain response capable Indian armed forces.The CDS expressed confidence that such brainstorming would help the armed forces evolve into a theaterized force capable of multi-domain operations and strengthen the resolve and capability to safeguard our territorial integrity and national sovereignty.

India's Strides In Arctic, Antarctica, Himalayas To Soon Be Taught In Schools

New Delhi: India's strides in research on the Arctic, Antarctica and the Himalayas may soon figure in school textbooks, with the Union Ministry of Earth Sciences reaching out to the NCERT to include the latest developments in its curriculum.

Ministry of Earth Sciences Secretary M Ravichandran said the National Council for Educational Research and Training (NCERT) has constituted a committee to bring out the importance of research in these areas in school textbooks.

"We wrote a letter to them... they (NCERT) have recently constituted a committee for bringing out importance of the Antarctica expedition, Arctic and also the Himalayas and some other aspects, including climate change. They are working on it," Ravichandran said during an interaction with PTI editors.The Antarctica expedition finds mention in NCERT textbooks but the content hasn't been updated for a long time. There is very limited mention of the ongoing research in the Arctic and the Himalayan regions, too.In a rationalisation exercise post COVID-19, the NCERT dropped topics such as climate change, monsoon and greenhouse effect from textbooks, triggering a controversy.The council later clarified that the subjects had been dropped to reduce curriculum load in view of the pandemic and added that the topics would be restored with the release of books based on the new curriculum framework.These books are currently being worked on and will be available for all classes by 2026.The Union Ministry of Earth Sciences is hosting the 46th meeting of the ATCM, the highest governing body for Antarctica, and the 26th CEP meeting.

The crucial meets will be held in Kochi from May 20-30 where countries engaged in research in the southern polar region will share the outcome of their scientific pursuits and future plans.India has two active research stations -- Maitri and Bharti -- in Antarctica. The first research station, Dakshin Gangotri, set up in 1983, had to be abandoned after it sank in the snow.

Thamban Meloth, director of the National Centre for Polar and Ocean Research (NCPOR), said several students involved in the research have been to Antarctica in recent years.

Indian Army to get Drishti-10 drones to boost surveillance on Pak border

New Delhi: The Indian Army is set to induct its first Hermes-900 drone in a major boost to its surveillance capabilities along the Pakistan border.

The drones, also known as the Drishti-10 drones, will be inducted at Hyderabad on May 18 in the presence of senior Army officials. It would be handed over by the Adani Defence to it, senior defence officials said.The Indian Army has placed orders for two of these drones from the firm under emergency provisions that mandate that the systems supplied by vendors should be more than 60 per cent indigenous and should be under the 'Make in India' in Defence. The Indian Army has plans to deploy these drones at the Bathinda base in Punjab, from where it can keep an eye on a large area, including the desert sector as well as the areas north to the Punjab, military officials said.The Indian Army is already operating the Heron Mark 1 and Mark 2 drones and has also placed orders for the Drishti-10 or the

Hermes-900 drones under the last tranche of the emergency procurements approved by the government for the forces.Adani Defence had signed a deal with the Israeli firm Elbit for the transfer of technology for the drones and stated that it has indigenised 70 per cent of the birds and will work to increase them further.The Indian Army has also inducted more satellite communication enabled birds from Israel as it has a few Heron Mark 2 birds.

BJP Leader Who Flagged Prajwal Revanna Sex Abuse Case Taken Into Custody

New Delhi: BJP leader G Devaraje Gowda, who had flagged JD(S) MP Prajwal Revanna's alleged sexual abuse of several women, was late Friday taken into custody in connection with a sexual assault case. He was taken into custody while he was traveling from Bengaluru toward Chitradurga, police said.A case of sexual harassment was registered against Devaraje Gowda on a complaint by a 36-year-old woman, who alleged that he molested her on the pretext of helping her sell her property.

Gowda, who contested the 2023 Karnataka assembly election against Prajwal's father and Holenarasipura MLA HD Revanna, is also accused of leaking videos of Prajwal Revanna's

alleged sexual abuse of several women. He, however, has blamed the Congress for leaking the videos.Gowda had alerted the BJP leadership last year about Prajwal Revanna's alleged sexual abuse and asked the party not to give a Lok Sabha ticket to the JD(S) leader from Hassan. The BJP, which formed an alliance with the JD(S) last year, however, decided to field Prajwal from Hassan.

The sex scandal had come to the fore a day after the Hassan Lok Sabha constituency went to the polls on April 26. Videos began doing the rounds showing multiple women being sexually assaulted. The 33-year-old politician can also allegedly be seen sexually abusing women in some of the videos.

Prajwal Revanna, who is the grandson of former prime minister and JD(S) supremo HD Deve Gowda, left for Germany the day the videos emerged, and was later suspended by the JD(S). A blue corner notice, which asks Interpol member states to help locate a person, has been issued against him.

Key accused in Karnataka BJP activist's murder arrested after 2-year hunt

New Delhi: The National Investigation Agency (NIA) on Friday arrested a key absconder who was affiliated with the banned Popular Front of India (PFI), along with his harbourer, for the gruesome murder of BJP activist Praveen Nettaru in Karnataka in July 2022, according to an official statement.Nettaru, a BJP Yuva Morcha district executive committee member, was hacked to death by two motorcycle-borne assailants in Bellare village of Dakshina Kannada district in Karnataka by allegedly PFI cadres.Mustafa Paichar, who carried a reward of Rs 7 lakh and had non-bailable warrants against him, is the second absconding accused to be arrested in the case, said the statement issued by the NIA.NIA took over the investigation on August 4, 2022 and in January 2023, filed a charge sheet against 21 accused, eight of whom had absconded after the crime.he anti-terror agency had launched a manhunt for the absconders, and on Friday managed to trace Paichar to Anemahal village in Hassan District, Karnataka, it said."Paichar was arrested along with

Mansoor Pasha, who had harboured the former," the NIA said.

IA investigation has revealed that Mustafa Paichar, a resident of Sullia in Dakshina Kannada, was the secretary of PFI Puttur district service team"He was involved in imparting arms training to PFI cadres in the Freedom community hall in the area to prepare them for commission of terrorist attacks," it said.Along with other accused, he was part of a larger conspiracy to target and kill Hindu leaders, the NIA said.He had, in fact, formed a hit service team of PFI cadres for the purpose, it added."It was on his instructions that the hit service team had hacked Praveen Nettaru to death with sharp weapons in a public place," the NIA said.The attack was aimed at striking terror among a section of people in society, NIA investigations have shown, it said."The NIA on Friday nabbed a key absconder, with the help of sister agencies from the state, who was affiliated with the banned Popular Front of India (PFI), along with his harbourer, for the gruesome murder of BJP activist Praveen Nettaru in Karnataka in July 2022," the statement said.Further investigations are in progress to trace the other absconders, it added.

India's Elections And Atom Bombs Share Umbilical Technological Connect

India's elections today are the most secure and most advanced, since the same departments who helped made India's atom bombs make Electronic Voting Machines (EVMs)

New Delhi: India's elections and atom bombs have an umbilical connect. The same facilities that make electronic voting machines (EVMs) also helped made the bombs in Pokhran.India celebrates National Technology Day on May 11. On this day 26 years ago, the sands below the Thar desert shook, but did not leak radiation as India detonated three nuclear bombs in Pokhran on May 11, 1998.Currently, India is in the throes of a general election with nearly a billion people eligible to cast their votes. It is not widely known that it is the same institutions that powered the nuclear explosions in 1974 and 1998, which today help empower the citizens of India, since all the EVMs are made in highly secure facilities of the same institutions that helped India become a nuclear weapons state.India's elections today are the most secure and advanced, since the same departments who helped make India's atom bombs make the EVMs.Nearly 5.5 million EVM's have been deployed for the 2024 general elections, the Election Commission (EC) has said in what is the world's single-largest democratic exercise. Each EVM can record up to 2,000 votes and up to 384 candidates can be accommodated in each EVM.

All the EVM's have been made at two highly secure facilities - the Electronic Corporation of India Limited (ECIL), a Hyderabad-based facility that comes under the Department of Atomic Energy, and Bharat Electronic Limited (BEL) in Bengaluru, an institution under the Defence Ministry. Both these facilities help make some of the most rugged and top secret hardware used by India's military.

The ECIL helps make much of the electronics that goes into making India's atomic power plants. It was deeply involved in fabricating the sophisticated and miniaturised electronics that went into India's fission and fusion bombs. ECIL also makes jam-proof and hacking secure communications devices for India's military, and so making EVMs the standalone calculator-like devices that are unconnected to any other device through Wi-Fi or Bluetooth is almost child's play for the scientists at ECIL.BEL is India's top facility making the most advanced electronics that goes into India's missile systems, such as the intercontinental-range ballistic missile Agni-5, nuclear-powered submarines, Tejas fighter jets, spy satellites, rockets, and aircraft carriers On the side, BEL makes tamper- and hack-proof EVMs.According to the EC, the lifespan of an EVM is 15 years and the control unit costs ? 9,812; the balloting unit costs ? 7,991 and the voter-verifiable paper audit trail (VVPAT) costs ? 16,132. So the whole unit costs about ? 33,935. The ECI spent ? 3,960.10 crore between, 2021 and 2023 to buy the latest model called "M3 EVMs".

NEWS BOX

US flags Israel's 'violation' of international law in Gaza as Rafah push deepens

World The Biden administration said on Friday that the use of US weapons by the Israeli military in Gaza may have violated international humanitarian law during its war against Hamas, in a strong-worded criticism of its ally. Amid this, Israel's war cabinet approved a "limited" expansion of the military offensive in the southern Gaza city of Rafah, local media reported.

However, the administration said it was not able to verify specific instances where US-made weapons might have been used in alleged violation of international law due to the aftermath of the war in Gaza. The war, which touched the seven-month mark, was triggered by Hamas's cross-border attack on Israel on October 7 last year.The assessments were done in a 46-page unclassified US State Department report to Congress required under a new National Security Memorandum that President Joe Biden issued in early February, Reuters reported. The move could risk damaging US-Israel ties, with Washington repeatedly warning of repercussions in case Israel proceeded with a military offensive in Rafah.

ISRAEL-HAMAS WAR: TOP DEVELOPMENTS

In the same report, the Biden administration said it found "credible and reliable" assurances from Israel that it would use US-made weapons while respecting international law. This came as the US held up the delivery of some military aid to Israel amid concerns that the Jewish state could use weapons and bombs in their offensive in Rafah and elsewhere in Gaza.

On Friday, Israeli tanks captured the main road dividing Rafah's eastern and western sections days after the Jewish state captured the Palestinian side of the Rafah border crossing, a key point that millions of Palestinians depend on aid coming through trucks.

The White House said it was trying to keep Israel and Hamas engaged in continuing the Gaza ceasefire talks "if only virtually". Egyptian and Qatari mediators on Thursday failed to achieve a breakthrough in chalking out a truce deal after Israel flagged some elements of the proposal as "unacceptable".Hamas on Friday said it would consult with other Palestinian militant factions on a strategy to draft a deal on a ceasefire and the release of hostages the group has held since the war began. Over 100 people are still believed to be held by Hamas.

Meanwhile, the UN General Assembly on Friday voted 143 to 9 for a resolution asking the Security Council to make Palestine, which has "observer" status, into a full member. While India voted in favour of the resolution, 25 countries abstained. Nine nations, including the US and Israel, voted against it.

Unprecedented solar activity could light up US skies, disrupt power and communications

World. An intense solar storm, one of the strongest in over two decades, made its presence felt on Earth this Friday, according to the National Oceanic and Atmospheric Administration (NOAA). The solar outburst, which arrived earlier than anticipated, is expected to cause disruptions in power and communications throughout the weekend and into the next week.NOAA has issued a severe geomagnetic storm warning and has advised operators of power plants and spacecraft to take necessary precautions. Rob Steenburgh, a scientist at NOAA's Space Weather Prediction Center, emphasized, "For most people here on planet Earth, they won't have to do anything," suggesting that the immediate impact on everyday life might be minimal for the general public.

However, the geomagnetic disturbance is potent enough to produce visible northern lights far south in the U.S., reaching as far down as Alabama and Northern California. Steenburgh noted that while the auroras might not display the dramatic curtains of color typically seen in polar regions, they could still present "splashes of greenish hues."Mike Bettwy, operations chief for the prediction center, encouraged the public to document this rare event, saying, "Snap a picture of the sky and there might be actually a nice little treat there for you." This phenomenon could mirror the historical auroras seen during the 1859 Carrington Event, although experts like NOAA's Shawn Dahl have clarified that this storm, while strong, is not expected to reach those levels.The solar storm has been categorized as level 4 on a 5-point scale, posing risks primarily to high-voltage transmission lines and satellites, which could affect navigation and communication services on Earth. The 2003 geomagnetic storm, which had similar strength, resulted in significant power disruptions in Sweden and damage to power transformers in South Africa.

Police arrest over 40 as they clear anti-war protest camps at UPenn, MIT & Arizona univ

World. Police made more than 40 arrests as pro-Palestinian protest encampments were dismantled Friday at the University of Pennsylvania and the Massachusetts Institute of Technology, hours after police tear-gassed demonstrators and took down a similar camp at the University of Arizona.

The dismantling at Penn came around 5.30am local time, as campus and Philadelphia police moved in to remove protesters from an encampment that had been in place for over two weeks. School officials said protesters were given warnings and the chance to leave without being detained. About 33 people, including students and faculty members, were among those arrested without incident and charged with defiant trespass, the school saidIn Cambridge, Massachusetts, video showed police roaming through the MIT encampment. Police in riot gear arrived around 4 am, encircled the camp and gave protesters about 15 minutes to leave. Ten students who remained were arrested, the university's prez said. A crowd outside the camp began gathering and chanting pro-Palestinian slogans but were dispersed by 6am. MIT earlier this week had started suspending dozens of students.

At the University of Arizona in Tucson, campus police in riot gear fired tear gas late Thursday at protesters before tearing down an encampment that included wood and plastic barriers on campus. The university said the encampment violated school policy but did not say whether any protesters had been arrested. The school also said that police vehicles were spiked, and that rocks and water bottles thrown at officers and university staff.

Over 120 dead, millions affected as fresh rains hit flood-ravaged Brazil

Porto Alegre, Brazil The skies opened once again on Friday in southern Brazil, offering little respite for those whose homes have been swallowed by floodwaters, while the number of people forced to evacuate doubled in 24 hours.Residents of the state of Rio Grande do Sul were bracing for a weekend of heavy rainfall, hitting just as waters that turned city streets into rivers had begun to subside.The deluge, which experts link to climate change exacerbated by the El Nino weather phenomenon, has affected almost two million people, leaving 126 dead and 756 injured.Another 141 people are still missing, according to authorities.

The state capital Porto Alegre, home to 1.4 million inhabitants, tried to resume some normalcy on Friday, with some businesses opening and traffic blocking streets as waters receded.But then, the menacing grey clouds delivered a fresh downpour.The region expects precipitation with "intense winds and hail," according to the National Institute of Meteorology.The MetSul Meteorologia site reported "a new period of intense atmospheric instability," with up to 200 mm (7.9 inches) of rain by Monday.

SCARCITY OF DRINKING WATER

The state's Guaiba River, which runs through Porto Alegre, reached historic levels this week.In the past 24 hours, the number of people forced to flee their homes almost doubled to around 411,000 people, according to civil defence figures.

More than 71,000 are being housed in shelters.With water supplies still cut, bottles of clean drinking water are a scarce commodity in Porto Alegre, while tanker trucks deliver to shelters and hospitals.In the devastated town of Eldorado do Sul, boats pass through the flooded streets, carrying food to those who refuse to leave their homes, fearing looting.Katiane Mello waited for a boat to take her to check on her home, which she

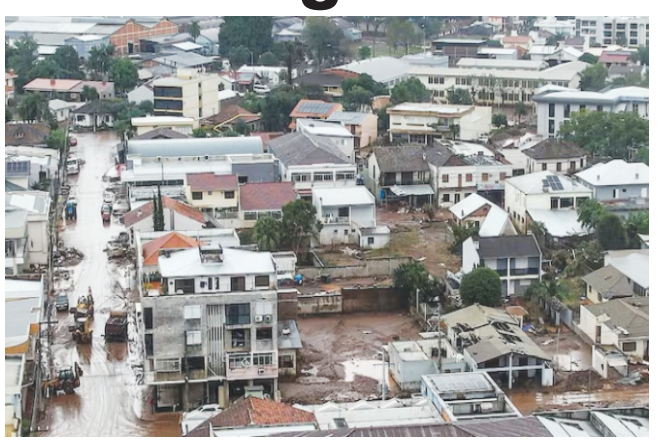

fled a week ago when the Guaiba River overflowed and waters rose to the second floor of the house where she lived with her husband and five-year-old daughter.

"We lost our source of livelihood, our store. And the house..." she said, her eyes filling with tears as she surveyed the damage.

NATURE STRIKES BACK

The muddy floodwaters have destroyed more than 85,000 homes, and struck a blow to the economy of the important agricultural region.

In the rice-growing areas surrounding Porto Alegre, farmer Daniel Dalbosco said he had lost crops under "up to two meters of water."His neighbours "lost between 40 and 50 hectares (100 and 125 acres). It was very, very complicated," he said.The disaster in Rio Grande do Sul is the result of the "double whammy of El Nino plus climate change," said Clare Nullis, spokeswoman for the UN meteorology agency WMO, at a media briefing in Geneva."Even when El Nino fades, which it will do, the long-term effects of climate change are with us. Every fraction of a degree in temperature increase means that our weather will become more extreme."Our weather is on steroids. When we are at war with nature ... nature strikes back, and nature has unfortunately, you know, hit back in Brazil."

Hamas leader Yahya Sinwar not in Rafah, hiding in tunnels: Report

World. The leader of Hamas's political wing in Gaza and one of Israel's most wanted men, Yahya Sinwar, is not in Rafah, two officials said as Israel moved ahead with its ground offensive in Gaza's southernmost city.Two officials, citing intelligence inputs, told The Times of Israel that the Hamas leader was hiding in underground tunnels in the Khan Younis area, around five miles north of Rafah. Another official from Israel said Sinwar was still in Gaza.In March, it was reported that close relatives of Yahya Sinwar crossed over to Egypt through the Rafah crossing. Several other top Hamas leaders have also managed to move their relatives and family out of Gaza into safe zones in Egypt.Israel has called Yahya Sinwar the mastermind behind the October 7, 2023, raid into

southern Israel, in which about 1,200 people were killed, and more than 200 others kidnapped.

In subsequent months, Israel is believed to have killed Hamas military wing deputy commander Marwan Issa along with other senior commanders. However, Sinwar and his deputy, military wing chief Mohammed Deif, have not been traced.The development comes as Israel kicked off a ground offensive in Rafah, launching a targeted operation in the eastern part of the city. Israel has said that Rafah was the last stronghold of the Hamas militant group.On Friday, Israeli tanks captured the main road dividing Rafah's eastern and western sections.

Rafah is located along the 12 km border that divides the Gaza Strip from Egypt and is the primary exit point for people from Gaza. It is Gaza's lifeline as goods and humanitarian aid cross through the border.he death toll in the Israel-Gaza war, which broke out in October 2023, has soared to more than 34,500 people, most of them women and children, according to local health officials, reported AP.

Kate Middleton 'doing well' after cancer diagnosis, says Prince William

World Prince William has said his wife Kate Middleton is "doing well" in a rare public comment about the health of the Princess of Wales, who announced in March that she was undergoing treatment for cancer.Prince William gave the update on his wife's health during his visit to the Isles of Scilly, an archipelago off the Cornish coast in southwestern England. He was there to lay the foundation stone of a new hospital that would have inpatient treatment beds and a maternity suite, The Associated Press reported."I asked William about his wife Kate and he said, 'she's doing well, thanks,' and I suggested they might like to come for a visit and bring the children," said Tracy Smith, an administrator at St Mary's Community Hospital, who greeted the heir to the throne.In a light-hearted response to Smith, Prince William told her, "The children are very jealous that I am here. Maybe we might come later in the year."

This was also Prince William's first visit to the Isles

of Scilly since becoming the Duke of Cornwall, a title he holds along with the Prince of Wales title.

Prince William was presented a 'Get well soon' card for his father, King Charles, also a cancer patient, and Kate Middleton by one Matron Lynda McHale, UK's Sky News reported."It was a card from my granddaughter who wanted to wish his father and wife 'get well soon'," McHale said.

On March 22, Kensington Palace released a video message featuring Kate Middleton, 42, who said that she was undergoing preventative chemotherapy for cancer, which was diagnosed after her abdominal surgery in January. The type of cancer has not been revealed yet.

She said that the diagnosis came as a "huge shock" to her and her family, but added she is "well and getting stronger everyday".Her video statement came after months of rumours and bizarre conspiracy theories about the Princess of Wales's whereabouts since her disappearance from the spotlight after Christmas in December last year.

Kensington Palace has said Kate Middleton would not attend royal duties until after the Easter holidays. A palace spokesperson said that the Princess of Wales would return to her duties "when she is cleared to do so" by her medical team, People reported.

New Chinese envoy says ready to work with India: 'Turn the page on issues'

World. China is ready to work with India to "accommodate" each other's concerns and find a mutually acceptable solution to "specific issues" through dialogue at an early date, Beijing's new envoy to New Delhi Xu Feihong has said, remarks that came against the backdrop of the prolonged military standoff in eastern Ladakh.An Assistant Minister ranked official, Xu, 60, appointed by Chinese President Xi Jinping for the sensitive job, said he regards his posting in New Delhi as an "honourable mission and a sacred duty" to improve and advance bilateral ties."It is an honourable mission and a sacred duty. I will do my best to deepen understanding and friendship between the two peoples, expand exchanges and cooperation in various fields, and improve and advance the bilateral relationship," Xu told PTI and China's state-run CGTN-TV in a media interaction here before leaving for New Delhi to take up his posting."China is ready to work with India to accommodate each other's concerns, find a mutually acceptable solution to specific issues through dialogue at an early date, and turn the page as soon as possible," Xu said without elaborating further.Xu previously served as China's Ambassador to Afghanistan and Romania, besides senior cadre-level postings in the ruling Communist Party of China (CPC).

He succeeds veteran Chinese diplomat Sun Weidong, who completed his tenure in October 2022. He is currently China's Vice Foreign Minister.Xu's appointment comes after an unusually long delay of 18 months amid strained relations between the two countries over the Ladakh military standoff.

Relations between the two countries hit a low except for trade ever since the eastern Ladakh border standoff erupted on May 5, 2020, following a violent clash in the Pangong Tso (lake) area. The two sides have so far held 21 rounds of Corps Commander-level talks to resolve the standoff.

India is pressing the People's Liberation Army (PLA) to disengage from the Depsang and Demchok areas, maintaining that there cannot be restoration of normalcy in its relations with China as long as the state of the borders remains abnormal.

According to the Chinese military, the two sides so far agreed to disengage from four points, namely the Galwan Valley, the Pangong Lake, Hot Springs, and Jianan Daban (Gogra).

As he set to take over his posting in New Delhi, Xu was candid and hopeful about resolving the present deadlock in bilateral ties."I noted Prime Minister Modi's comments on the importance of China-India ties, and the Chinese Foreign Ministry spokesperson responded to that right afterwards," Xu said.In his recent interview with Newsweek magazine, Prime Minister Narendra Modi said India's relationship with China is important and significant.

Russia launches armoured ground attack in Kharkiv, US in touch with Ukraine

Kyiv, Ukraine Russian forces launched an armoured ground attack on Friday near Ukraine's second city of Kharkiv in the northeast of the country and made small inroads, opening a new front in a war that has long been waged in the east and south.kraine sent reinforcements as fighting raged in the border areas of the region, the defence ministry said, adding that Russia had pounded the frontier town of Vovchansk with guided aerial bombs and artillery."Russia has begun a new wave of counteroffensive actions in this direction," Ukrainian President Volodymyr Zelenskiy told a news conference in Kyiv. "Now there is a fierce battle in this direction."Ukraine had warned of a Russian build-up in the area, potentially signalling preparations for an offensive or a ploy to divert and pin down Ukraine's overstretched and outnumbered defenders. It was unclearif Moscow would develop the attack.In its evening battlefield update, the Ukrainian General Staff said for the first time that Russia was also building up forces to the north of Kharkiv near the Ukrainian regions of Sumy and parts of Chernihiv.

Zelenskiy has said Russia could be preparing a big offensive push this spring or summer. Kyiv's forces were prepared to meet Friday's assault, but Moscow could send more troops to the area, he told reporters.The Ukrainian defence ministry said Russia launched an armoured assault at around 5 am. In an update at 10 pm, the General Staff said battles were continued to prevent Russian offensive efforts to advance in the Kharkiv region.

A senior Ukrainian military source who declined to be named said Russian forces had pushed 1 km (0.6 mile) inside the Ukrainian border near Vovchansk.

The source said Russian forces were aiming to push Ukrainian troops as far back as 10 km inside Ukraine as part of an effort to create a buffer zone, but that Kyiv's troops were trying to hold them back.he White House said the United States had been coordinating closely with Ukraine on Russia's Kharkiv offensive.

"It is certainly possible that the Russians are setting themselves up for a larger assault on Kharkiv," White House national security spokesperson John Kirby told reporters.

Top Ukrainian officials have repeatedly said they do not believe Russia has the force capacity available to launch a

successful operation to capture the city of Kharkiv, home to 1.3 million people.

The General Staff said battles raged for control of three frontier villages - Strilecha, Pylna and Borysivka - that were already seen as in a "grey area" of control."Counter-offensive measures continue in the direction of the settlements of Lyptsi and Vovchansk. The enemy is using infantry and equipment," it said on the Telegram app.

ilitary spokesperson Nazar Voloshyn said fighting was still raging in the evening and that the situation was dynamic. He said he believed Moscow's operation aimed to draw troops to Kharkiv from the east where Russia is focusing its offensive.There was no immediate comment from Moscow.

HEAVY SHELLING

At least two civilians were killed and five were injured during heavy shelling of border settlements, said Oleh Synehubov, governor of Kharkiv region."All the enemy can do is to attack in certain small groups, you can call them sabotage and reconnaissance groups or something else, and test the positions of our military," he said.

In Vovchansk, a town with a pre-war population of 17,000 that has dwindled to a few thousand, authorities said they were helping civilians evacuate from the settlement and surrounding areas due to the heavy shelling.In his evening address, Zelenskiy said his top commander Oleksandr Syrskyi had reported to him that "heavy fighting" was taking place all along the more than 1,000-km (600-mile) front line.kraine chased Russian troops out of most of the Kharkiv region in 2022, following Russia's full-scale invasion in February of that year. But after weathering a Ukrainian counteroffensive last year, Russian forces are back on the offensive and slowly advancing in the Donetsk region that lies further south.

NEWS BOX

CSK desperately missed Pathirana and Mustafizur vs GT: Mitchell McClenaghan

New Delhi. Mitchell McClenaghan said that CSK badly missed the services of Mustafizur Rahman and Matheesha Pathirana in their IPL 2024 match against GT on Friday, May 10 at the Narendra Modi Stadium in Ahmedabad. Both pacers are not a part of the Super Kings anymore for the ongoing edition of the T20 league.

Mustafizur is currently playing in the 5-match T20I series against Zimbabwe. Pathirana, on the other hand, returned to Sri Lanka to get treatment for his hamstring injury. On Friday, CSK felt their absence after the Titans racked up a massive score of 231 for 3 on the board and eventually won the match by 35 runs.Sai Sudharsan and Shubman Gill took the CSK bowlers to the cleaners with a partnership of 210 runs for the opening wicket in 17.2 overs. Tushar Deshpande removed both batters in the 18th over, but by then, the damage was already done. Refelcting on CSK's dismal bowking performance, McClenaghan said that Pathirana and Mustafizur would have found a way to stop the rampaging GT batters.IPL 2024 Full Coverage | IPL 2024 Points Table and Standings | 2024 IPL Full Schedule

"CSK showed that they desperately missed Pathirana and Mustafizur because of their

experience and wicket-taking ability. On that kind of a wicket, you would have got a feeling that they would have found a way," McClenaghan told ESPNcricinfo.

CSK had to rely on Daryl Mitchell to bowl four overs: McClenaghan

The former Kiwi pacer also said that Daryl Mitchell bowling his full quota of overs is not ideal for CSK by any stretch of the imagination. Although he scored 63 off 34, Mitchell had a rough day with the ball after finishing with expensive figures of 4-0-52-0."Today, they had to rely on Daryl Mitchell to bowl four overs and that's not ideal," he added.Chasing a huge score of 232, CSK could only get themselves up to 196 for 8 in 20 overs. With the defeat, the Super Kings slipped to fourth in the table with 12 points and a net run rate of +0.491 thanks to wins in 6 out of 12 matches.

Shubman Gill confident of GT reaching IPL 2024 playoffs: Miracles do happen

GT captain Shubman Gill believes that his side can still make it to the playoffs in IPL 2024. GT beat CSK by 35 runs on Friday, 11 May at the Narendra Modi Stadium in Ahmedabad.

Ahmedabad. GT captain Shubman Gill was key to his team getting back to winning ways on Friday, 10 May. Playing against CSK at home, GT put on a dominating total of 231 runs which eventually helped them win a crucial tie in the Indian Premier League. With the win, GT kept their faint chances of playoffs alive - with 10 points from 12 matches. Speaking at the press conference after the match, Gill said that everyone in GT believes that they can still make it to the top four with 2 games remaining and are pushing for positive results.Shubman Gill roared back to form with the bat as he scored his 4th IPL hundred during the clash against CSK in Ahmedabad on May 10, Friday. Gill hadn't been at his best this season as compared to the IPL 2023, when he scored close to 900 runs. This would cost him a place in the main squad for the T20 World Cup in USA and the West Indies as he will be part of the reserves list.Gill had scored 322 runs in 11 matches with an average of 32.30 and a strike-rate of 137.61. He only had two fifties to his name as GT have struggled in the IPL 2024 campaign under Gill's captaincy.

"The chances of us qualifying was 0.1 or 1 per cent. I think all of us, all 25 of us, we all believe that we can still make it into the playoffs. Because I have seen miracles happen with this team in the past couple of years and we all do believe in that," Gill said at the post-match press conference.

MAXIMISE OPPORTUNITIES: GILL

Speaking about the team's batting, Gill felt that they were short by 15 runs, especially after GT were 195/0 in 15 overs. Gill also spoke about his 210-run opening partnership with Sai Sudarshan and said that they were trying to maximise their opportunities keeping in mind the importance of the tie.

"When I got out, I was a bit frustrated. I thought as a batting unit, we left 10-25 runs out there. At one point we were 195/0 in 15 overs, so I thought that 250 was a pretty gettable score and I was thinking about that. We lost our last three games and it was important for us to win this one and that is what me and Sam were discussing. Every over we tried to maximise our opportunities against every challenge that was thrown at us," Gill said.

IPL 2024 Full Coverage | IPL 2024 Points Table and Standings | 2024 IPL Full Schedule

The young captain concluded by speaking about MS Dhoni and the fandom that be brings with him to wherever he travels. Dhoni wowed the crowd on Friday with 3 massive sixes and remained unbeaten at 26 off 11 balls."Wherever Mahi bhai plays, it is their home ground, so nothing different with that, but at least, when we were scoring, people were cheering for us and when we visit Chepauk, it is complete silence when we hit boundaries or take a wicket," Gill concluded.GT will play their last two matches against KKR and SRH. Not only they have to win both matches, they will have to depend on other results to qualify for the IPL playoffs.

Never leave us again': KKR fan breaks down in front of mentor Gautam Gambhir

Kolkata, In a recent heartfelt video uploaded by KKR's official social media handle, a fan of the franchise can be seen breaking into tears in front of Gautam Gambhir while asking him to never leave the side again. The video shows the fan expressing his gratitude to the two-time Indian Premier League (IPL)-winning side's mentor, while acknowledging how things have been difficult for the team since he left. Ahead of IPL 2024, KKR roped in their former skipper Gambhir as a mentor, a move which caused a lot of hype amongst the massive fanbase of the franchise. Much to the good fortune of KKR, Gambhir's arrival has seen the side taste success across the majority of their IPL 2024 campaign so far.Having previously led the side to both of their IPL titles in 2012 and 2014, Gambhir's return to KKR was one of the major topics of hype ahead of the ongoing season of the IPL. Before his comeback to his former side, Gambhir held a similar role in KKR's rival franchise LSG for IPL 2022 and 2023, and was key in guiding the side to the play-offs in both the seasons. However, the arrival of the likes of Justin Langer at LSG as their head-coach ahead of IPL 2024, saw Gambhir opting for a different challenge. Back in his playing days, Gambhir left KKR in 2017 to join his home-side DC, and then announced his retirement from all forms of cricket just the following year.The viral video of the fan expressing his emotions in front of Gambhir has only extended praise to the former franchise skipper."I am one of your biggest fans. I just want to say please don't leave us ever again. We can't even describe what we had to go through after you left," the fan said.

The fan went on to dedicate a popular Rabindranath Tagore-composed song to Gambhir, to express the mentor's special place of importance amongst the KKR fanbase.I want to tell this to you through a song - Tomaye Hridh Majharey Rakhbo chere debone (We will keep you in our hearts and never let go), hats how important you are to us." the fan added.IPL 2024 Full Coverage | IPL 2024 Points Table and Standings | 2024 IPL Full Schedule

KKR have been in some brilliant winning form in IPL 2024, which has seen them cushion their place on the second spot in the season's points table. After their last emphatic victory against LSG by 98 runs, KKR will head for their highly-anticpated clash against MI with some crucial winning momentum.

James Anderson to retire during England's home summer: Reports

New Delhi. Legendary James Anderson is set for his final appearance in Test cricket as the upcoming home season for England will be the last for cricket's most successful fast bowler, a report in UK media said.

Having become the first fast bowler ever to take 700 wickets in Test cricket during England's tour of India earlier this year, legendary Australian spinner Shane Warne's tally of 708 wickets in the format could be on Anderson's

target as he takes the field for one final run with the England team.According to 'The Guardian', Anderson has been told by England's Test team coach Brendon McCullum that they are looking at the future, with an eye on the Ashes 2025-26 in Australia, which means that the end of the road is near for the 41-year-old.RETIREMENT AT HOME

England are set to play Tests against West Indies and Sri Lanka at home this year and one of those fixtures is at Old Trafford — Anderson's home ground — and that game could be the last for the right-arm bowler.

The report said that McCullum flew especially from New Zealand to the UK to inform Anderson about his future over a round of golf Anderson, who has played 187 Tests for England in a storied career which began in May 2003 along with 194 ODIs and 19 T20Is, sits third in the list of all-time highest wicket-takers in Test cricket with 700 wickets, behind Warne (708) and Sri Lanka's Muttiah Muralitharan (800).Anderson was England's fourth highest wicket-taker in the recently concluded Test series against India. In a spin dominated series, Anderson was taken apart by the India batters in the latter part of the Test series.

We saw the Shubman Gill we know: Graeme Smith in awe of GT star's knock vs CSK

New Delhi. Graeme Smith feels that everyone saw the Shubman Gill they have come to know over the years with his whirlwind knock during the GT vs CSK clash. Gill, who had been struggling for form, scored his 4th IPL hundred in just 50 balls as he helped Gujarat post 231 runs in Ahmedabad. The total was enough on the day as Gujarat kept their playoffs hopes alive with the win.Gill hit 9 boundaries and 6 sixes as he ended up scoring 104 off 55 balls as GT secured a 35-run win in the end. Speaking to JioCinema, Smith said that Gill has shown that he has the ability but the ongoing season has been a struggle for him with the burden of captaincy also being on him.

"We've always known that he's got the ability, he has shown it year after year. I think this year is the one year that's really been a struggle for him. First year as captain, probably had a lot to deal with for the first time in his career, from a leadership perspective and how he balanced that with opening the batting and sometimes it will falter into each other," said Smith.

Gill had power, timing and intent

Smith went on to say that Gill will learn to balance his captaincy and batting with experience. The former South Africa skipper said that the GT star showed power, timing and intent with his knock against CSK and commanded the crease throughout the innings."He'll learn as he gains experience, to deal with those situations. But today was the Shubman Gill we know. He had the power, the timing, the intent. He's commanded his crease and he scored all around the ground and you saw the emotions come through in the end," said Smith.

IPL 2024 Full Coverage | IPL 2024 Points Table and Standings | 2024 IPL Full Schedule

Gill has now scored 426 runs from 12 matches at an average of 38.73 at a strike-rate of 147.40. GT secured their 5th win of the season against GT and remains in the hunt for a playoffs spot. They will need to win their remaining matches against KKR on May 13 in Ahmedabad and the away game to SRH.

Rishabh Pant imitates Irfan Pathan, gets hilarious reply from all-rounder

DC captain Rishabh Pant posted a photo of him bowling in the nets where he was seen imitating the action of Irfan Pathan. Pathan, reacted to the photo on Instagram with a cheeky reply.

New Delhi. DC captain Rishabh Pant posted a photo on Instagram while bowling in the nets. The wicketkeeper-batter imitated the action of Irfan Pathan in the nets which caught the attention of many. Pant captioned the image asking if DC needed his services as a genuine all-rounder or not. Irfan Pathan saw the post on Instagram and replied in the comments. Pathan took an innocent dig at Pant and said that they were same, but different.

Rishabh Pant has been sensational for DC in the ongoing edition of the Indian Premier League. He is currently the leading run-scorer for DC in IPL 2024, having racked up 413 runs from 12 games at an average of 41.30 and a strike-rate of 156.44 with 3 fifties and a top score of 88 not out to his name.

Junaid Khan and Shoaib Akhtar rip apart Pakistan for shock loss to Ireland

Former Pakistan cricketers Shoaib Akhtar and Junaid Khan rip apart Pakistan team for their shocking five-wicket loss against Ireland in the first T20I of the three-match series.

New Delhi, Pakistan suffered an embarrassing loss against Ireland in the first T20I of the three-match series on Friday, May 10 at Clontarf Cricket Club Ground, Dublin. The loss hasn't gone down well with the fans and former cricketers who are bashing the players left right and centre for their dismal performances just on the brink of the T20 World Cup 2024.Expressing their displeasure on their social media handles former Pakistan fast bowlers Junaid Khan and Shoaib Akhtar were left aghast with Babar Azam and his men who recorded Pakistan's first loss against Ireland in their T20I history. Akhtar was left speechless by Pakistan's performance and posted a couple of angry emojis on his X handle.On the other hand, Junaid stated that it was time for some serious discussions regarding the team's performance after a drawn series against an inexperienced New Zealand side and now a shocking loss against Ireland.On the other hand, Junaid stated that it was time for some serious discussions regarding the team's performance after a drawn series against an inexperienced New Zealand side and now a shocking loss against Ireland.Andrew Balbirnie starred in the chase for Ireland

Coming back to the game, after being put in to bat first, Pakistan posted a good score of 182/6 in their allotted 20 overs. The visitors were jolted by an early loss in the form of their opener Mohammed Rizwan who departed for 1 (4). However, contributions from Saim Ayub (45 off 29), Babar Azam (57 off 43) and Iftikhar Ahmed (37* off 15) helped Pakistan cross the 180-run mark. In reply, Ireland chased down the score on the penultimate delivery of the match with captain Andrew Balbirnie top-scoring with 77 (55)Meanwhile, after being 0-1 behind in the series, Pakistan will look to make a comeback in the second game on Sunday, May 12 at the same venue. The Babar Azam-led side doesn't have much time to regroup as they next face England in a four-match series from May 22 followed by the all-important T20 World Cup 2024 beginning from June 02.

Neha Dhupia

Hugs Her 'Love' Angad Bedi On 6th Wedding Anniversary: 'How Far We Have Come'

Neha Dhupia and Angad Bedi are celebrating their 6th wedding anniversary today. The couple met at a friend's gathering, and over time, their friendship blossomed into a deep connection. They surprised their fans, with a secret wedding. They tied the knot in an intimate ceremony at a Gurudwara in 2018.

As Neha revisited her special day, the actress penned a heartwarming note for Angad with a bundle of happy throwback pictures. The note read, "To the love of my life … look how far we have come …Through the friendship , the fights and the free style swimming in open waters …thru the laughs , the victories and the losses …thru the impulsive travels , the unplanned date nights and the late night chats till the wee hours of the morning …thru the crazy workouts , the midnight snacking , your annoying phone habits and your ability to watch the same match and movie over n over n over again …Thru our gorgeous, adorable , extremely squishable babies and ofcourse thru this adventure called life … ?? I would do it over n over n over again with you and only you! Here's to us ! SIX YEARS BABY … #happyanniversary my love @angadbedi I love you."

Angad, had once shared how he had only Rs 3 lakh in his bank account during the time of their wedding. He went on to say that Neha's parents were not concerned about his financial condition, He had also revealed when he initially wanted to marry Neha, she was in a much more financially stable position.

Angad, in fact, bought his first car solely to impress her. Speaking to Curly Tales, Angad had said, "When I met her, I said, 'Yaar, isse shaadi karni hai, paise toh hai nahi (I want to marry her but I have no money).' I was like, 'Yeh BMW mein ghoomti hai, at least ek gaadi toh thodi upar ki leni padegi (She travels in a BMW, I knew I had to at least buy a fancy car).' So I saved some money, got a loan and bought my first car just to impress her."On the professional front, Neha is set to make her international debut in the upcoming film Blue 52, directed by Egyptian filmmaker Ali El Arabi. The movie chronicles the story of Ashish, who finds himself isolated by his father. Supported by his mother's steadfast encouragement, he sets out on a journey at the age of 23 to fulfill his dream of meeting his idol, Messi, at the 2022 World Cup in Qatar. This journey becomes a pivotal and transformative experience for Ashish as he navigates self-discovery and explores the world for the first time.

Krishna Mukherjee

Accused of Defamation By Producer Kundan Singh Days After Her 'Locked In Room' Claim

The war of words between television actress Krishna Mukherjee and Shubh Shagun producer Kundan Singh has been going on for a long time now. It all started after Krishna accused Kundan of harassment and claimed that he had locked her in a makeup room once. While Kundan dismissed all allegations, he has now accused Mukherjee of defamation.

Kundan Singh Accuses Krishna Mukherjee of Defamation

The producer was recently speaking to Indian Express when claimed that Krishna is lying to everyone and said, "I have been defamed. The variations in her allegations point out who is lying and who is speaking the truth. First, she claimed on Instagram that Kundan Singh locked her. If I lock someone, will that person not try to break the door first? The most common thing to do is call the police. Her friends are claiming that Krishna called them. If Krishna had called the police, those guys would have been immediately arrested. Her friend claimed in a video that she was locked, but because it was at Madh Island, he could not go. If your female friend is stuck in a situation like this, wouldn't you go? The friend could have informed the police."Kundan slammed Krishna for saying that he has been threatening her and claimed that she is making such allegations only to be in the limelight. "She even accused me of threatening her. How would I do that? Either through messages or calls or in person, so she should have at least one proof of my threats to her. It is pure defamation from her end to come into the limelight. She was on vacation. Once the holidays were over, she came back thinking about how to get work in the industry and get highlighted. So insulting someone else is the best way," he added.Kundan also argued that everyone on sets is treated with "great respect" and claimed since Krishna "wants to prove herself as truthful, she is making up ten other lies."

What Did Krishna Mukherjee's Allege?

Last month, Krishna Mukherjee, who rose to fame with her role in 'Yeh Hai Mohabbatein', opened up about battling depression and blamed the makers of 'Shubh Shagun' for her anxiety. She admitted that she was going through "tough times" and accused the producer of the show of harassment. The 31-year-old actress further claimed that the makers of the show locked her in a makeup room once when she was unwell and unwilling to shoot. She also accused them of not clearing her dues and alleged that a "big amount" has not been paid by the production house to her yet.

Ibrahim Ali Khan Is In 'Miami State Of Mind' And We Are Not Even Complaining

Within weeks of his Instagram debut, Ibrahim Ali Khan has become an Internet sensation. His charming looks and engaging posts are to be credited for his instant popularity. Yet to make his Bollywood debut, Ibrahim is already a star. The soon-to-be actor recently jetted off to Miami after wrapping the filming for his debut film. He treated his Insta fam to some hidden gems from his recent trip in a post and captioned it, "Miami State of Mind."Cooling off in Miami, Ibrahim went shirtless for one of the pictures. A few snapshots featured him chilling at a beach in a green colored vest and yellow-colored shorts. Looking away from the camera, he exuded style and charm in a single frame. One of the pictures featured him witnessing the Formula 1 race from the stands at Miami Grand Prix. For his race, Saif Ali Khan's handsome son opted for white pants and a white undershirt. He layered the outfit with a blue overshirt that came with the Ferrari logo on it on top of his all-white ensemble. In a display of his fashion finesse, the Starkid elevated the look with a pair of black sunnies. The last slide of the post included a video from the race.

Fans have been gushing over the Internet sensation ever since he dropped the cute stills on his handle. Drooling over Ibrahim's pictures, his fan wrote, "Time to change my wallpaper cus Ibrahim posted." The soon-to-be actor got another fan "blushinggggg." "No Ibrahim.. you can't be that handsome:/ stop it before girls start to fight for you," added another seemingly impressed user.Meanwhile, Ibrahim is set to embark on his acting journey. His debut film is Sarzameen opposite Kajol. Additionally, he will also play the lead in the film Naadaniyaan alongside Khushi Kapoor. Scheduled for an OTT release, the film will mark the directorial debut of Shauna Gautam. Besides these two projects, he is also expected to take on a pivotal role in Dinesh Vijan tentatively titled film Diler, as reported by Pinkvilla.

Ahan Shetty, Pooja Hegde's High-Energy Thriller Sanki To Go On Floors Soon; Details Inside

Since the initial announcement of 'Sanki,' there has been considerable excitement surrounding the unexpected pairing of Ahan Shetty and Pooja Hegde. Producer Sajid Nadiadwala is set to commence filming on 6th June, beginning with a special action sequence crafted by international designer Kecha Khamphakdee.A source close to the project revealed, as quoted by Mid-Day, "The team is all set to kickstart a week long Mumbai schedule with a lot of action sequences designed by Kecha and then followed by a Goa schedule. The duo's chemistry is anticipated to sizzle on screen, adding an extra layer of excitement to the project." It is going to be a very different world of Sanki which the audience will experience with tis film."'Sanki' is positioned as a high-energy thriller, offering viewers a thrilling mix of adrenaline-pumping action and compelling drama. With Sajid Nadiadwala steering the project, renowned for delivering blockbuster hits, expectations are soaring for this film to live up to its promise of entertainment excellence. The release date for 'Sanki' has been scheduled for Valentine's Day, 14th February 2025.

Ahan Shetty made his debut in Sajid's film 'Tadap' in 2021, alongside Tara Sutaria. Penned by Rajat Aroraa and helmed by debut directors Adnan A. Shaikh and Yasir Jah, the film garnered attention.In addition to 'Sanki,' Sajid Nadiadwala has 'Housefull 5' in the works, making history as the first Indian film franchise with five installments. The 'Housefull' franchise commenced in 2010 with a star-studded cast including Akshay Kumar, Riteish Deshmukh, Lara Dutta, Deepika Padukone, Arjun Rampal, and Boman Irani. The series continued with successful sequels, each featuring an ensemble of top actors.